02 फरवरी 2025
रविवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

भागलपुर में तकनीकी संस्थानों का कराया गया है निर्माण: सीएम 5

लोन... लोन... लोन... बजट में हर वर्ग के लिए कर्ज का ऐलान

एजेंसी/नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पेश किया बजट, जानिए.. महिला, किसान और मजदूरोंवित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में 2025-26 का बजट पेश कर दिया है। बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री ने कई बड़ी घोषणाएं की हैं। इस दौरान उन्होंने किसानों के साथ साथ रेहड़ी-पटरी वालों और कामगारों के लिए बड़े एलान किए हैं। महिलाओं के लिए भी बजट में कई ऐलान किए गए हैं। महिलाओं के लिए बड़ा एलान करते हुए वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सरकार 10 हजार करोड़ रुपए के योगदान से स्टार्टअप के लिए फंड की व्यवस्था करेगी। सरकार पहली बार पांच लाख महिलाओं, एससी और एसटी उद्यमियों के लिए दो करोड़ रुपए की लोन देगी। महिलाओं को बिना किसी गारंटी के आसान शर्तों पर लोन दिया जाएगा ताकि वह अपना खुद का छोटे और मध्यम स्तर का व्यवसाय शुरू कर सकें। इस योजना में महिलाओं को पांच साल के लिए दो करोड़ रुपए तक की टर्म लोम की सुविधा मिलेगी। जिससे पांच लाख महिलाओं का फायदा मिलेगा। वहीं महिलाओं को अपने अद्यम को बढाने के लिए सरकार डिजिटल ट्रेनिंग, मार्केटिंग सपोर्ट और सरकारी योजनाओं से जुड़ने की सुविधा उपलब्ध कराएगी।वहीं सरकार ने देशभर के किसानों को बड़ी सौगात देते हुए केसीसी की लोन सीमा को तीन लाख से बढ़ाकर पांच लाख कर दिया है। सरकार ने बंद बड़े तीन यूरिया कारखानों को फिर से खोला है। यूरिया आपूर्ति के लिए असम के नामरूप में 12.7 लाख मिट्रिक टन की वार्षिक क्षमता वाला यूरिया प्लांट लगाया जाएगा। बिहार में मखाना बोर्ड का गठन होगा। बिहार में राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान खोला जाएगा।बात करे मजूदरों की तो इस बजट में मजदूरों के लिए भी सरकार ने कई एलान किए हैं। ऑनलाइन प्लेटफार्म के लिए काम कर रहे कामगारों को ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्टर कर के प्रमाण पत्र दिया जाएगा। पीएम जन आरोग्य योजना के तहत स्वास्थ्य सुविधाएं दी जाएंगी। लगभग एक करोड़ कामगारों को इसका लाभ मिलेगा। वहीं शहरी कामगारों के उत्थान की योजना को शहरी गरीब और वंचित समूह की आय में इजाफा करने और उनके बेहतर जीवन यापन के लिए लागू किया जाएगा। बैंकों से 30 हजार लोन की सीमा वाले यूपीआई लिंक्ड क्रेडिट कार्ड और क्षमता निर्माण में सहायता देने के लिए पीएम स्वनिधि योजना को और प्रभावकारी बनाया जाएगा।

लोन की घोषणाओं का मकसद कारोबार को बढ़ावा देना

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को केंद्रीय बजट 2025 पेश किया। इसमें उन्होंने किसानों से लेकर युवाओं और महिलाओं तक के लिए लोन का ऐलान किया गया। साथ ही एमएसएमई सेक्टर में भी लोन देने की घोषणाएं की गईं। लोन की इन घोषणाओं का मकसद कारोबार को बढ़ावा देना है।

1. किसानः बजट में किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने का ऐलान किया गया। इसे 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया गया है। यानी किसान अब 5 लाख रुपये तक का लोन ले सकेंगे। इसके अलावा मछुआरों और डेयरी किसानों को भी 5 लाख रुपये तक का शॉर्ट टर्म लोन मिल सकेगा।

2. एमएसएमईः सूक्ष्म उद्यमियों को भी लोन की सुविधा दी गई है। ऐसे एमएसएमई जो उद्यम पोर्टल पर रजिस्टर हैं, उन्हें 5 लाख रुपये तक की लिमिट वाला क्रेडिट कार्ड मिल सकेगा। पहले साल में ऐसे 10 लाख कार्ड जारी किए जाएंगे।

3. महिलाएंः महिलाओं, एससी/एसटी आदि को 5 लाख रुपये लोन के रूप में दिए जाएंगे। यह लोन उन्हें मिलेगा, जो पहली बार कारोबार की दुनिया में कदम रखेंगे। इसके लिए सरकार नई योजना शुरू करेगी। इसके तहत अगले 5 वर्षों में 2 करोड़ रुपये तक के लोन दिए जाएंगे।

4. स्टार्टअपः एसएमई, स्टार्टअप और निर्यातक एमएसएमई के लिए गारंटी सुरक्षा के साथ लोन की सीमा बढ़ाई गई है। एसएमई के लिए इसे 5 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये किया गया है। स्टार्टअप के लिए 10 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 20 करोड़ रुपये किया गया है। वहीं निर्यातक एमएसएमई को 20 करोड़ रुपये तक के सावधि कर्ज मिल सकेंगे।

बजट में रेलवे को हुआ 2.52 लाख करोड़ आवंटित

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को केंद्रीय बजट 2025-26 पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बजट में रेलवे को बेहतर बनाने के लिए सरकार के निरंतर प्रयास को जारी रखा गया है। इसके लिए 2.52 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं और 17,500 जनरल कोच, 200 वंदे भारत और 100 अमृत भारत ट्रेनों के निर्माण जैसी परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। रेल मंत्री ने कहा कि बजट में 4.6 लाख करोड़ रुपये की नई परियोजनाएं शामिल की गई हैं। जो चार से पांच साल में पूरी हो जाएंगी। ये नई लाइनें बिछाने, दोहरीकरण, चौगुनीकरण, नए निर्माण, स्टेशन पुनर्विकास, फ्लाईओवर, अंडर-पास सहित कई अन्य से संबंधित हैं। उन्होंने कहा कि अगले दो से तीन वर्षों में 100 अमृत भारत, 50 नमो भारत और 200 वंदे भारत - स्लीपर और चेयर कार दोनों प्रकार की ट्रेनें बनाई जाएंगी। नई अमृत भारत ट्रेनों के साथ, हम कई और कम दूरी के शहरों को जोड़ेंगे। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि आने वाले वर्षों में 17,500 ऐसे कोचों के निर्माण को मंजूरी दी गई है। रेल मंत्री ने कहा कि एक और बड़ी उपलब्धि जो रेलवे 31 मार्च तक हासिल करने जा रही है, वह हमारी माल ढुलाई क्षमता से संबंधित है। हम 31 मार्च तक 1.6 बिलियन टन माल ढोने का लक्ष्य हासिल कर लेंगे और चीन के बाद दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा माल ढोने वाला रेलवे बन जाएंगे। मंत्री ने यह भी घोषणा की कि इस वित्तीय वर्ष के अंत तक 100 प्रतिशत विद्युतीकरण हासिल करने जा रहे हैं।

घिसे-पिटे रास्ते पर चल रहीं वित्त मंत्री, 1991 और 2004 की तरह : चिदंबरम

नई दिल्ली। बजट को लेकर चिदंबरम का तंजकांग्रेस ने शनिवार को कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण नए विचारों के बिना पुराने घिसे-पिटे रास्ते पर चल रही हैं और इससे बाहर नहीं निकलने को तैयार नहीं हैं। जैसा कि उनकी सरकारों ने 1991 और 2004 में किया था। विपक्षी पार्टी ने कहा कि बजट से यह साफ है कि भाजपा कर चुकाने वाली मध्यवर्गीय जनता और बिहार के मतदाताओं को लुभाने की कोशिश कर रही है। पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा, बजट में जो घोषणाएं की गई हैं, उनका मध्यवर्ग के 3.2 करदाता और बिहार के 7.65 करोड़ मतदाता स्वागत कर सकते हैं, लेकिन शेष भारत के लिए वित्त मंत्री के पास सांत्वना भरे शब्दों के अलावा और कुछ नहीं था, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सदस्यों की तालियों और भी बेहतर बना दिया।

बजट पर बोले राहुल गांधी... गोली के घाव पर मरहम पट्टी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बजट के बारे में कहा है कि गोली लगने के घाव पर मरहम पट्टी की गई है। वहीं वित्त वर्ष 2025-26 के लिए पेश किए गए आम बजट पर पीएम मोदी ने कहा कि आज देश विकास भी। विरासत भी के मंत्र को लेकर चल रहा है और इस बजट में इसके लिए बहुत महत्वपूर्ण और ठोस कदम उठाए गए हैं। बजट में नई कर व्यवस्था के तहत 12 लाख रुपये तक वार्षिक आय को कर के दायरे से मुक्त रखा गया है। राहुल गांधी ने बजट को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि वैश्विक अनिश्चितता के बीच, हमारे आर्थिक संकट को हल करने के लिए एक आदर्श बदलाव की आवश्यकता है। लेकिन यह सरकार विचारों को लेकर दिवालिया है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए कुछ नहीं करेगा।

जल्द लागू होंगे तीन नए आपराधिक कानून: अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह अमित शाह ने सीएम भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में राज्य में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में पुलिस, जेल, कोर्ट, अभियोजन और फॉरेन्सिक से संबंधित विभिन्न नए प्रावधानों के गुजरात में कार्यान्वयन और वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। अमित शाह ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से लाए गए तीन नए आपराधिक कानूनों की आत्मा, किसी भी मामले में एफआईआर से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक तीन साल में न्याय दिलाने के प्रावधान में है। शाह ने गुजरात सरकार के नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन को लेकर अब तक किए गए कार्यों की सराहना की। राज्य सरकार से 30 अप्रैल 2025 तक सभी कमिश्नरेट में नए कानूनों का शत-प्रतिशत कार्यान्वयन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि गुजरात के सीएम से इसकी मासिक, राज्य के गृह मंत्री पाक्षिक और मुख्य सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) एवं महानिदेशक पुलिस स्तर पर साप्ताहिक समीक्षा की जानी चाहिए। शाह ने कहा कि गुजरात ने 10 वर्ष से अधिक सजा वाले मामलों में 92 प्रतिशत से अधिक चार्जशीट समय पर दाखिल करने का सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने कहा कि बचे हुए मामलों में अधिनियम में कोर्ट से अनुमति लेने के प्रावधान के उपयोग को सुनिश्चित करने की समीक्षा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवस्था की जानी चाहिए जिसमें अपराध एवं अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क एवं सिस्टम के जरिए दो राज्यों के बीच एफआईआर ट्रांसफर किया जा सके। पोस्टमार्टम और अन्य मेडिकल रिपोर्ट इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्राप्त करने पर जोर देना चाहिए।

नई दिल्ली के रोहिणी में आप विधायक पर हमला

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के विधायक मोहिंदर गोयल पर शनिवार को रोहिणी इलाके में एक जनसभा के दौरान कथित तौर पर हमला हुआ। इस घटना को लेकर पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भाजपा पांच फरवरी को होने वाले विधानसभा चुनाव में आसन्न हार के मद्देनजर गुंडागर्दी कर रही है। यह घटना पूर्वाह्न करीब 11 बजे हुई। जब रिठाला विधानसभा क्षेत्र से आप के उम्मीदवार गोयल प्रचार में लगे हुए थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ : सुरक्षाबलों ने 8 नक्सलियों को मार गिराया

एजेंसी/नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में शनिवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में आठ नक्सली मारे गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ स्थल से हथियार बरामद किए गए हैं। बरामद हथियारों में एक इंसास राइफल और एक बैरल ग्रेनेड लांचर (बीजीएल) शामिल हैं। पुलिस महानिरीक्षक (बस्तर रेंज) सुंदरराज पी ने बताया कि मुठभेड़ गंगालूर थाना क्षेत्र के जंगल में उस समय शुरू हुई जब राज्य पुलिस के जिला रिजर्व गार्ड और विशेष कार्य बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और कोबरा के साथ नक्सल विरोधी अभियान पर निकले थे।

उन्होंने बताया कि इलाके में प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के पश्चिम बस्तर संभाग के कैडरों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद शुक्रवार को अभियान शुरू किया गया था। सुंदरराज ने कहा कि घटनास्थल से आठ नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। कई और नक्सली या तो मारे गए हैं या घायल हुए हैं। घटनास्थल पर तलाशी अभियान अभी भी जारी है। हमने मौके से एक इंसास राइफल, एक बैरल ग्रेनेड लांचर और अन्य हथियार बरामद किए हैं।"इस मुठभेड़ के साथ ही इस साल अब तक राज्य में अलग-अलग मुठभेड़ों में 50 नक्सली मारे जा चुके हैं। 20-21 जनवरी को राज्य के गरियाबंद जिले में सुरक्षाकर्मियों के साथ मुठभेड़ में 16 नक्सली मारे गए थे। पुलिस के अनुसार पिछले साल राज्य में अलग-अलग मुठभेड़ों में सुरक्षा बलों ने 219 नक्सलियों को मार गिराया था। हालांकि अभी सर्च अभियान चलाया जा रहा है। इसमें और मिलने की संभावना है।

शादी से लौट रही क्रूजर नहर में गिरी, छह की मौत

एजेंसी/फतेहाबाद

घने कोहरे की वजह से एक क्रूजर भाखड़ा नहर में गिर गई जिसमें 14 लोग सवार थे और सभी शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। इस घटना में 6 लोगों की मौत हो गयी है जबकि अन्य की तलाश जारी है। एनडीआरएफ की टीम भाखड़ा नहर में सर्च ऑपरेशन लगातार चला रही है। काफी मशक्कत के बाद क्रूजर गाड़ी को पानी से बाहर निकाल लिया गया है।घटना हरियाणा के फतेहाबाद की है जहां शुक्रवार की देर रात पंजाब से शादी समारोह में शामिल होकर क्रूजर सवार 14 लोग अपने घर लौट रहे थे तभी घने कोहरे की वजह से गाड़ी के ड्राइवर को कुछ दिखाई नहीं दिया और क्रूजर गहरे नहर में जा गिरा। घटना की सुचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने रात में ही गाड़ी को क्रेन की मदद से बाहर निकाला गया। उसमें सवार लोग नहर में बह गये। कालांवाली के सरदूलगढ़ के पास से सुबह में 6 लोगों की लाश बरामद की गयी है। अन्य की तलाश जारी है। बताया जाता है कि किराये पर क्रूजर गाड़ी लेकर 14 लोग शादी में शामिल होने के लिए पंजाब गये हुए थे जहां से सभी अपने-अपने घर लौट रहे थे। क्रूजर में फतेहपुर की 45 वर्षीय कनतो बाई, महमड़ा के 40 वर्षीय जरनैल सिंह, 55 वर्षीय ड्राइवर सुरेंद्र सिंह, 65 वषीर्या झंडो बाई, 45 वर्षीय जंगीरो बाई, 60 वषीर्या तारो बाई, 60 वर्षीय बलवीर सिंह, 25 वर्षीय लखविंदर कौर, 35 वर्षीय जसविंद्र सिंह, 10 साल का अरमान, एक साल का सहज दीप, 12 साल की सजना, 35 साल का रविन्द्र कौर और 60 वर्षीय छिरा बाई सवार थे। भाखड़ा नहर में गिरने से पहले क्रूजर के ड्राइवर जरनैल सिंह ने गाड़ी से कूदकर अपनी जान बचाई। 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद क्रेन की मदद से एनडीआरएफ ने क्रूजर को नहर से बाहर निकाला। उस वक्त क्रूजर में कोई नहीं था। घना कोहरा होने की वजह से रात में रेस्क्यू बंद किया गया फिर सुबह होते ही सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया।

मोदी व केजरीवाल दोनों झूठ के सहारे सत्ता में आए: प्रियंका

एजेंसी/नई दिल्ली

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने शनिवार को आरोप लगाया कि पीएम नरेन्द्र मोदी और दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल में कोई अंतर नहीं है और दोनों झूठ के आधार पर सत्ता में आए। उन्होंने चांदनी चौक और नयी दिल्ली में दो जनसभाओं को संबोधित करते हुए भाजपा और आप दोनों को निशाने पर लिया। नयी दिल्ली में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि शीला दीक्षित पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए, क्या क्या बातें की गईं। 10 साल गुजर गए, क्या कुछ भी साबित हुआ? सब झूठ था। उस झूठ के आधार पर आम आदमी पार्टी उभरी है।

हर दिन देवसेना के शिविर में पहुंच रहे है 15 से 20 हजार श्रद्धालु

महाकुंभः देवसेना दे रही शास्त्र के साथ शस्त्र का ज्ञान

एजेंसी/प्रयागराज

महाकुंभ में पहुंची देवसेना तीर्थयात्रियों को सनातन धर्म के देवी-देवताओं के अस्त्र-शस्त्र से परिचित करा रही है। शस्त्र रखने की इच्छा जताने वालों को विधि-विधान से देवी-देवताओं के शस्त्रों को धारण भी कराया जा रहा है। रोजाना 15 से 20 हजार श्रद्धालु देवसेना के शिविर में पहुंचकर शस्त्रों का ज्ञान ले रहे हैं। संगम के तट पर अध्यात्म के साथ ही सनातन की शिक्षा भी तीर्थयात्रियों को मिल रही है। पंजाब और हरियाणा में सक्रिय देवसेना महाकुंभ में तीर्थयात्रियों को शास्त्र के साथ ही शस्त्र के बारे में भी जागरूक कर रही है।

वहीं, इन्हें शस्त्रों से लैस भी कर रही है। पांच मिनट की पूजा के बाद शस्त्र धारण की प्रक्रिया कराई जा रही है। इसके साथ ही हर सनातनी से घर में अस्त्र-शस्त्र रखने का आह्वान भी किया जा रहा है।

महाकुंभ में पहुंची देवसेना तीर्थयात्रियों को सनातन धर्म के देवी-देवताओं के अस्त्र-शस्त्र से परिचित करा रही है। शस्त्र रखने की इच्छा जताने वालों को विधि-विधान से देवी-देवताओं के शस्त्रों को धारण भी कराया जा रहा है। रोजाना 15 से 20 हजार श्रद्धालु देवसेना के शिविर में पहुंचकर शस्त्रों का ज्ञान ले रहे हैं। ज्ञान के साथ ही शस्त्रों को चलाने के प्रशिक्षण का भी इंतजाम किया गया है। 50 लोगों के समूह के लिए देवसेना की ओर से प्रशिक्षक का भी इंतजाम किया गया है। झूंसी में लगाए गए शिविर के जरिये देवसेना के कार्यकर्ता तीर्थयात्रियों को सनातन धर्म में शास्त्र के साथ शस्त्र के महत्व को समझा रहे हैं। शिविर के बाहर हिंदू देवी-देवताओं के अस्त्र-शस्त्र कृपाण, तलवार, भाला, कुल्हाड़ी को प्रदर्शन के लिए रखा गया है। शिविर में अस्त्र-शस्त्र के बारे में जानकारी हासिल करने के लिए लोगों की भीड़ भी जुट रही है। तीर्थयात्रियों के साथ संत भी शस्त्र धारण कर रहे हैं। देवसेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष बृजभूषण सैनी ने बताया कि हम लोग शस्त्र रखने की इच्छा जताने वालों को विधि-विधान से शस्त्र धारण भी करवा रहे हैं। हमारे देवी-देवता हाथों में शस्त्र ऐसे ही नहीं धारण करते।

- एमएसएमई के लिए लोन गारंटी कवर 5 करोड़ से बढ़कर 10 करोड़ हुआ
- 12 लाख रुपये तक नहीं देना होगा कोई इनकम टैक्स किसानों-युवाओं, को तोहफा, इकॉनमी को बूस्टर डोज
- महिलाओं के लिए 2 करोड़ रुपये तक के लोन की घोषणा, बिहार के लिए कई घोषणाएं

निर्मला के पिटारे से पहली बार क्रांतिकारी बदलाव के लिए कई घोषणाएं

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को फाइनेंशियल ईयर 2025-26 का बजट पेश किया। इसमें पहली बार मिडिल क्लास को इनकम टैक्स में राहत देने के साथ-साथ इकॉनमी को बूस्ट करने के लिए भी कई उपायों की घोषणा की गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इकॉनमी और आम लोगों की अपेक्षाओं और आवश्यकताओं के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की है। बजट में इकॉनमी के छह प्रमुख क्षेत्रों टैक्सेशन, बिजली, शहरी विकास, वित्तीय क्षेत्र, खनन और रेगुलेटरी रिफॉर्म्स में क्रांतिकारी बदलाव के लिए कई घोषणाएं की गई हैं। दूसरी ओर इनकम टैक्स में छूट की सीमा बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दी गई है। इससे मिडिल क्लास को काफी राहत मिली है।

मेडिकल कॉलेजों में 10,000 हजार सीटें जोड़ी जाएंगी

*वित्त वर्ष 2026 में मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में 10,000 सीटें जोड़ी जाएंगी *सभी जिला अस्पतालों में डे-केयर कैंसर सेंटर स्थापित करना। * स्कूलों में 50,000 अटल टिंकरिंग लैब स्थापित की जाएंगी।* कौशल विकास के लिए पांच राष्ट्रीय केंद्र स्थापित किए जाएंगे। * आईआईटी में तकनीकी शोधकर्ताओं के लिए 10,000 फेलोशिप।

नया टैक्स ढांचा इस प्रकार होगा

- 4 लाख रुपये तक की कमाई - शून्य टैक्स
- 4 से 8 लाख रुपये तक की कमाई - 5 प्रतिशत टैक्स
- 8 से 12 लाख रुपये तक की कमाई - 10 प्रतिशत टैक्स
- 12 से 16 लाख रुपये तक की कमाई - 15 प्रतिशत टैक्स
- 16 से 20 लाख रुपये तक की कमाई - 20 प्रतिशत टैक्स
- 20 से 24 लाख रुपये तक की कमाई-25 प्रतिशत टैक्स
- 24 लाख रुपये से ऊपर की कमाई - 30 प्रतिशत टैक्स

बजट की ब्रॉड थीम में ये विषय शामिल

- समावेशी विकास और मध्यम वर्ग के खर्च को बढ़ावा देना, मध्यम वर्ग की खर्च करने की क्षमता में सुधार होगा।
- अगले 5 साल सबका विकास को साकार करने का एक अनूठा अवसर होंगे, सभी क्षेत्रों में विकास होगा।
- विकास को गति देना बजट 2025 का बड़ा फोकस
- गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति, गरीब किसानों, महिलाओं और युवाओं के इस बजट अहम घोषणा की गई है। विकसित भारत के तहत शून्य गरीबी, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उच्च-गुणवत्ता, सस्ती और व्यापक स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करना है।

बजट में यह हुई घोषणाएं

- राजकोषीय घाटा वित्त वर्ष 2025 में 4.8 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2026 में 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है
- वित्त वर्ष 2025 में संशोधित पूंजीगत व्यय 10.18 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है।
- 10 लाख करोड़ रुपये जुटाने के लिए परिसंपत्ति मुद्रीकरण योजना विकसित की जाएगी।
- बीमा क्षेत्र में एफडीआई 74प्रतिशत से बढ़ाकर 100प्रतिशत किया जाएगा।
- विदेशी निवेश की शर्तों की समीक्षा की जाएगी, सरलीकरण किया जाएगा।
- पेंशन मुद्दों के विनियामक समन्वय के लिए एक प्लेटफॉर्म स्थापित किया जाएगा।

व्यक्तिगत आयकर में बड़े बदलाव

- न्यू टैक्स रिजीम में सालाना 12 लाख रुपये तक की आय पर कोई आयकर नहीं।
- 75,000 रुपये की मानक कटौती के कारण वेतनभोगी आय के लिए 12.75 लाख रुपये पर कोई कर नहीं।
- करदाताओं के लिए टीडीएस और टीसीएस को व्यावहारिक बनाना।

- वरिष्ठ नागरिकों के लिए कर कटौती की सीमा दोगुनी करके 1 लाख रुपये की गई।
- शिक्षा के लिए भेजे जाने वाले धन पर टीसीएस हटाया गया।
- वार्षिक टीडीएस सीमा 2.4 लाख रुपये से बढ़ाकर 6 लाख रुपये की गई।
- रिटर्न दाखिल करने की समय सीमा 2 वर्ष से बढ़ाकर 4 वर्ष की गई।
- दो मकान वाले लोगों के लिए राहत।
- 10 लाख रुपये तक के शिक्षा ऋण पर टीसीएस हटाया गया।
- टीसीएस सीमा 7 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये की गई।

छोटे कारोबारियों को दी राहत

- एमएसएमई के तकनीकी उन्नयन की सुविधा के लिए स्टार्टअप के लिए 10,000 करोड़ रुपये का नया फंड ऑफ फंड लॉन्च किया जाएगा।
- स्वयं सहायता समूहों के लिए ग्रामीण क्रेडिट कार्ड। बैंक स्वयं सहायता समूह के लिए क्रेडिट स्कोर बनाए रखेंगे।
- 5 लाख महिलाओं, एससी, एसटी के लिए नई योजना। पहली बार उद्यमियों को 2 करोड़ रुपये तक का टर्म लोन मिलेगा।

महिलाओं को 2 करोड़ रुपये तक का लोन : बजट में महिलाओं के लिए भी कई घोषणाएं की गई हैं। वे महिलाएं जो पहली बार कारोबार करने जा रही हैं, उन्हें 2 करोड़ रुपये तक का लोन मिलेगा। अभी इसका फायदा 5 लाख महिलाओं को मिलेगा। देश में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ाने के लिए नेशनल मैन्युफैक्चरिंग मिशन लॉन्च किया जाएगा। इसमें 'मेक इन इंडिया' को सपोर्ट करने के लिए छोटी, मध्यम और बड़ी इंडस्ट्रीज को सपोर्ट किया जाएगा।साथ ही भारत को खिलौने सेक्टर में वैश्विक हब बनाने का भी प्रावधान रखा है। इसके लिए एक राष्ट्रीय योजना लागू की जाएगी। इस योजना के अंतर्गत कौशल और निर्माण तंत्र के विकास से निर्मित खिलौने आत्मनिर्भर भारत के ब्रांड के साथ विश्व पटल पर प्रस्तुत होंगे।

कैंसर, दुर्लभ बीमारियों पर राहत

रोगियों, विशेषकर कैंसर, दुर्लभ बीमारियों और अन्य गंभीर दीर्घकालिक बीमारियों से पीड़ित रोगियों को राहत प्रदान करने के लिए सरकार ने 36 जीवनरक्षक औषधियों को मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) से पूर्ण छूट वाली औषधियों की सूची में जोड़ने का प्रस्ताव किया है । सरकार ने 6 जीवन रक्षक दवाओं को भी सूची में शामिल करने का प्रस्ताव किया है, जिन पर 5त्र की रियायती सीमा शुल्क लगेगा । उपरोक्त दवाओं के विनिर्माण के लिए थोक दवाओं पर भी क्रमशः पूर्ण छूट और रियायती शुल्क लागू होगा।

बिहार चुनाव से पहले

बजट में बिहार को 5 'तोहफे', मोदी सरकार का का मास्टर स्ट्रोक?

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज लोकसभा में बजट पेश किया। इस बजट में कई राज्यों के लिए अलग-अलग तरह की घोषणा की गई। इनमें बिहार के लिए भी 5 बड़े एलान किए गए। अब इन एलानों को सियासी गलियारों में इस साल प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर मास्टर स्ट्रोक के तौर पर देखा जा रहा है। चलिए जानते हैं बिहार के लिए किए गए वो 5 बड़े एलान क्या हैं?

बिहार में मखाना बोर्ड: * मखाना के उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन में सुधार के लिए राज्य में मखाना बोर्ड की स्थापना की जाएगी। इन गतिविधियों में लगे लोगों को एफपीओ में संगठित किया जाएगा। बोर्ड मखाना किसानों को सहायता और प्रशिक्षण सहायता प्रदान करेगा और यह सुनिश्चित करने के लिए भी काम करेगा कि उन्हें सभी प्रासंगिक सरकारी योजनाओं का लाभ मिले।

खाद्य प्रसंस्करण के लिए सहायता: 'पूर्वोदय' के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप, बिहार में राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता और प्रबंधन संस्थान की स्थापना की जाएगी।

आईआईटी पटना में क्षमता का विस्तार: आईआईटी, पटना में छात्रावास और अन्य बुनियादी ढाँचे की क्षमता का विस्तार किया जाएगा। पिछले 10 वर्षों में 23 आईआईटी में छात्रों की कुल संख्या 65,000 से 1.35 लाख तक 100 प्रतिशत बढ़ गई है।

बिहार में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट: राज्य की भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए बिहार में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट की सुविधा दी जाएगी।

मिथिलांचल में पश्चिमी कोशी नहर परियोजना: पश्चिमी कोशी नहर ईआरएम परियोजना के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी, जिससे बिहार के मिथिलांचल क्षेत्र में 50,000 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर खेती करने वाले बड़ी संख्या में किसानों को लाभ होगा।

रक्षा

केंद्र सरकार ने बढ़ाया रक्षा बजट

केंद्र सरकार ने रक्षा बजट के लिए 681210 करोड़ रुपये का आवंटन किया है। यह रकम पिछले साल के 621940 करोड़ रुपये के परिव्यय से अधिक है। वहीं कुल पूंजीगत परिव्यय 192387 करोड़ रुपये आंका गया है। राजस्व व्यय 488822 करोड़ रुपये रखा गया है। पेंशन के लिए 160795 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। केंद्र सरकार ने रक्षा बजट में इजाफा किया है।केंद्र सरकार ने रक्षा बजट के लिए 6,81,210 करोड़ रुपये का आवंटन किया है। यह रकम पिछले साल के 6,21,940 करोड़ रुपये के परिव्यय से अधिक है। वहीं कुल पूंजीगत परिव्यय 1,92,387 करोड़ रुपये आंका गया है। राजस्व व्यय 4,88,822 करोड़ रुपये रखा गया है। पेंशन के लिए 1,60,795 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है।

यह हुए सस्ते

इलेक्ट्रिक कारें, फोन, एलईडी, 36 जीवनरक्षक दवाएं सस्ती; सोना-चांदी में बदलाव नहीं,सरकार की बजट घोषणाओं के बाद कुछ चीजें सस्ती होंगी, कुछ के दाम बढ़ेंगे। लेकिन सोने-चांदी पर कस्टम ड्यूटी में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

यह महंगे हुए

स्मार्ट मीटर, सोलर सेल, आयातित जूते, आयातित मोमबत्तियां, आयातित नौकाएं और अन्य जहाज, पीवीसी फ्लेक्स फिल्में, पीवीसी फ्लेक्स शीट, पीवीसी फ्लेक्स बैनर, कुछ आयातित बुने हुए कपड़े, इंटरैक्टिव फ्लैट पैनल डिस्प्ले जो पूरी तरह से निर्मित इकाइयों के रूप में आयात किए जाते हैं। वहीं, फ्लैट पैनल डिस्प्ले, टीवी डिस्प्ले और फैबरिक खरीदना महंगा होगा।

खेल

खिलाड़ियों पर मेहरबान हुई मोदी सरकार, खेल बजट में हुई बंपर बढ़ोतरी

2025-26 का केंद्रीय बजट शनिवार (1 फरवरी) को लोकसभा में पेश किया गया। सरकार ने 2025-26 के बजट में खेल सेक्टर के लिए भी राशि बढ़ा दी है। युवा मामले और खेल मंत्रालय के लिए 3,794.30 करोड़ रुपये आवंटित किए गए. यह पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 351.98 करोड़ रुपये ज्यादा है. बता दें कि पिछले बजट में इस मंत्रालय के लिए कुल 3,442.32 करोड़ रुपये मंजूर किए गए थे।वित्त वर्ष 2025-26 के लिए स्पोर्ट्स बजट में सबसे ज्यादा हिस्सा खेलो इंडिया को हासिल हुआ है. खेलो इंडिया को 1,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं. यह 2024-25 के लिए 800 करोड़ रुपये के अनुदान से 200 करोड़ रुपये अधिक है. राष्ट्रीय खेल महासंघों के लिए निर्धारित सहायता राशि 340 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 400 करोड़ रुपये कर दी गई है।

बजट में अब तक के सबसे बड़े ऐलान माने जा रहे हैं

- 12 लाख तक की कमाई पर कोई इनकम टैक्स नहीं लगेगा।
- कैंसर की दवाएं सस्ती होंगी, पिछले 4 साल का आईटी रिटर्न एकसाथ फाइल कर सकेंगे।
- वरिष्ठ नागरिकों के लिए टीडीएस की सीमा 50 हजार से बढ़ाकर 1 लाख कर दी गई है।
- इनकम टैक्स फाइलिंग की सीमा को 2 साल से बढ़ाकर 4 साल कर दिया है.।
- अगले 6 साल मसूर, तुअर जैसी दालों की पैदावार बढ़ाने के लिए फोकस रहेगा।

बच्चियों को एचपी वायरस के बचाने के लिए जिले में सात फरवरी से शुरू होगा विशेष टीकाकरण

- 9 से 14 वर्ष की बच्चियों को टीकाकृत करने का बनाई गई रणनीति
- समुदाय में लोगों को जागरूक करने के लिए सीएचओ का किया गया उन्मुखीकरण

केटी न्यूज/बक्सर

महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर के बढ़ते मामले को देखते हुए राज्य सरकार और स्वास्थ्य समिति ने ह्यूमन पेपिलोमा वायरस (एचपीवी) टीकाकरण अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इस क्रम में जिले में सात फरवरी से सदर अस्पताल में टीकाकरण शिविर लगाया जाएगा। जिसमें 9 से लेकर 14 वर्ष की किशोरियों को एचपीवी का टीका लगाया जाएगा। ताकि, चिकित्सकों की मौजूदगी में बच्चियों को टीकाकृत किया जाएगा। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने शिक्षा विभाग से समन्वय स्थापित कर बच्चियों को सदर अस्पताल में लाने का निर्णय किया है।

वहीं, अभियान को सफल बनाने के लिए शनिवार को जिला स्वास्थ्य समिति के सभागार में सभी प्रखंडों से चयनित दो-दो सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) का उन्मुखीकरण किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. विनोद प्रताप सिंह ने सीएचओ को जानकारी देते हुए बताया कि पिछले कुछ सालों में ह्यूमन पेपिलोमा वायरस के मामलों में तेजी से बढ़ोत्तरी हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार 70 फीसदी ओरल कैंसर के मामले सिर्फ एचपीवी के कारण हो रहे हैं। वहीं, यौन संपर्क से फैलने वाले इस संक्रमण से पेनाइल कैंसर व गुदा कैंसर के साथ साथ सर्वाइकल कैंसर होने का भी खतरा सबसे अधिक रहता है। जो लोगों के लिए खतरनाक है। इसलिए लोगों को इन बीमारियों से बचाने के लिए सरकार ने टीकाकरण करने का निर्णय लिया है।

टीकाकरण से 90 प्रतिशत तक सर्वाइकल कैंसर के मामलों में बचाव संभव : डॉ. सिंह ने बताया कि ह्यूमन पेपिलोमा वायरस (एचपीवी) टीकाकरण से लगभग 90 प्रतिशत तक सर्वाइकल कैंसर के मामलों से बचाव संभव है, साथ ही यह एचपीवी संक्रमण से संबंधित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से भी सुरक्षित रखने में सहायक होता है। इसलिए अभियान में बालिकाएं जिनका उम्र 9 से 14 आयु वर्ग के बीच है। उनको टीकाकृत किया जाएगा। इन सब में यह बात ध्यान रखना है कि जो बच्चियां 14 साल की उम्र की दहलीज पर हैं उनका काउंसलिंग बेहद जरूरी है। क्योंकि 15 साल की उम्र के बाद बच्चियों को इस एचपीवी का टीका लगाना व्यर्थ है। उन्होंने बताया कि यह टीका गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर से बचाव को कम करने में बेहद प्रभावी है। इसलिए बच्चेदानी के मुंह के कैंसर से बचाव को लेकर टीकाकरण आवश्यक है। कैंसर से सुरक्षित रहने और संबंधित बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण एक समझदारी भरा कदम है। सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा या बच्चेदानी के मुंह का कैंसर) एक गंभीर बीमारी है।

कार्यशाला में यूएनडीपी के कोल्ड चेन मैनेजर मनीष श्रीवास्तव, डाटा ऑपरेटर शशि कुमार सिंह, सीएफएआर के सीनियर प्रोजेक्ट एसोसिएट अमित सिंह के अलावा सीएचओ मौजूद रहीं।

सीएचओ स्कूली बच्चियों को करेंगी जागरूक

यूनिसेफ के एसएमसी कुमुद मिश्रा ने सभी सीएचओ को बताया कि सरकार ने टीकाकरण से पूर्व निर्धारित उम्र वर्ग की बच्चियों को जागरूक करने का निर्णय लिया है। जिसमें सीएचओ की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। क्योंकि इस उम्र वर्ग की बच्चियों में किसी भी चीज को लेकर एक डर बना रहता है। ऐसे में सीएचओ अपने क्षेत्र के आशा कार्यकताओं की मदद स्कूली बच्चियों का काउंसिलिंग करेंगी। ताकि, उन्हें भविष्य में होने वाली गंभीर बीमारियों के खतरे और एचपीवी टीका के महत्व की जानकारी दी जा सके। उन्होंने बताया कि इस मामले में विभागीय निदेर्शों के तहत स्कूलों में पैरेंट टीचर मीट का भी आयोजन किया जाएगा। ताकि, स्कूल और बच्चियों का चयन करने से पहले संबंधित विद्यालयों के प्राचार्य व शिक्षकों के साथ ही बच्चियों के अभिभावकों के साथ समन्वय स्थापित कर गर्भाशय कैंसर से बचाव और सुरक्षित रखने के लिए एचपीवी टीका को लेकर जागरूक किया जा सके।

जिले 30 परीक्षा केन्द्रों पर शांतिपूर्ण व कदाचारमुक्त माहौल में शुरू हुई इंटरमीडिएट की परीक्षा

निरीक्षण के दौरान बोले डीएम... प्रतिनियुक्त अधिकारी अनिवार्य रूप से पहने आई-डी कार्ड

- प्रथम पाली में 67 और द्वितीय पाली में 20 परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित
- डीएम-एसपी ने किया विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण, दिए निर्देश

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा आयोजित इंटरमीडिएट की परीक्षा शनिवार से जिले के सभी 30 परीक्षा केन्द्रों पर शुरू हुई। प्रथम पाली में विज्ञान संकाय के जीव विज्ञान व कला संकाय के मनोविज्ञान की व दूसरी पाली में अर्थशास्त्र विषय की परीक्षा ली गई। पहले दिन की परीक्षा शांतिपूर्ण व कदाचारमुक्त संपन्न होने की जानकारी जिला नियंत्रण कक्ष ने दी है। वही, डीएम अंशुल अग्रवाल, एसपी शुभम आर्य ने संयुक्त रूप से जिला मुख्यालय के कई परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया तथा वीक्षकों को आवश्यक निर्देश दिए।

जिला नियंत्रण कक्ष से मिली जानकारी के अनुसार इंटरमीडिएट वार्षिक परीक्षा के प्रथम पाली में जीव विज्ञान एवं मनोविज्ञान में कुल परीक्षार्थियों की संख्या 4482, उपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या 4415, अनुपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या 67 रही। वहीं द्वितीय पाली अर्थशास्त्र में कुल परीक्षार्थियों की संख्या 1288, उपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या 1268, अनुपस्थित परीक्षार्थियों की संख्या 20 रही। दोनों पालियों में जिले के किसी भी परीक्षा केन्द्र से किसी परीक्षार्थी को नकल के आरोप में निष्कासित नहीं किया गया है। जिले के सभी परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण परीक्षा संपन्न हुई। वहीं, मुक्त परीक्षा के सफल आयोजन एवं विधि व्यवस्था संधारण के लिए डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट सह डीएम अंशुल अग्रवाल ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया।

जानकारी के अनुसार डीएम ने जिला मुख्यालय के जननायक कपूरी ठाकुर लॉ कॉलेज, सरस्वती विद्या मंदिर, सिविल लाइन बक्सर एवं उत्क्रमित उच्च विद्यालय कृतपुरा में संचालित परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने परीक्षा केंद्र पर प्रतिनियुक्ति सभी दंडाधिकारियों को आईडी कार्ड अनिवार्य रूप से पहनने का निर्देश दिया, साथ ही वीक्षक, केंद्रधीक्षक एवं पुलिस पदाधिकारी को स्वच्छ, शांतिपूर्ण एवं कदाचार मुक्त परीक्षा का आयोजन कराने का निर्देश दिया। वही, डीएम ने सभी परीक्षार्थी एवं अभिभावक से अपील किया कि भीड़ से बचने के लिए एवं ससमय अपने परीक्षा केंद्रों पर पहुंचने के लिए निर्धारित समय से पूर्व परीक्षा केंद्र के लिए प्रस्थान करें।

केंद्रों पर ली गई सघन तलाशी : डुमरांव में पहले दिन दोनों पालियों में शांतिपूर्ण व कदाचारमुक्त माहौल में परीक्षा संपन्न हुई। सभी केन्द्रों पर प्रथम पाली में 10 व द्वितीय पाली में दो समेत कुल 12 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। सभी परीक्षा केन्द्रों पर निर्धारित समय पर सघन तलाशी के बाद परीक्षार्थियों को प्रवेश दिया जा रहा था। परीक्षा कक्ष में पहुंचने से पहले वीक्षकों द्वारा उनके पास चिट-पुर्जे तथा इलेक्ट्रानिक डिवाइस की सघन तलाशी ली जा रही थी। हालांकि, इस दौरान किसी भी परीक्षा केन्द्र से न तो चिट पुर्जे बरामद हुए और न ही नकल के आरोप में किसी परीक्षार्थी को निष्कासित किया गया। वही, वरीय पदाधिकारी परीक्षा केन्द्रों का जायजा लेते रहे। इसके अलावे सभी केन्द्रों पर मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में पुलिस बल की तैनाती की गई थी।

बक्सर व डुमरांव में जाम से जूझते रहे परीक्षार्थी

बक्सर। इंटर परीक्षा के पहले दिन बक्सर व डुमरांव दोनों जगहों पर परीक्षार्थी तथा उनके अभिभावक जाम से जूझते रहे। जाम का दंश सबसे अधिक दोपहर में देखने को मिला। जब पहली पारी के परीक्षार्थी परीक्षा से बाहर निकले और दूसरी पाली के परीक्षार्थी परीक्षा देने जाने वाले थे, उस समय बक्सर व डुमरांव की सड़कों पर भयंकर जाम लग गया था। जाम के कारण परीक्षार्थियों को घंटो जूझना पड़ रहा था। हालांकि परीक्षा शुरू होने से पहले जिला प्रशासन द्वारा एहतियात के तौर पर ट्रैफिक कंट्रोल के लिए कई कदम उठाए थे, लेकिन पहले दिन इसका लाभ मिलते नहीं दिखाई पड़ा। बक्सर के मेन रोड, स्टेशन रोड, बाइपास रोड, पीपी रोड के साथ ही डुमरांव के स्टेशन रोड, राजगोला रोड, चौक रोड, नया तालाब रोड आदि सभी मार्गों पर दोपहर में परीक्षार्थियों तथा आम यात्रियों को जाम का दंश झेलना पड़ा। वहीं, डुमरांव रेलवे स्टेशन के पास भी जाम से लोगों तथा रेल यात्रियों की परेशानी बढ़ी रही।

सौतेली मां ने आठ साल के मासूम की हत्या कर जलाया शव, बोरे में डाल बक्से में किया बंद

केटी न्यूज/डुमरांव

अनुमंडल मुख्यालय से सटे नया भोजपुर में एक लोमहर्षक घटना सामने आई है। एक सौतेली आरोपी मां सीमा देवी ने अपनी 8 वर्ष की बेटी आचल कुमारी की हत्या के बाद साक्ष्य मिटाने के लिए शव को जला और अधजले भाग को बक्से में छिपा दी थी। मौके पर पहुंचे पड़ोसियों ने स्थानीय पुलिस को इसकी सूचना दी जानकारी मिलते ही नया भोजपुर पुलिस घटना स्थल पर पहुंच मामले की पड़ताल में जुट गई है।

मिली जानकारी के अनुसार वार्ड आठ स्थित नया भोजपुर पूरब टोला निवासी पप्पू गोंड की आठ वर्षीय बेटी अचानक घर से गायब हो गई थी। हालांकि परिजनों ने इस मामले में शिकायत दर्ज नहीं कराई थी। जिसके बाद वह शोरगुल मचाते घर से बाहर निकल पड़ोसियों को जानकारी दी, इसके बाद पुलिस को घटना की जानकारी मिल सकी। पप्पू गोड़ दिल्ली में रहता है। वहां से परिवार के भरण-पोषण के लिए नौकरी करता है। आरोपी सीमा देवी शादी 2024 में हुई थी। घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ लगी है। वहीं ग्रामीणों की मानें तो आंचल की दादी गुंगी है। जिसके कारण स्पष्ट कुछ नहीं बोल पा रही थी।

ग्रामीणों को मिली आंचल के गायब होने की सूचना : वहीं ग्रामीणों की मानें तो शनिवार की शाम तीन से स्कूल से आने के बाद से ही मासूम आंचल कुमारी की गायब होने की खबर मिली थी। जिसे आसपास के घरों में खोजा गया। लेकिन वो नहीं मिली तो पड़ोसियों को शक सौतेली मां पर हुआ तो उन्होंने घर की तलाशी की। इस बीच लोगों को एक कमरे में बंद एक बक्सा मिला, जिसे खोला तो उसमें पीले रंग की सीमेंट की बोरी में कुछ रखा मिला। बोरी खोलने पर उन्हें आंचल का जला हुआ चेहरा मिला।

डुमरांव एसडीपीओ अफाक अख्तर अंसारी ने कहा कि सूचना मिलने पर मैं वहां पहुंचा। वहीं, नया भोजपुर ओपी पुलिस शव को कब्जे में लेकर कागजी कार्रवाई कर रही है। वहीं परिजनों और पड़ोसियों से पुलिस घटना के संबंध में जानकारी जूटा रही है। आरोपी मां सीमा देवी को पुलिस ने पूछताछ के लिए हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

कार व टेम्पो में सीधी टक्कर, दो जख्मी

चौसा। जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के हुकहा गांव के पास बक्सर इटाढ़ी मार्ग पर टेम्पो एवं कार की सीधी टक्कर होने से दो यात्री जख्मी हो गए है। जिन्हें स्थानीय लोगों ने इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, चोट गम्भीर न होने से प्राथमिक उपचार कर उन्हें घर भेज दिया गया। घटना शनिवार शाम की है।

घटना के संबंध में पुलिस ने बताया कि बक्सर से इटाढ़ी की ओर जा रही टेम्पो बाइक को बचाने के क्रम में सामने से आ रही कार से टक्कर हो गई। हालांकि, गति सीमा दोनो वाहनों के बहुत कम थे। जिससे बड़ा हादसा टल गया। इस टकराहट में टेम्पो में सवार दो यात्री घायल हो गए। जहा घटना के बाद जूटे ग्रामीणों ने घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल भिजवाया गया। इधर घटना की जानकारी पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बिहार राज्य निर्वाचन प्राधिकार के आदेश पर मतदान प्रक्रिया की हुई शुरुआत

चौसा एवं पवनी में पैक्स चुनाव की तैयारी शुरू, शीघ्र होगा मतदान

केटी न्यूज/चौसा

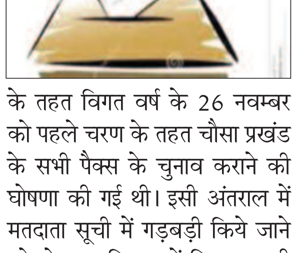

चौसा के दो पैक्स चौसा व पवनी के चुनाव की प्रशासनिक कवायद शुरू हो गई है। शीघ्र ही दोनों पैक्सो में चुनाव कराया जाएगा। बता दें कि पूर्व में प्राधिकार के हस्तक्षेप से मतदाता सूची में गड़बड़ी को लेकर का चुनाव टल गया था, लेकिन एक बार फिर से बिहार राज्य निर्वाचन प्राधिकार के आदेश पर मतदान प्रक्रिया शुरू हो गई। जहां मतदाता सूची तैयारी से लेकर अंतिम प्रकाशन की तय तिथि का आदेश निर्गत किया गया। इसके लिए 31 जनवरी को नियमावली के तहत प्रखंड निर्वाचन को भेजा गया है।

मतदाता सूची में हुई थी गड़बड़ी : बता दें कि राज्य निर्वाचन के तहत विगत वर्ष के 26 नवम्बर को पहले चरण के तहत चौसा प्रखंड के सभी पैक्स के चुनाव कराने की घोषणा की गई थी। इसी अंतराल में मतदाता सूची में गड़बड़ी किये जाने को लेकर प्राधिकार में शिकायत की गई थी। जिसके आलोक में प्राधिकार द्वारा नामांकन से पूर्व 28 अक्टूबर को चौसा नगर पंचायत पैक्स व पवनी पैक्स के चुनाव को स्थगित करने का निर्देश दिया गया। जहां इन दोनों पैक्स का चुनाव रोक दिया गया। अब दुबारा 31 जनवरी को फिर से पत्र जारी कर इन दोनों पैक्स के मतदाता सूची तैयारी व प्रकाशन की तिथि की घोषणा कर दी गई।

15 फरवरी को होगा मतदाता सूची का प्रकाशन : प्रखंड निर्वाचन से मिली जानकारी के अनुसार पत्र में 31 जनवरी को मतदाता सूची का कट ऑफ तिथि की घोषणा की गई है। वहीं, मतदाता सूची का प्रकाशन 15 फरवरी को जबकि, दावा आपत्ति करने का समय 15 फरवरी से 25 फरवरी तक तथा मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 28 फरवरी को किया जाएगा। प्रखंड निर्वाचन ने बताया कि इस बार दावा आपत्ति सादे पन्ने पर नहीं बल्कि उसके लिए से एम 4 आवेदन पर वही व्यक्ति दावा आपत्ति करेगा। जो दावा आपत्ति कर रहा हो। अन्यथा दूसरे व्यक्ति का दिया आवेदन मान्य नहीं किया जाएगा।

विगत दिनों प्राधिकार में शिकायत करने वाले शिकायत कर्ता चौसा नगर पंचायत के सुनील कुमार सिंह ने फिर से नियमावली पर आपत्ति की गई है। उन्होंने बताया जिस दिन पत्र जारी किया गया, कट ऑफ तिथि की घोषणा भी उसी दिन है। ऐसे में पहले से नाम जोड़ने का आदेश सार्वजनिक नही किया गया। जहा जिला सहकारिता विभाग नाम जोड़ने में एकल पक्ष को ही मौका दिया गया है। ऐसे में मतदाता सूची में एक बार फिर गड़बड़ी किये जाने का आरोप लगाया है। जिसको लेकर प्राधिकार जाने की बात बताई।

संसद में पेश हुआ आम बजट : पक्ष के लोगों ने की सरकार की सराहना तो विपक्ष ने इसे बताया दमनकारी

सरकार के इस बजट से आम जनता को मिलेगी राहत और बढ़ेंगे रोजगार के अवसर : भुवन

- बोले भाजपा जिलाध्यक्ष... शिक्षा में सुधार व किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा में हुई वृद्धि
- किसानों की आय बढ़ाने का इनका वादा भी हवा-हवाई: डुमरांव विधायक

केटी न्यूज/बक्सर

केंद्र सरकार के द्वारा शनिवार को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आम बजट पेश कियार गया। जिसको लेकर आम से खास तक पूरे दिन सरकार द्वारा पेश की गई बजट पर चर्चा होती रही। शहरी हो या ग्रामीण क्षेत्रों के बाजार या चट्?टी लोग बस बजट पर ही बात करते रहे। वहीं, इस बाजट को सहयोगी दल या कार्यकताओं ने इस बजट को देश के विकास का बताया है तो दूसरी ओर विपक्ष के लोगों ने इस बजट को देश के विकास के खिलाफ और गरीबों का विरोधी बताया।

इस क्रम में बक्सर भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने कहा कि 2025-26 का केंद्रीय बजट देश को विकसित भारत की ओर अग्रसर करेगा। 12 लाख तक की आय पर कोई टैक्स नहीं यह सरकार का ऐतिहासिक और मिडिल क्लास को बड़ी राहत देने वाला कम है इस बजट में विभिन्न क्षेत्रों जैसे कृषि उद्योग स्वास्थ्य और शिक्षा के लिए विशेष ध्यान दिया गया है। जिससे आम जनता को काफी राहत मिलेगी और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। यह बजट आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। केंद्रीय बजट 2025- 26 में बिहार के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई है। जिसमें मखाना बोर्ड की स्थापना कृषि और इंफ्रास्ट्रक्रर विकास, शिक्षा में सुधार और किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा वृद्धि शामिल है।

इस बजट में समावेशी विकास और विभिन्न क्षेत्रों के सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया गया है। यह बजट विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को पूरा करने में अहम योगदान देगा। केंद्रीय बजट में सरकार ने गरीब, युवाओं, बुजुर्गों, महिलाओं और किसानों के लिए कई योजनाएं की घोषणा की है। जिसका हम सब भारत वासी स्वागत करते हैं। बजट में राष्ट्रीय सुरक्षा और नई तकनीक शिक्षा पर भी फोकस किया गया है। जिसके तक आईआईटी पटना का विस्तार और बिहार में प्रबंधन संस्थान की स्थापना की जाएगी। बिहार पर विशेष ध्यान देने के लिए केंद्र सरकार और वित्त मंत्री जी को मै आभार व्यक्त करता हूं।

समृद्ध एवं विकसित भारत के निर्माण का ब्लूप्रिंट है यह बजट : केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी के द्वारा आज पेश किया गया आम बजट 2025 समृद्ध एवं विकसित भारत के निर्माण का ब्लूप्रिंट है। उक्त बातें भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य डॉ. राजेश सिन्हा ने आम बजट 2025 पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कही। डॉ सिन्हा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि यह बजट भारत को विकास के पथ पर गतिशील करने के लिए मोदी सरकार की दूरदर्शिता को प्रदर्शित करता है। यह बजट किसान,गरीब, मध्यम वर्ग,महिला और बच्चों की शिक्षा, पोषण व स्वास्थ्य से लेकर स्टार्ट-अप, इनोवेशन और इन्वेस्टमेंट तक, हर क्षेत्र को समाहित करता है और यह बजट बजट मोदी जी के आत्मनिर्भर भारत का रोडमैप है। इस सर्वसमावेशी और दूरदर्शी बजट के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी को बधाई देता हूं। बजट में 12 लाख तक की आय को टैक्स फ्री करना यह दशार्ता है कि देश का मध्य वर्ग प्रधानमंत्री के हृदय में बसता है। टैक्स स्लैब में बदलाव मध्यम वर्ग के लिए काफी लाभदायक है। आम बजट 2025 किसान कल्याण की दिशा में मोदी सरकार के संकल्प का प्रतिबिंब है। बजट में 100 सबसे कम फसल उत्पादकता वाले जिलों में उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए 'प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना' की घोषणा से लगभग 1.7 करोड़ किसान लाभान्वित होंगे। साथ ही दलहन आत्मनिर्भरता मिशन' व 'कपास उत्पादकता मिशन' से किसानों की समृद्धि व पोषण सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा।

आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने वाला है यह बजट

देश के समग्र विकास के लिए प्रस्तुत किए गए केंद्रीय बजट 2025-26 के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और माननीय केन्द्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सितारमन जी का हृदय से आभार। यह बजट आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने वाला है, जो अर्थव्यवस्था को गति देने के साथ-साथ गरीब, किसान, युवा और मध्यम वर्ग के सशक्तिकरण पर केंद्रित है। बजट में बुनियादी ढांचे, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और नवाचार को बढ़ावा देने वाली योजनाएं निश्चित रूप से देश को एक नई ऊंचाई पर ले जाएंगी। यह बजट विकास, समृद्धि और सशक्तिकरण का प्रतीक है, जो विकसित भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभाएगा। **- प्रदीप राय, भाजपा नेता, बक्सर**

गांव-गांव और शहर-शहर अबकी बार नीतीश सरकार नारा लग रहा है। नवयुवकों में भी नीतीश सरकार का क्रेज बढ़ा है। मैंने विधानसभा के हर पंचायत का दौरा किया जा रहा है, ऐसा कोई पंचायत नहीं मिला जहां नीतीश सरकार के प्रति नाराजगी देखने को मिली। नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए आगामी विधानसभा चुनाव में पूर्ण बहुमत से चुनाव जीतेगी। नीतीश सरकार के कार्यों से भी सभी वर्ग प्रभावित है। उनके राज में हर वर्ग का भला हुआ है। जो गरीब खुले आसमान के नीचे सोने पर विवश थे, उन्हें घर बनाने के लिये पैसा दिया गया। जिस टोला और बस्ती में शौचालय नहीं वहां उसका निर्माण कराया गया।

- रामबिहारी सिंह, वरीय जदयू नेता, बक्सर

मखाना उत्पादन का तौहफा बिहार के विकास में महत्वपूर्ण कदम

बक्सर। लोकसभा में केंद्र सरकार ने आम बजट पेश किया। जिसको लेकर बक्सर लोजपा रामविलास के जिलाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी अखिलेश कुमार सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में एनडीए सरकार द्वारा प्रस्तुत किया गया। यह बजट देश की आर्थिक विकास गति में मील का पत्थर साबित होगा। प्रधानमंत्री के 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में यह बजट अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। इस बजट में युवा, गरीब, महिला, किसान और मध्यम वर्ग सहित समाज के सभी वर्गों का विशेष ध्यान रखा गया है। यह बजट भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। हमारी अर्थव्यवस्था सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से विकसित हो रही है।

मोदी सरकार के तीसरी पारी में वित्त मंत्री सीतारमण ने विकसित भारत का बजट पेश किया है। इस पूर्ण बजट में पटना एयरपोर्ट को विकसित करने, बिहार का मखाना बोर्ड बनाने, मेडिकल में सीटों की संख्या बढ़ाने,आई टी आई पटना को विकसित करने, मछली मखाना, कपास, यूरिया और दाल उत्पादन बढ़ाने, बिहार में खाद्य प्रसंस्करण को स्थापित करने, कोशी तटबंध के कार्य करन आदि जैसे महत्वपूर्ण और कारगर कदम उठाया गया है। आयकर कानून को नया बनाकर पुराने जटिल कानून को सरल बनाने की घोषणा से आमजनों के लिए बड़ी राहत है। **- आरके भगत, अधिवक्ता सह पूर्व जिला मंत्री वरिष्ठ भाजपा नेता बक्सर**

सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, यही हमारे प्रधानमंत्री का नारा है। आज के बजट से आम जनता को काफी राहत मिली है। जिसमें कामकाजी महिलाओं को टैक्स में छूट, घरेलू महिलाओं को खाद्य पदार्थों में राहत, मोबाइल सस्ता, रिचार्ज सस्ता, इलेक्ट्रॉनिक गाड़िया सस्ती, बिजली बिल में राहत, अग्निविरों को सरकारी नौकरी, मछली उत्पादन मखाना उत्पादन यूरिया उत्पादन एवम् अन्य। आज के बजट में बिहार को भी ध्यान में रखा गया है। पटना का विस्तार, बुद्ध सर्किट का विस्तार, राष्ट्रीय मखाना बोर्ड बनाने का ऐलान, पटना एयरपोर्ट की क्षमता बढ़ाने जैसी कई योजनाएं शामिल हैं।

- ओम ज्योति भगत, जिला मंत्री भाजपा

मजदूर, किसान व गरीब विरोधी है मोदी सरकार का बजट: डुमरांव विधायक

डुमरांव। केन्द्र सरकार के बजट में ऐसा कुछ विशेष नहीं है, जिसका तारीफ किया जा सकें। इस बजट में नये रोजगार के लिये कुछ भी नहीं है, जिससे नवयुवकों को फायदा हो सके। बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए उक्त बातें डुमरांव से माले विधायक डॉ. अजित कुमार सिंह ने कही। उन्होंने कहा कि इतना ही नहीं बजट में किसानों के आय दोगुना करने का वादा भी इनका हवा-हवाई हो गया है। मजदूरी बढ़ाने की बात को भी शामिल नहीं करना बेईमानी साबित हुई है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार शुरू से ही गरीब किसान और मजदूर विरोधी रही है। इस बजट में केन्द्र सरकार का चेहरा बेनकाब हुआ है। डुमरांव विधायक ने कहा कि बजट में बिहार के साथ भी न्याय नहीं हुआ है। आम जनता को इस बजट से कुछ भी फायदा होने वाला नहीं है।

गरजा विपक्ष...

बजट में बिहार की मूलभूत मुद्दा शिक्षा, उद्योग और आधारभूत ढांचों पर फोकस नहीं किया गया है। यह चुनावी लब्बोलुआब वाला बजट था जिसमें कहीं से भी आम आदमी को सीधा लाभ नहीं मिल रहा है। देश में युवाओं को रोजगार, किसान की बेहतरी और मजदूरों के लिए फिर छलावा है। 12000 एमएसएमई पिछले चार महीनों में बंद हुए हैं और देश के सर्वश्रेष्ठ आईआईटी मुंबई में जब पिछले साल 36 प्रतिशत छात्रों का प्लेसमेंट नहीं हुआ तो आईआईटी पटना में सीट बढ़ाने की बात करना बेइमानी है क्योंकि पहले रोजगार की व्यवस्था केंद्र की सरकार करें और तब बिहार और देश की बेहतरी की बात करें।

- डॉ स्नेहाशीष वर्धन पांडेय, प्रदेश प्रवक्ता, बिहार कांग्रेस

सरकारी कार्यालयों में रिक्त पदों को भरने के मामले में नहीं की गई कोई भी चर्चा

केंद्र सरकार के द्वारा प्रस्तुत किए गए आम बजट में नौकरी पेशा व मध्यम वर्गीय लोगों के लिए बहुत फायदे की बात कही जा रही है, लेकिन वास्तविक्ता नहीं है। देश के लाखों कर्मचारीयों की बहुत पुरानी मांग पुरानी पेंशन का है, जिसपर एक भी शब्द बोला गया। केन्द्र सरकार के विभिन्न कार्यालयों में लाखों पद रिक्त हैं, जिसको भरने के संबंध में कोई चर्चा नहीं की गई है। संविदा, मानदेय, आउटसोर्स कर्मियों की सेवा नियमित करने के बारे में कोई चर्चा नहीं की गई है। आशा, आंगनबाड़ी, मिड-डे-मील व अन्य स्कीम वर्कर को नियमित करने और कम से कम मजदूरी देने की मांग को फिर से नकार दिया गया है। इनकम टैक्स स्लैब में 12 लाख तक कर नहीं लगने के बारे में जो प्रचारित किया जा रहा है वह वास्तव मे ऐसा नहीं है। चार लाख तक का इनकम ही टैक्स फ्री है। चार लाख से आठ लाख तक पांच प्रतिशत, आठ से 12 लाख तक 10 प्रतिशत टैक्स देना है। बढ़ती मंहगाई के वावजूद सरकारी कर्मचारियों के लिए मंहगाई राहत की कोई घोषणा नहीं की गई है। जबकी कर्मचारी संगठनों द्वारा बार-बार मांग किया जा रहा है कि सातवें वेतन आयोग के अनुशंसा के आलोक में 50 प्रतिशत से अधिक मंहगाई भत्ता होने पर उसे मूल वेतन में मर्जर किया जाए। इसी तरह कोरोना काल में रोके गए 18 माह के मंहगाई भत्ता पर भी कुछ नहीं बोला गया।

- लवकुश सिंह, अध्यक्ष, बिहार राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ गोप गुट, बक्सर

अनिश्चिकालीन हड़ताल पर गए फेयर प्राइस डीलर, एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

केटी न्यूज/डुमरांव

अपने आठ सूत्री मांग की पूर्ति नही होने पर पीडीएस विक्रेता अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गये। इस दौरान एसडीओ राकेश कुमार को फेयर प्राइस डीलर्स एसोसिएशन डुमरांव के अध्यक्ष भूटेश्वर सिंह के नेतृत्व में अपना मांग पत्र सौंपा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश संघ के आह्वान पर एक फरवरी से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की घोषणा हुई है। उन्होंने बताया कि लंबे अरसे से फेयर प्राइस डीलर्स एसोसिएशन राज्य इकाई सरकार से मान देय बढ़ाने, साप्ताहिक अवकाश की सुविधा, अनुकंपा के आधार पर नौकरी मार्जिन मनी आदि मांग कर रहे है। लेकिन सरकार उनकी मांगों को लेकर गंभीर नही है।

अध्यक्ष ने बताया कि पीडीएस डीलरों का 30 हजार मानदेय देने, अनुकंपा में उम्र सीमा समाप्त करने सहित व अन्य मांग हैं। इस दौरान सभी डीलर अपना अपना पीओएस मशीन को बंद रखेंगे। लाभुकों को अनाज का वितरण नहीं करेंगे। साथ ही डीलरों को निर्देश दिया गया है कि डोर स्टेप डिलीवरी के लिए दुकान पर रखे जानेवाले अनाज की सही गुणवत्ता, सही वजन के साथ रख लेंगे। साथ ही अनाज की मात्रा को अपने पीओएस मशीन में चढ़ा लेंगे लेकिन खाद्यान्न वितरण का कार्य पूर्णत बंद रखेंगे। मांगों को लेकर हड़ताल की सफलता के लिए किसी डीलर के द्वारा अनाज का वितरण तो नहीं किया जा रहा है, इसकी जांच जिला संगठन के वरीय पदाधिकारी करेंगे। मौके पर संघ के संयोजक शिवचंद्र सिंह, शैलेंद्र सिंह, हीरालाल वर्मा, निर्मल कुमार गुप्ता, उमाशंकर प्रसाद, राजन कुमार, नर्वदेश्वर उपाध्याय, छीटेश्वर गोंड, जनार्दन यादव, वशी अहमद, लालमोहर सिंह, मिथिलेश गुप्ता, कुंदन सिंह, बालेश्वर सिंह आदि उपस्थित थे।

नीलाम पत्र के 12 हजार 387 मामले हैं लंबित 2455.697 करोड़ की राशि करनी है रिकवर

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर जिलान्तर्गत वैसे देनदार जिनके द्वारा बैंको के ऋण को चुकता नहीं किया है तथा सरकारी विभाग के बकाया राशि का भुगतान नहीं किया है, के विरूद्ध जिला के विभिन्न नीलाम पत्र पदाधिकारियों के न्यायालय में अबतक कुल 12387 नीलाम पत्र वाद लंबित है, जिसमें कुल 2455.697 करोड़ रूपए की राशि की रिकवरी करनी है। वही, राजस्व पर्षद द्वारा 27 जनवरी से एक फरवरी तक चलाए गए वारंट सप्ताह की सफलता को देखते हुए पर्षद ने इस पखवाड़ा में तब्दील करते हुए 10 फरवरी तक वारंट पखवाड़ा घोषित किया है, ताकी अधिक से अधिक राजस्व राशि की वसूली की जा सकें।

राजस्व पर्षद के इस निर्णय के बाद नीलाम पत्र वाद में सन्निहित राशि की वसूली तेज करने के लिए डीएम अंशुल अग्रवाल ने मातहतों को राजस्व वसूली में तेजी लाने का निर्देश दिया है।

वारंट किया गया है जारी

डीएम ने बताया कि जिला के विभिन्न नीलाम पत्र पदाधिकारियों द्वारा बक्सर जिला क्षेत्र के बकायदारों के विरूद्ध कुल 342 कुर्की जब्ती वारंट एवं 331 गिरफ्तारी वारंट निर्गत किया गया है। कुर्की जब्ती वारंट एवं गिरफ्तारी वारंट के निष्पादन व क्रियान्व्यन के लिए राजस्व पर्षद के निर्देश के आलोक में पटना प्रमण्डल के आयुक्त ने 27 जनवरी से एक फरवरी तक वारंट सप्ताह के रूप में घोषित किया था। इस अवधि में विभिन्न थानाध्यक्षो ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 28 जनवरी को छह, 29 को सात, 30 को तीन एवं 31 जनवरी को 11 देनदारों को गिरफ्तार कर संबंधित नीलाम पत्र पदाधिकारियों के न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। गिरफ्तार बकायदारों से दिनांक 31 जनरवरी तक तक कुल ग्यारह लाख इक्यानवे हजार रुपए की वसूली की गई है, तथा जिन बकायदारों द्वारा राशि जमा नहीं की गयी उन्हें जेल भेजने की कार्रवाई की गई। वारंट सप्ताह के प्राथमिक सफलता से उत्साहित राजस्व पर्षद, बिहार, पटना ने वारंट सप्ताह को वारंट पखवाड़ा में तब्दील करते हुए इसे 10 फरवरी तक विस्तारित किया है।

दरवाजे पर प्रेमिका को छोड़ भाग खड़ा हुआ प्रेमी, पुलिस और पंचायत प्रतिनिधियों की पहल पर घर में मिला प्रवेश

प्यार, इजहार, शादी और इन्कार... अब पुलिस बनी तारणहार

- प्रेमिका के साथ पकड़ाए प्रेमी की स्थानीय लोगों ने करवाई जबरन शादी

केटी न्यूज/डुमरांव

समाज व परिवार से नजरे बजाकर एक दूसरे से नजरे मिलाने वाले प्रेमी जोड़े न सिर्फ सात फेरो में बंधना चाहते है बल्कि सात जन्मों तक साथ निभाने की कसमें भी खाते है। अक्सर इसमें उनका परिवार दीवार बन जाता है। जिस कारण कई बार उनका ख्वाब पूरा नहीं हो पाता है, लेकिन एक ऐसी घटना सामने आई है, जिसमें प्रेमिका के साथ पकड़ाए जाने के बाद लड़की वालों ने स्थानीय लोगों के प्रयास से उनके प्रेम को रिश्तो की डोर में बांध लगे हाथ शादी करा लड़के के साथ लड़की को विदा भी कर दिया।

लेकिन लड़का उसे अपने घर के दरवाजे पर छोड़ फरार हो गया। इधर घर वाले भी उसे दुत्कारने लगे। जिसके बाद थक हारकर लड़की ने पुलिस का सहारा लिया। पुलिस ने पूरा मामला सुनने के बाद उसे उसके ससुराल में प्रवेश दिला परिजनों को परेशान नहीं करने की हिदायत दी।

इस दौरान इस मामले को ले रात 11 बजे तक मुरार थाने में हाई वोल्टेज ड्रामा भी चला, लेकिन अंत में प्यार की जीत हुई। घटना मुरार थाना क्षेत्र के वैदा गांव की है, वही लड़की रोहतास जिले के दावथ थाना क्षेत्र के फतेहगंज गांव की रहने वाली है। प्यार के इजहार और शादी के बाद इंकार के बीच पुलिस के तारणहार बनने की चर्चा शनिवार को भी पूरे दिन क्षेत्र में होते रही।

कुंभ जाने का बहाना कर लड़की से मिलने पहुंचा था कल्लू : गुरूवार को कल्लू अपने घर कुंभ स्नान करने की बात कह निकला तथा प्रयागराज जाने के बजाए फतेहगंज पहुंच गया था। वह, प्रेमिका से बातचीत कर रहा था, इसी दौरान स्थानीय लोगों ने दोनों को पकड़ लिया। पहले तो प्रेमिका के घर वाले उसे फटकार लगा रहे थे तथा मारपीट कर रहे थे, लेकिन उसकी प्रेमिका उसके साथ खड़ी हो गई। अंततः दोनों के प्यार को सच्चा मान स्थानीय लोगों ने तुरंत लड़की के घरवालों को बुला कर दोनों की पहले मंदिर में फिर बिक्रमगंज कोर्ट में शादी करा दी। शादी के बाद शुक्रवार को ही दोनों को वहां से एक साथ विदा किया गया, लेकिन लड़का उसे अपने दरवाजे पर छोड़ फरार हो गया।

गुप्ताधाम जाने के दौरान हुई थी आंखे चार

मुरार थाना क्षेत्र के वैदा गांव निवासी राहुल यादव के पुत्र कल्लू यादव छह सात महीना पहले गुप्ताधाम गया था। रास्ते में उसकी मुलाकात रोहतास जिला के दावथ थाना क्षेत्र के फतेहगंज गांव निवासी जयनाथ सिंह की पुत्री निराशा से हुई। पहली नजर में ही दोनों एक दूसरे से प्यार कर बैठे। एक दूसरे का मोबाईल नंबर लेने के बाद दोनों के बीच बातों का जो सिलसिला शुरू हुआ उससे दोनों एक दूसरे के नजदीक आ गए। लंबे समय से दोनों के बीच बातचीत चल रही थी।

न्यायोचित कार्रवाई होगी

"प्रेमिका को उसके प्रेमी के घर सही सलामत पहुंचा दिया गया हैं। किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर न्यायोचित कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल समझाने बुझाने के बाद ससुराल वालों ने उसे स्वीकार लिया है।

- अमन कुमार, थानाध्यक्ष, मुरार

भागलपुर में सीएम ने 1200 करोड़ की योजनाओं का किया शिलान्यास व उद्घाटन

भागलपुर में तकनीकी संस्थानों का कराया गया है निर्माण:सीएम

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री ने कहा कि भागलपुर में राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थान, महिला आईटीआई, सभी अनुमंडलों में आईटीआई, जीएनएम संस्थान, आवासीय विद्यालय, छात्रावास, अनेक पथों एवं पुल-पुलियों का निर्माण कराया गया है। वर्ष 2010 में यहां बिहार कृषि विश्वविद्यालय सबौर की स्थापना, बड़ी संख्या में पथों एवं पुल पुलियों का निर्माण कराया गया। यातायात को सुचारू करने के लिए विक्रमशिला अप्रोच पथ का चौड़ीकरण तथा घोरघट पुल का निर्माण कराया गया।

विक्रमशीला सेतु के समातांतर पुल का निर्माण कराय जा रहा है। वर्ष 2019 में जब यहां बाढ़ आई थी तो तत्काल प्रभाव से बाढ़ पीड़ितों तक राहत पहुंचाई गई। गंगा नदी के बगल में स्थित भागलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज का उस समय कटाव हो रहा था, जिसे हम देखने आए थे। भागलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज को सुरक्षित रखने के लिए कटावरोधी कार्य कराया गया है। भागलपुर जिले में अब तक 39 पंचायत सरकार भवन का निर्माण कराया जा चुका है। शेष सभी पंचायत सरकार भवनों का निर्माण कार्य इस साल जून तक हर हाल में पूर्ण करा दें। बिजली के क्षेत्र में भी यहां काफी काम किया गया है। 5 ग्रिड सब स्टेशन, 12 पावर सब स्टेशन, कृषि कार्य हेतु 60 डेडिकेटड कृषि फीडर का निर्माम यहां कराया गया है। भागलपुर जिले में 3 लाख 52 हजार जीविका दीदियां विभिन्न जीविका समूहों से जुड़ी हुई हैं। 6 जीविका दीदी की रसोई यहां संचालित है। वर्ष 1989 में भागलपुर में साम्प्रदायिक दंगा हुआ था। लंबे समय तक पीड़ितों को न्याय नहीं दिलाया गया। वर्ष 2005 में हम इस इलाके में घूम रहे थे। उस समय लोगों ने हमसे न्याय की गुहार लगाई थी। जब वर्ष 2005 के नवबंर माह में हमारी सरकार बिहार में बनीतब हमने वर्ष 2006 में भागलपुर साम्प्रदायिक दंगों की जांच कराकर पीड़ितों को मुआवजा देने के साथ ही हर प्रकार से मदद दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक माह में सिर्फ 39 मरीज इलाज कराने आते थे। हमलोगों ने वर्ष 2006 से सभी सरकारी अस्पतालों में मुफ्त दवा एवं इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई जिसके कारण अब प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रतिमाह औसतन 11 हजार से अधिक मरीज इलाज कराने पहुंच रहे हैं। पहले बिहार में सिर्फ 6 सरकारी मेडिकल कॉलेज थे। अब उनकी संख्या बढ़कर 12 हो गई है। इसके अलावा 14 मेडिकल कॉलेजों का निर्माण कार्य तेजी से आगे बढ़ रह रहा है। सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज खोले जा रहे हैं।

कुंभ स्नान कर लौट रहे श्रद्धालुओं की कार मुजफ्फरपुर में दुर्घटनाग्रस्त, पांच की मौत

♦ सदर थाना क्षेत्र के मैदापुर गांव के पास हुई घटना

केटी न्यूज/पटना

मुजफ्फरपुर में एक भीषण सड़क हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा तेज रफ्तार स्कॉर्पियो के पलटने से हुआ। बताया जा रहा है कि सभी लोग कुंभ से लौट रहे थे। सदर थाना क्षेत्र के मैदापुर गांव के पास फोरलेन पर इनकी गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल में भर्ती करवाया। स्थानीय लोगों का कहना है कि बाइक सवारों को बचाने के चलते गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। इसमें पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मरने वाले सभी लोग नेपाल के रहने वाले थे।बताया जा रहा है कि हादसे के शिकार सभी लोग प्रयागराज से महाकुंभ स्नान को करके वापस घर लौट रहे थे।

इसी दौरान मुजफ्फरपुर के सदर थाना क्षेत्र के मैदापुर गांव के यह घटना हुई। इधर, घटना के मौके पर दोनों एसडीओ डीएसपी ग्रामीण एसपी सहित कई अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे है और मामले की जांच पड़ताल में जुट गए हैं।ग्रामीण अमित कुमार ने बताया कि नई बाईपास फोरलेन पर लगातार हादसे होते रहते हैं। बाइक सवार रील्स बनाने के लिए निकला था। इसी दौरान पटना की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार की स्कॉर्पियो उसे बचाने के चक्कर में अनियंत्रित हो गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि स्कॉर्पियो करीब चार हार पलटी खाई। इसमें के पांच लोगों की मौत हो गई वहीं जबकि चार लोग घायल हैं। कुछ लोगों को गाड़ी का गेट तोड़कर बाहर निकाला गया। घटना को लेकर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नगर क्षेत्र टू विनिता सिन्हा ने बताया कि सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हुई है। मृतकों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएस भेजा गया है जबकि घायलों का इलाज कराया जा रहा है।

इंटर परीक्षा के पहले दिन 80 परीक्षार्थी कदाचार करते पकड़ाए

पटना। इंटर परीक्षा के पहले दिन आठ जिलों में कदाचार के मामले सामने आए। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की ओर से बताया गया कि एक फरवरी को दो पाली में ली गई परीक्षा में कुल 81 परीक्षार्थी कदाचार करते हुए पकड़े गए। इसमें सबसे अधिक मधेपुरा में 34 परीक्षार्थी पकड़े गए। इसके बाद मुंगेर मधेपुरा में 25, गोपालगंज में आठ, नवादा में सात, सारण में तीन, वैशाली में दो, पटना और नवादा में एक-एक परीक्षार्थियों को निष्कासित किया गया। इन पर आगे की कार्रवाई की जा रही है। शेखपुरा जिले में 37 परीक्षार्थियों को निष्कासित किया गया। साथ ही रामाधीन महाविद्यालय के केंद्राधीक्षक सहित पांच वीक्षकों के विरुद्ध भी कार्रवाई की गई है। समीक्षा भी की गयी। बिहार बोर्ड की ओर से परीक्षा में गड़बड़ी रोकने के लिए कई तरह दिशा-निर्देश पहले ही जारी कर दिए गए थे। परीक्षा केंद्र के अंदर पर हॉल टिकट, कलम और पानी के बोतल के अलावा कुछ भी ले जाने की इजाजत नहीं दी गई बिहार बोर्ड ने स्पष्ट निर्देश दिया है।

महाकुंभ में मृतकों के परिजनों को मिलेंगे 2-2 लाख : सीएम

पटना। देश भर में इन दिनों महाकुंभ मेले की धूम है। ऐसे में पिछले दिनों अमृत स्नान के दौरान यहां से भगदड़ में कई लोगों की जान चली गई। सीएम नीतीश कुमार ने बड़ा एलान किया है। उन्होंने इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना पर दुख जताया है और मृतकों के आश्रितों और घायलों के लिए मुआवजे का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है और मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि प्रदान की जाएगी। घायल श्रद्धालुओं को 50-50 हजार रुपये की सहायता दी जाएगी।

राहुल, सोनिया व प्रियंका गांधी के खिलाफ मामला दर्ज, राष्ट्रपति पर टिप्पणी से संबंधित

केटी न्यूज/मुजफ्फरपुर

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद राहुल गांधी, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और सांसद प्रियंका गांधी के खिलाफ मुजफ्फरपुर के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में मामला दर्ज किया गया है। यह मामला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के खिलाफ कथित अभद्र टिप्पणी को लेकर दायर किया गया है।इस मामले में मुजफ्फरपुर के अधिवक्ता सह परिवादी सुधीर कुमार ओझा ने कोर्ट में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने आरोप लगाया है कि बजट सत्र के दौरान सदन में अभिभाषण खत्म होने के बाद जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सदन से बाहर निकल रही थीं, तब राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी ने उन पर अपमानजनक टिप्पणी की। परिवादी का कहना है कि यह टिप्पणी राष्ट्रपति पद की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली थी और इससे देश की भावना आहत हुई है। इसी आधार पर भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिवक्ता सुधीर ओझा की ओर से दायर इस परिवाद को मुजफ्फरपुर कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। इस मामले पर सुनवाई के लिए 10 फरवरी की तारीख मुकर्रर की गई है। परिवादी का कहना है कि राष्ट्रपति देश का सर्वोच्च संवैधानिक पद होता है। उनके खिलाफ की गई किसी भी टिप्पणी को हल्के में नहीं लिया जा सकता। उन्होंने अदालत से अनुरोध किया है कि राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।इस मामले के सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है। हालांकि, अभी तक कांग्रेस पार्टी या गांधी परिवार की ओर से इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। गौरतलब है कि संसद के बजट सत्र की शुरुआत में शुक्रवार को दोनों सदनों के संयुक्त सत्र को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संबोधित किया था। जिस पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी ने संसद के बाहर राष्ट्रपति को बेचारी कहा। वहीं, कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी राष्ट्रपति के अभिभाषण को बोरिंग बताया था। कांग्रेस नेताओं की इन टिप्पणियों की राष्ट्रपति भवन ने कड़ी निंदा की है। भाजपा नेताओं की माफी की मांग पर प्रियंका गांधी ने पलटवरा किया।

बिजनेस कनेक्स में 1 लाख 81 हजार करोड़ रुपए के निवेश का मिला प्रस्ताव

उद्योग विभाग ने की बड़ी तैयारी, 51 दिन के भीतर लगेंगी 15 फैक्ट्री व युवाओं को मिलेंगे नए अवसर

केटी न्यूज/पटना

बिहार में उद्योगों के विकास को लेकर सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। राज्य के भीतर अगले 51 दिनों में 15 नई औद्योगिक इकाई को स्थापित करने का लक्ष्य उद्योग विभाग ने निर्धारित किया है। इसके लिए विभाग की तरफ से बड़ा प्लान बनाया गया है। दरअसल, पिछले साल दिसंबर महीने में आयोजित हुए बिजनेस कनेक्स में बिहार को 1 लाख 81 हजार करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव उद्योग विभाग को मिला है। प्रस्तावों को जमीन पर उतारने के लिए विभाग ने रणनीति तैयार कर ली है। विभाग निवेशकों को तेजी से मंजूरी और वन स्टॉप निवेश सहायता दे रहा है। जिससे राज्य के हजारों युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

बिहार सरकार के उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने बताया कि बिजनेस कनेक्ट 2024 राज्य के लिए एतिहासिक रहा। इससे पहले कभी भी 1 लाख 81 हजार करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव नहीं मिला था। उद्योग विभाग का सबसे बड़ा लक्ष्य इस निवेश को धरातल पर उतारने का है। उद्योग विभाग ने संकल्प लिया है कि अगले 51 दिनों के भीतर 15 औद्योगिक इकाइयां स्थापित किया जाए। इसके लिए विभाग लगातार निगरानी करेगा और निवेशकों की मदद करेगा। मंत्री ने कहा कि विभाग की टीम राज्य में निवेश करने वाले निवेशकों के संपर्क में है। जमीन के आवंटन का मामला हो या क्लीयरेंस का मामला हो, निवेशकों की जरूरतों को पूरा किया जा रहा है। उद्योग विभाग संकल्प के साथ काम कर रहा है कि बिहार में आने वाले निवेशकों को किसी तरह की कोई परेसानी न हो। उन्होंने कहा कि बिहार एक नए औद्योगिक युग में प्रवेश कर रहा है। इन नए औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के बाद बिहार के हजारों लोगों को रोजगार मिल सकेंगे। इसके साथ ही बिहार औद्योगिक क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से आगे बढ़ेगा। इन औद्योगिक इकाइयों की स्थापना से कारोबारी माहौल बेहतर होगा और राज्य के आर्थिक विकास में तेजी आएगी। इस दौरान उन्होंने कहा कि बिहार में विशेष आर्थिक जोन को विकसित किया जा रहा है। यह लगातार प्रयास किया जा रहा है कि बहुराष्ट्रीय कंपनियां बिहार में अपना प्लांट लगाये। इससे रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

संक्षिप्त समाचार

महाकुंभ से लौट रही बस ने ट्रक को मारी टक्कर, कई यात्री घायल

हजारीबाग, एजेंसी। प्रयागराज महाकुंभ से लौट रही बस ने ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी। यह घटना जिले के चौपारण में हुई है। जहां महाकुंभ से बोकारो जा रही बस बेकाबू होकर एक ट्रक से टकरा गई। दुर्घटना में कई यात्री गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटना शनिवार की सुबह चौपारण के दनुआ घाटी में हुई है। इस घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि ड्राइवर की लापरवाही से यह हादसा हुआ है। घटना के बाद चौपारण आपदा मित्र की एंबुलेंस और एनएचआई एंबुलेंस द्वारा घायल यात्रियों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौपारण में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही चौपारण थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और राहत बचाव कार्य में जुटी हुई है।

धनबाद को सड़क सुरक्षा में पूरे राज्य में मिला प्रथम पुरस्कार

धनबाद , एजेंसी। वर्ष 2023 के मुकाबले 2024 में सड़क दुर्घटनाओं में कमी के लिए धनबाद जिले को पूरे राज्य में प्रथम पुरस्कार मिला है। रांची में शुक्रवार को आयोजित समारोह में धनबाद जिला परिवहन विभाग व यातायात पुलिस को सम्मानित किया गया। ज्ञात हो कि पहली जनवरी से 31 जनवरी तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाया गया। इस दौरान धनबाद जिले में विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। परिवहन विभाग और यातयात पुलिस ने लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। वैसे तो विभाग द्वारा जागरूकता अभियान सालों भर चलाया जाता है। जिसका असर यह रहा है कि जिले में सड़क दुर्घटना में होने वाली मौतों में कमी आई है। आंकड़ों पर गौर करें, तो वर्ष 2023 में जिले में कुल सड़क दुर्घटनाएं 435 हुई थीं, जिनमें 306 लोगों ने जान गंवा दी थी। बावजूद इसके प्रशासन दुर्घटना में कमी लाने का हर सम्भव प्रयास जारी रहा। जिसका परिणाम वर्ष 2024 में देखने को मिला। वर्ष 2024 में जिले में कुल सड़क दुर्घटनाएं 349 हुईं, जिनमें 211 लोगों ने जान गंवाई।

जामा में तेल टैंकर की चपेट में आकर साइकिल सवार युवक की मौत

दुमका, एजेंसी। दुमका–मसलिया मुख्य मार्ग पर जामा थाना क्षेत्र के तर्रा गांव के समीप तेज रफ्तार तेल टैंकर की चपेट में आकर साइकिल सवार एक युवक की मौत हो गई। युवक की पहचान छैलापाथर पंचायत के गादी जिरुलिया गांव निवासी लालबाबू पुजहर (35 वर्ष) के रूप में हुई। मिली जानकारी के अनुसार, लालबाबू साइकिल से कहीं जा रहा था। इसी दौरान मसलिया की ओर से आ रहा तेल टैंकर उसे रौंदते हुए निकल गया। ग्रामीणों ने गंभीर रूप से घायल युवक को 108 एंबुलेंस से पीजेएमसीएच पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा मचाया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को समझा–बुझाकर शांत कराया। थाना प्रभारी अजीत कुमार ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस टैंकर का पता लगा रही है।

बाजार समिति से नहीं हुआ था दुकान का आवंटन, पर 18 साल बाद मांग रहा किराया

धनबाद, एजेंसी। पलटनटांड़ हाट के बैजनाथ गोस्वामी को बाजार समिति प्रशासन ने नोटिस दिया है। 10 दिन के अंदर उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है। किराया की राशि जमा करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी गयी है। बाजार समिति प्रशासन के नोटिस के आलोक में गोविंदपुर के कुसमाटांड़ गांव के निवासी बैजनाथ गोस्वामी ने पणन सचिव को पत्र लिखकर स्पष्ट किया है कि उसके नाम से न कोई दुकान आवंटित की गयी थी और न ही एकरारनामा किया गया है। 2007 में जब दुकान का निर्माण कार्य चल रहा था, उस समय सिर्फ आवेदन किया था। उसके बाद समिति की ओर से किसी तरह की कोई सूचना नहीं दी गयी। न ही दुकान आवंटित किया गया और न ही किराया से संबंधित एकरारनामा किया गया। अब 18 वर्ष बाद अचानक बाजार समिति की ओर से नोटिस भेजकर किराये की राशि जमा करने की चेतावनी दी गयी है ।इधर, बाजार समिति प्रशासन द्वारा भेजे गये नोटिस में कहा गया है कि सम विकास योजना के तहत 5 जून 2007 में दुकान नंबर 6 बैजनाथ गोस्वामी के नाम से आवंटित किया गया था। नौ जनवरी को दुकान का निरीक्षण किया गया, तो पाया गया कि दुकान का व्यवहार नहीं किया जा रहा है। निरीक्षण के क्रम में यह भी देखा गया कि स्थानीय लोग दुकान का अतिक्रमण कर उसमें सामान रख रहे हैं।

पूजा सिंघल के बाद अगला नंबर किसका ईडी की लिस्ट में 3 बड़े नाम; क्या करेंगे हेमंत?

24

रांची, एजेंसी। आईएएस पूजा सिंघल के बाद अब जेल में बंद अन्य सभी लोकसेवकों के विरुद्ध ईडी राज्य सरकार से अभियोजन की स्वीकृति लेगी।

इन अधिकारियों में रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन, पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव संजीव लाल, पूर्व मुख्य अभियंता वीरेंद्र राम शामिल हैं।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा-218 के तहत किसी भी जांच एजेंसी को किसी भी लोक सेवक के विरुद्ध अभियोजन चलाने के लिए राज्य सरकार की अनुमति अनिवार्य है।

हाल ही में ईडी ने आईएएस पूजा सिंघल के विरुद्ध राज्य सरकार से अभियोजन स्वीकृति मांगी है। पूजा सिंघल के विरुद्ध पीएमएलए की विशेष अदालत में पहले से ट्रायल चल रहा है।

पूजा सिंघल ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर बताया था कि उनके विरुद्ध ईडी को राज्य सरकार से अभियोजन स्वीकृति नहीं मिली है, इसलिए उनके विरुद्ध दर्ज मामले को निरस्त किया जाए।

उन्होंने अदालत को बताया था कि किसी भी सरकारी अधिकारी के विरुद्ध आपराधिक केस चलाने के लिए अभियोजन स्वीकृति अनिवार्य है, लेकिन ईडी ने ऐसा नहीं किया। पूजा सिंघल की याचिका पर तीन जनवरी को सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने ईडी से जवाब मांगा है।

रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में रांची के पूर्व उपायुक्त आईएएस अधिकारी छवि रंजन, पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव संजीव लाल व पूर्व मुख्य अभियंता वीरेंद्र राम बंद हैं।

छवि रंजन जमीन घोटाला केस में जेल में हैं। वहीं संजीव लाल और वीरेंद्र राम टेंडर आवंटन घोटाला केस में गिरफ्तारी के बाद से ही जेल में हैं।

ईडी रांची ने पीएमएलए के तहत अनुसंधान के दौरान इन आरोपितों की भूमिका को संदिग्ध माना था, उनके विरुद्ध साक्ष्य जुटाए और उसके आधार पर ही उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा है। इन सभी आरोपितों पर चार्जशीट दाखिल हो चुका है।

मनरेगा घोटाला मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के तहत अनुसंधान के दौरान ईडी ने तत्कालीन खान एवं भूतत्व विभाग की सचिव पूजा सिंघल को 11 मई 2022 को गिरफ्तार किया था।

राज्य सरकार ने अगले ही दिन उन्हें निलंबित कर दिया था। इससे पहले छह मई 2022 को पूजा सिंघल के चार्टर्ड अकाउंटेंट सुमन कुमार के पास से ईडी ने 19।76 करोड़ रुपये नकदी की बरामदगी की थी।

28 महीने की जेल के बाद वह सात दिसंबर 2024 को जमानत पर बाहर निकलीं थीं। ईडी ने इस केस में पूजा सिंघल से जुड़ी 82।77 करोड़ रुपये मूल्य की चार अचल संपत्तियां जब्त की थी।

इनमें रांची के बरियातू रोड स्थित पल्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, पल्स डायग्नोस्टिक एंड इमेजिंग सेंटर व दो भूखंड शामिल थे।

ईडी ने इस मामले में पूजा सिंघल के

हजारीबाग में एसीबी का एक्शन, रिश्वत लेते पंचायत सचिव

हजारीबाग, एजेंसी।

एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने अलौंजा व हदारी पंचायत के पंचायत सचिव रमेंद्र कुमार सिन्हा को छह हजार रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। पंचायत सचिव रवींद्र कुमार सिन्हा ने अलौंजा पंचायत निवासी टीसीबी लाभुक ओमप्रकाश मेहता से प्रखंड परिसर के बाहर एक कैफे सेंटर में रिश्वत की रकम ली। ओमप्रकाश ने जैसे ही रिश्वत की रकम पंचायत सचिव को सौंपी, पहले से निगरानी कर रही एसीबी की टीम ने उसे दबोच लिया।

ओमप्रकाश मेहता ने बताया कि रवींद्र कुमार सिन्हा पिछले एक साल से अलौंजा पंचायत में पंचायत सचिव के पद पर कार्यरत थे और हाल ही में उन्हें हदारी पंचायत का अतिरिक्त प्रभार मिला था। उन्होंने टीसीबी की रकम लाभुक के खाते में भेजने के एवज में रिश्वत मांगी थी, जिसकी शिकायत उन्होंने हजारीबाग एसीबी से की थी।

एसीबी अधिकारियों की जांच में शिकायत सही पाए जाने पर ओमप्रकाश को छह हजार रुपये देकर जाल बिछाया गया। शुक्रवार को जैसे ही पंचायत सचिव ने लाभुक को कैफे सेंटर में बुलाकर रिश्वत ली, एसीबी की टीम ने उन्हें रंगेहाथ दबोच लिया। गिरफ्तार पंचायत सचिव को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के तहत हजारीबाग ले जाया गया।

जमशेदपुर के रेलकर्मियों के बच्चों लिए खुशखबरी, रेलवे देने जा रही खास सुविधा

जमशेदपुर, एजेंसी। दक्षिण पूर्व रेलवे में कार्यरत कर्मचारियों के बच्चों को तकनीकी शिक्षा के लिए रेल प्रबंधन छात्रवृत्ति देगी। इसके लिए कुल पांच करोड़ 68 लाख 44 हजार रुपये आवंटित किए गए हैं।ओबीसी रेलवे कर्मचारी संघ के महासचिव कृष्ण मोहन प्रसाद ने बताया कि शुक्रवार को गार्डनरीच मुख्यालय में सेंट्रल स्टाफ बेनीफिट फंड कमेटी की बैठक प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी सह चेयरमैन महुआ वर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

इसमें रेल कर्मियों के बच्चों को तकनीकी कोर्स में शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति दिए जाने पर सहमति बनी। इसमें चक्रधरपुर, आद्रा, रांची व खड़गपुर डिवीजन में कार्यरत कर्मचारियों के संवर्ग (ग्रेड-पे) तीन में 88 लाख 74 हजार रुपये, संवर्ग-2 के लिए 53 लाख 28 हजार और संवर्ग-1 के लिए चार करोड? 26 लाख 42 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

इसके अलावा महिला सशक्तिकरण पर 35 लाख रुपये, रांची मंडल में कार्यरत रेलकर्मियों के बच्चों के लिए टैलेंट हंट प्रतियोगिता के लिए तीन लाख 58 हजार रुपये, आद्रा डिवीजन में कर्मचारियों के स्वजनों के सांस्कृतिक उत्थान के लिए तीन लाख रुपये, खड़गपुर डिवीजन द्वारा चिल्ड्रेन कैंप के लिए 12 लाख 53 हजार 51 रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई। इस बैठक में दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस यूनियन, एसटी-एससी एसोसिएशन के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

रांची- नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस गुरुवार के प्रस्थान समय में परिवर्तन किया गया है, अब यह ट्रेन अपने निर्धारित प्रस्थान समय 18÷25 बजे के स्थान पर शुक्रवार को को सुबह सात बजे रांची से प्रस्थान करेगी। दिल्ली से यह ट्रेन गुरुवार को रांची स्टेशन पर रात्रि दस बजे पहुंची। जबकि सुबह 8।20 बजे स्टेशन पर पहुंचने का निर्धारित समय है।

गुइलेन बैरे सिंड्रोम की रोकथाम के लिए झारखंड सरकार अलर्ट, सीएम ने की समीक्षा

रांची, एजेंसी। गुइलेन-बैरे सिंड्रोम यानी जीबीएस की रोकथाम के लिए राज्य सरकार तैयारी में जुट गई है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस बीमारी से निपटने के लिए राज्य के स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारियों के साथ आज 31 जनवरी को अपने आवासीय कार्यालय में बैठक की।

इस दौरान जीबीएस बीमारी से ग्रस्त मरीजों की पहचान करने और उनके इलाज की विशेष व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इस बैठक में स्वास्थ्य मंत्री डॉ। इरफान अंसारी जहां ऑनलाइन जुड़े। वहीं विभाग के वरीय अधिकारियों ने इस बीमारी के दुष्प्रभाव, लक्षण और बचाव से संबंधित जानकारी से सीएम को अवगत कराया।

मुख्यमंत्री आवास में हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विभागीय अपर सचिव अजय कुमार सिंह, रिम्स निदेशक डॉ। राजकुमार और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक अबू इमरान मौजूद रहे। इस बैठक में वर्चुअल माध्यम से सभी जिलों के उपायुक्त और सिविल सर्जन भी शामिल हुए।

जीबीएस को लेकर रहें अलर्ट, अस्पतालों में करें पुख्ता व्यवस्था- सीएम : गुइलेन-बैरे सिंड्रोम बीमारी से निपटने के लिए मुख्यमंत्री अधिकारियों को अलर्ट रहने का निर्देश देते हुए राज सरकार के सभी अस्पतालों में पुख्ता व्यवस्था करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पतालों में बेड और दवा सहित सभी जरूरी व्यवस्था सुनिश्चित हो जिससे संदिग्ध मरीजों को तत्काल चिकित्सा सुविधा महिया कराया जा सके।

इस बीमारी से संबंधित कोई भी केस मिलने पर तत्काल रिम्स रेफर करने का निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पताल तक पहुंचाने के लिए ट्रांसपोर्ट सिस्टम को अलर्ट रखा जाए जिसे ससमय मरीज को चिकित्सा सुविधा मिल सके।

दुमका में आज मनाया जाएगा झामुमो का स्थापना दिवस समारोह, पूरा शहर सज-धज कर तैयार

दुमका, एजेंसी। झारखंड मुक्ति मोर्चा का 46वां स्थापना दिवस समारोह 02 फरवरी को दुमका के गांधी मैदान में झारखंड दिवस के तौर पर मनाया जाएगा। पार्टी की ओर से इसकी तैयारियां जोर-शोर से की जा रही है। पूरे शहर में पार्टी का झंडा, बैनर, होर्डिंग्स और पोस्टर लगाए गए हैं। साथ ही शहर में जगह-जगह तोरणद्वार बनाए गए हैं। झामुमो के स्थापना दिवस को लेकर गांधी मैदान को काफी भव्य तरीके से सजाया जा रहा है। इस समारोह में मुख्य तौर पर पार्टी सुप्रीमो शिबू सोरेन शिरकत करेंगे। साथ ही झामुमो के सभी सांसद, विधायक और पार्टी पदाधिकारी भी समारोह में मौजूद रहेंगे।

झामुमो के लिए 2 फरवरी का दिन महत्वपूर्णः बसंत : दुमका विधायक बसंत सोरेन ने तैयारियों को लेकर खजुरिया गांव स्थित अपने आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा स्थापना दिवस समारोह प्रति वर्ष 02 फरवरी के दिन मनाया जाता है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के लिए 02 फरवरी का दिन काफी महत्वपूर्ण होता है। इस दिन दुमका के गांधी मैदान में आयोजित समारोह में मुख्य तौर पर पार्टी सुप्रीमो शिबू सोरेन अपना संदेश राज्य की जनता देते हैं। उनका संदेश को मार्गदर्शन के तौर पर प्राप्त कर पार्टी के सभी कार्यकर्ता जनता की सेवा में जुट जाते हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले साल 2024 में पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस समारोह में भाग नहीं ले सके थे। इस कारण कार्यकर्ताओं में थोड़ी मायूसी थी, लेकिन इस बार काफी उत्साह के साथ पार्टी की स्थापना दिवस की तैयारी की जा रही है। जनता में भी स्थापना दिवस समारोह को लेकर काफी जोश दिख रहा है।

केंद्र के पास राज्य के बकाए पर होगा स्टैंड तय! : विधायक बसंत सोरेन ने कहा कि स्थापना दिवस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जनता को संबोधित करेंगे। उसमें राज्य के विकास से संबंधित बातें होगी।

साथ ही मुख्य तौर पर झारखंड का जो केंद्र के पास 01 लाख 36 हजार करोड़ रुपये बकाया है उस संबंध में मुख्यमंत्री कोई ठोस निर्णय लेने की घोषणा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा ने हमेशा अपने अधिकारों के लिए संघर्ष किया है। ऐसे में यह भी हो सकता है कि बकाया को पाने के लिए पार्टी संघर्ष का रास्ता अख्तियार करे।

धनबाद में वित्त मंत्री द्वारा विभागों की समीक्षा, राजस्व प्राप्ति में पिछड़ने पर जताई नाराजगी

धनबाद, एजेंसी। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने जिला समाहरणालय डीसी कार्यालय में राजस्व प्राप्ति की लक्ष्य को लेकर सभी विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। जिसमें डीसी माधवी मिश्रा के साथ खनन, उत्पाद, भू-अर्जन, वाणिज्य कर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस बैठक में अभी तक के राजस्व प्राप्ति की जानकारी ली। मार्च वितीय वर्ष तक सभी राजस्व को पूरा करने का निर्देश वित्तमंत्री ने सभी विभागों के अधिकारियों को दिया।

वहीं समीक्षा बैठक के बाद वित्त मंत्री ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि धनबाद राजस्व संग्रह में मुख्य जिला है। धनबाद जिला को विभिन्न स्रोतों से राजस्व प्राप्त होता है। जिसमें कमर्शियल टैक्स में कतरास अंचल में सबसे कम राजस्व प्राप्त हुआ है। कतरास अंचल 58।91त्न लक्ष्य से पीछे है। इस पर सवाल पूछने पर कतरास अंचल के डिप्टी कमिश्नर कमर्शियल टैक्सेस इसका संतोषजनक उत्तर नहीं दे पाए। इसलिए उनको शोकोज किया है, संतोषजनक उत्तर नहीं मिलने पर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

इस वित्तीय वर्ष में बीसीसीएल से अब तक 32 करोड़ रुपए कम मिले हैं। 31 मार्च से पहले और 13।62 करोड़ रुपए मिलेंगे। वहीं स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड से 197 करोड़ के लक्ष्य के विरुद्ध 208 करोड़, दामोदर वैली कारपोरेशन से 521 में 488 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि खनन एवं परिवहन विभाग को समन्वय स्थापित कर माइनिंग एरिया के अंदर चल रहे वाहनों के कागजातों की जांच करने तथा पर्याप्त कागजात नहीं होने पर उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने शुक्रवार को खनन, परिवहन, वाणिज्य कर, भू-राजस्व, नगर निगम सहित अन्य विभागों की वित्तीय वर्ष 2024-25 अंतर्गत राजस्व संग्रहण की अद्यतन स्थिति और उनके द्वारा राजस्व वृद्धि के लिए की गई कार्रवाई की समीक्षा की। जीएसटी को लेकर मंत्री ने कहा कि अब डिफाल्टर का बैंक अकाउंट अटैच किया जाएगा। जीएसटी नंबर लेने में जो बैंक अकाउंट दिया जाएगा उसमें टर्नओवर के अनुरूप निश्चित राशि अकाउंट में रखना अनिवार्य होगा।

मंत्री ने पदाधिकारियों से कहा कि विधायिका और कार्यपालिका मिलकर काम करेगी तो राजस्व संग्रहण में वृद्धि होगी। उन्होंने वित्तीय अनुशासन को मजबूत बनाने के लिए सभी विभाग को 31 मार्च 2025 तक राजस्व संग्रहण लक्ष्य को पूरा करने का निर्देश दिया।

पीएम मोदी झारखंड के 4 लाख लोगों को देंगे प्रधानमंत्री आवास योजना की सौगात, मिलेंगे इतने रुपए

रांची, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी झारखंड के 4 लाख से ज्यादा लोगों को सौगात देने जा रहे हैं। हर लाभुक को केंद्र सरकार की ओर से 1।20 लाख रुपए मिलेंगे। केंद्र सरकार ने 'प्रधानमंत्री आवास योजना' के तहत झारखंड के 4 लाख से ज्यादा बेघरों को अपना आशियाना देने जा रही है। ये वैसे लोग हैं, जिन्हें अब तक न तो 'प्रधानमंत्री आवास योजना' का लाभ मिला है, न ही झारखंड सरकार की 'अबुआ आवास योजना' के तहत आवास का लाभ मिला है। पहले केंद्र सरकार ने राज्य के 1।13 लाख बेघरों को आवास देने की स्वीकृति दी थी, लेकिन अब इस संख्या को बढ़ाकर 4,19,947 कर दिया गया है।

झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार को भारत सरकार से प्रधानमंत्री आवास योजना लेने के लिए लंबा प्रयास करना पड़ा। एक समय में राज्य सरकार के पास पेंडिंग आवासों की संख्या काफी अधिक थी। ऐसे में केंद्र सरकार ने आवास देने से मना कर दिया था। सूची में त्रुटियों की वजह से भी आवास के आवंटन रोके गये थे। भारत सरकार से आवास नहीं मिलने की स्थिति में झारखंड सरकार ने 'अबुआ आवास योजना' की शुरुआत की थी। झारखंड सरकार की ओर से प्रति आवास 2 लाख रुपए दिये जा रहे हैं। इससे 3 कमरे का आवास बनाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभुकों को मकान का निर्माण करने के लिए 1।20 लाख रुपये दिये जायेंगे। इसमें मजदूरी का कार्य मनरेगा से कराया जायेगा। शौचालय निर्माण भी मनरेगा के कन्वर्जेंस से होना है। इस राशि से 2 कमरे का 269 वर्गफीट का मकान बनाया जाना है। मकान में एक किचन और बरामदा भी होगा।

अब शिक्षकों को जे-गुरूजी एप देगा ट्रेनिंग, पूरे प्रदेश में लागू हुई व्यवस्था

रांची, एजेंसी। राज्य में सभी शिक्षकों के लिए 50 घंटे का अनिवार्य प्रशिक्षण लागू हो गया है। मुख्य सचिव अलका तिवारी के निर्देश पर स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने प्रशिक्षण का माड्यूल तैयार किया है।

विभाग द्वारा प्रशिक्षण का कैलेंडर भी तैयार किया गया है। विभागीय सचिव उमाशंकर सिंह ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों और जिला शिक्षा अधीक्षकों को पत्र भेजकर प्रशिक्षण माड्यूल तथा कैलेंडर के अनुसार, शिक्षकों का प्रशिक्षण सुनिश्चित करने को कहा है।

इस माड्यूल के तहत शिक्षकों का प्रशिक्षण एक फरवरी से संताल परगना प्रमंडल के जिलों से शुरू होगा। 50 घंटे के अनिवार्य प्रशिक्षण में 24 घंटे का

ऑनलाइन प्रशिक्षण जे गुरुजी ऐप के माध्यम से होगा।

विभाग ने इसका वीडियो डेमोस्ट्रेशन भी जारी किया है ताकि शिक्षकों को ऑनलाइन प्रशिक्षण में किसी प्रकार की समस्या न हो। ऑनलाइन प्रशिक्षण संपन्न होने के बाद छह घंटे का प्रशिक्षण संबंधित जिले के डायट में होगा।

इसके बाद 20 घंटे का प्रशिक्षण जेसीईआरटी में होगा। डायट में गैर आवासीय तथा जेसीईआरटी में आवासीय प्रशिक्षण होगा।

प्रशिक्षण के बाद शिक्षकों का आवश्यकता आधारित मूल्यांकन भी होगा ताकि आवश्यकता पड़ने पर शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण भी प्रदान किया जा सके। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद शिक्षकों को प्रमाणपत्र भी जे गुरुजी ऐप के माध्यम से ऑनलाइन मिलेगा।

50 घंटे का प्रशिक्षण प्राथमिक, माध्यमिक तथा प्लस टू सरकारी स्कूलों में कार्यरत सभी शिक्षकों के लिए अनिवार्य होगा। इतना ही नहीं, यह गैर सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों में पढ़ाने वाले शिक्षकों पर भी लागू होगा।

इनमें सभी अल्पसंख्यक स्कूल भी सम्मिलित हैं। बता दें कि राज्य सरकार इन स्कूलों के शिक्षकों का वेतन अनुदान के रूप में देती है।

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने स्नातकोत्तर प्रशिक्षित नियुक्ति परीक्षा के तहत वाणिज्य और हिन्दी विषय में अतिरिक्त अभ्यर्थियों का चयन करते हुए परिणाम जारी किया है।

वाणिज्य विषय में सीधी भर्ती के तहत नौ तथा सीमित भर्ती के तहत तीन अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। इसी तरह, हिन्दी विषय में सीधी भर्ती के तहत आठ तथा सीमित भर्ती के तहत तीन अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। आयोग के अनुसार, इन विषयों में शेष रिक्त पदों के विरुद्ध शीघ्र परिणाम जारी किया जाएगा।

सुभाषितम्

आप आराम की जिंदगी जीना चाहते हैं तो कुछ परेशानी तो उठानी ही पड़ेगी ।
- एबिगैल वैन ब्यूरेन

बजट भाषण उपरांत शेयर बाजार गिरने के निहितार्थ

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला पूर्ण बजट 2025-26 पेश कर दिया है। इसे लेकर जहां सत्ता पक्ष खासा खुश है तो वहीं विपक्ष इसे आंकड़ों की जादूगरी बताकर इसकी आलोचना भी कर रहा है। आरोप तो यह भी है कि यह बजट बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए बिहार केंद्रित कर दिया गया। ज्यादातर योजनाओं के जरिये बिहार को बहुत कुछ उपलब्ध कराने की बात कही जा रही है। इससे पहले की बात करें तो संसद में बजट पेश होता उससे पहले शेयर बाजार सकारात्मक रुख के साथ खुला, लेकिन बजट भाषण जैसे ही खत्म हुआ इसमें गिरावट देखने को मिली। इससे संदेश यह गया कि बजट में शेयर बाजार और निवेशकों के लिए कुछ खास नहीं है। इस कारण बाजार में गिरावट देखने को मिली है। विशेष रूप से रक्षा क्षेत्र के शेयरों में 9 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई, जिसका प्रमुख कारण बजट में रक्षा क्षेत्र को अपेक्षाकृत कम आवंटन बताया जा रहा है। एचएएल, बीईएल और बीएचईएल जैसी सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों और निजी रक्षा कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आ गई। इस बजट में सरकारी पूंजीगत व्यय में मामूली बढ़ोतरी की गई है, जिससे यह 11.2 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। हालांकि, यह निवेशकों की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहा, जिससे बाजार में नकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिली। वहीं, एफएमसीजी, ऑटोमोबाइल और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर को इस बजट से सकारात्मक लाभ मिलने की संभावना है, जिससे इन क्षेत्रों के शेयरों में मजबूती देखी जा सकती है। वैसे सत्ता पक्ष ने इस बजट को टैक्स सुधार की श्रेणी में रखते हुए आम जनता को राहत देने वाले बजट के तौर पर प्रस्तुत किया है। वित्त मंत्री सीतारमण ने अपने बजट भाषण के दौरान नए इनकम टैक्स बिल का ऐलान किया है, जिसे अगले हफ्ते संसद में पेश किया जाएगा। इस नए टैक्स स्ट्रक्चर के तहत, 12 लाख रुपये तक की आमदनी पर सशर्त कोई टैक्स नहीं लगेगा। दरअसल बिना किसी निवेश के 0-4 तक की आय में कोई टैक्स नहीं देना होगा, जबकि 04-8 लाख रुपये तक की आय पर 5 फीसदी टैक्स लगेगा, 8 से 12 लाख रुपये तक आमदनी पर 10 फीसदी टैक्स देना होगा। यदि निवेश किया जाता है तो 12 लाख रुपये तक की आमदनी पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। वहीं 12-16 लाख तक की आय पर 15 फीसदी टैक्स, 16-20 लाख तक की आय पर 20 फीसदी टैक्स और 20 से 24 लाख रुपये तक की आय पर 25 फीसदी टैक्स के साथ ही 24 लाख रुपये से अधिक की आमदनी पर 30 फीसदी टैक्स देना होगा। इसके अलावा बुजुर्गों के लिए टैक्स में राहत दी गई है, जिसमें टीडीएस की सीमा को बढ़ाकर 1 लाख रुपये तक कर दिया गया है। वहीं टीसीएस की सीमा को भी 7 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये किया गया है। इस प्रकार टैक्स में नयापन लाने और आमजन को लाभ पहुंचाने का प्रयास जरुर किया गया है। सरकार का उद्देश्य कर ढांचे को सरल और पारदर्शी बनाना है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग टैक्स भुगतान के प्रति जागरूक हों। इन सुधारों से करदाताओं को राहत मिलेगी और उनकी क्रय शक्ति में वृद्धि होगी। गौरतलब है कि बजट पेश किए जाने से पहले तक यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि सरकार नई टैक्स प्रणाली को अधिक बढ़ावा देगी और कर ढांचे में संभावित बदलाव कर सकती है। करदाताओं को उम्मीद थी कि नए स्लैब के तहत टैक्स दरों में कुछ संशोधन किए जाएंगे, जिससे उनकी कर देनदारी कम होगी और बचत बढ़ेगी। हालांकि, बजट के बाद शेयर बाजार की नकारात्मक प्रतिक्रिया यह दशार्ती है कि अनेक क्षेत्रों की सरकार से जो अपेक्षाएं थीं वो पूरी नहीं हो सकी हैं। बजट में घोषित इन बदलावों से जहां एक ओर बचत को बढ़ावा मिलेगा, वहीं दूसरी ओर उपभोक्ताओं की खर्च करने की क्षमता भी बढ़ेगी।

चिंतन-मनन

पशुवध निंदनीय-दंडनीय कर्म

सतोगुण में किये गये पुण्यकर्मो का फल शुद्ध होता है, अतएव वे मुनिगण, जो समस्त मोह से मुक्त हैं, सुखी रहते हैं। लेकिन रजोगुण में किये गये कर्म दुख का कारण बनते है। भौतिक सुख के लिए जो भी कार्य किया जाता है, उसका विफल होना निश्चित है। उदाहरणार्थ, यदि कोई गगनचुम्बी प्रासाद बनवाना चाहता है, तो उसके पूर्व अत्यधिक कष्ट उठाना पड़ता है। मालिक को धन-संग्रह के लिए कष्ट उठाना पड़ता है और प्रासाद बनाने वाले श्रमिकों को श्रम करना होता है। अतएव भगवद्गीता का कथन है कि रजोगुण के अधीन होकर जो भी कर्म किया जाता है, उसमें निश्चित रूप से महान कष्ट भोगने होते हैं। इससे यह मानसिक तृप्ति हो सकती है कि मैंने यह मकान बनवाया या इतना धन कमाया, लेकिन यह वास्तविक सुख नहीं है। जहां तक तमोगुण का सम्बन्ध है, कर्ता को कुछ ज्ञान नहीं रहता, अतएव उसके समस्त कार्य उस समय दुखदायक होते हैं और बाद में उसे पशु जीवन में जाना होता है। पशु जीवन सदैव दुखमय है, यद्यपि माया के वशीभूत होकर वे इसे समझ नहीं पाते। पशुओं का वध भी तमोगुण के कारण है। पशु-बधिक यह नहीं जानते कि भविष्य में इस पशु को ऐसा शरीर प्राप्त होगा, जिससे वह उनका वध करेगा। यही प्रकृति का नियम है। मानव समाज में यदि कोई किसी मनुष्य का वध कर दे तो उसे प्राणदंड मिलता है। यह राज्य का नियम है। अज्ञानवश लोग अनुभव नहीं करते कि संसार परमेश्वर द्वारा नियंत्रित एक पूरा राज्य है। प्रत्येक जीवित प्राणी परमेश्वर की संतान है और उन्हें एक चींटी तक का मारा जाना सह्य नहीं हैं। इसके लिए मनुष्य को दंड भोगना पड़ता है। अतएव स्वाद के लिए पशु-वध में रत रहना घोर अज्ञान मनुष्य को पशुओं के वध की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि ईश्वर ने अनेक अच्छी वस्तुएं प्रदान की हैं।

प्रकृति और ज्ञान के संगम का पर्व बसन्त पंचमी

रमेश सर्राफ धमोरा

बसंत पंचमी, प्रकृति और ज्ञान के संगम का पर्व है। यह त्योहार वसंत ऋतु के आगमन पर मनाया जाता है। इस दिन मां सरस्वती की पूजा की जाती है। बसंत पंचमी पर प्रकृति का खिलना और नई फसल आना भी देखा जाता है। बसंत पंचमी एक बहुआयामी त्योहार है जो वसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक है और समृद्ध परंपराओं, कृषि महत्व और आध्यात्मिक प्रथाओं से भरा हुआ है। यह एक ऐसा दिन है जब प्रकृति की जीवंतता, देवी सरस्वती की भक्ति और कृषि समुदाय का जीवन उत्सव की एक खूबसूरत तस्वीर में एक दूसरे से जुड़ जाता है। वसंत शब्द का अर्थ है बसंत और पंचमी का पांचवें दिन। इसलिये माघ महीने में जब वसंत ऋतु का आगमन होता है तो इस महीने के पांचवे दिन यानी पंचमी को वसंत पंचमी के रूप में मनाया जाता है। शास्त्रों में बसंत पंचमी को ऋषि पंचमी के नाम से भी जाना जाता है। बसन्त उत्तर भारत तथा समीपवर्ती देशों की छह ऋतुओं में से एक ऋतु है। जो फरवरी मार्च और अप्रैल के मध्य इस क्षेत्र में अपना सौंदर्य बिखेरती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माता सरस्वती जिन्हें विद्या, संगीत और कला की देवी कहा जाता है। है। उनका अवतरण इसी दिन हुआ था और यही कारण है कि भक्त इस शुभ दिन पर ज्ञान प्राप्त करने के लिए उनकी पूजा करते हैं। साथ ही इसे सरस्वती पूजा के नाम से भी जाना जाता है। सभी शुभ कार्यों के लिए बसन्त पंचमी के दिन अत्यंत शुभ मुहूर्त माना गया है। बसन्त पंचमी को अत्यंत शुभ मुहूर्त मानने के पीछे अनेक कारण हैं। यह पर्व अधिकतर माघ मास में ही पड़ता है। माघ मास का भी धार्मिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्व है। इस माह में पवित्र तीर्थों में स्नान करने का विशेष महत्व बताया गया है। दूसरे इस समय सूर्यदेव भी उत्तरायण होते हैं। इसलिए प्राचीन काल से बसन्त पंचमी के दिन देवी सरस्वती की पूजा की जाती है अथवा कह सकते हैं कि इस दिन को सरस्वती के जन्म दिवस के रुप में मनाया जाता है।

भारत में पतझड़ ऋतु के बाद बसन्त ऋतु का आगमन होता है। हर तरफ रंग-बिरंगें फूल खिले दिखाई देते हैं। इस समय गेहूं की बालियां भी पक कर लहराने लगती हैं। जिन्हें देखकर किसान हर्षित होते हैं। चारों ओर सुहाना मौसम मन को प्रसन्नता से भर देता है। इसीलिये वसन्त ऋतु को सभी ऋतुओं का राजा अर्थात ऋतुराज कहा गया है। इस दिन भगवान विष्णु, कामदेव तथा रति की पूजा की जाती है। इस दिन ब्रह्माण्ड के रचयिता ब्रह्मा जी ने सरस्वती जी की रचना की थी। इसलिए इस दिन देवी सरस्वती की पूजा भी की जाती है। बसन्त पंचमी का दिन भारतीय मौसम विज्ञान के अनुसार समशीतोष्ण वातावरण के प्रारंभ होने का संकेत है। मकर सक्रांति पर सूर्य के उत्तरायण प्रस्थान के बाद शरद ऋतु की समाप्ति होती है। हालांकि विश्व में बदलते मौसम ने मौसम चक्र को

बिगाड़ दिया है। पर सूर्य के अनुसार होने वाले परिवर्तनों का उस पर कोई प्रभाव नहीं है। हमारी संस्कृति के अनुसार पर्वों का विभाजन मौसम के अनुसार ही होता है। इन पर्वो पर मन में उत्पन्न होने वाला उत्साह स्वप्रेरित होता है। सर्दी के बाद गर्मी और उसके बाद बरसात फिर सर्दी का बदलता क्रम देह में बदलाव के साथ ही प्रसन्नता प्रदान करता है। बसन्त पंचमी का दिन सरस्वती जी की साधना को अर्पित ज्ञान का महापर्व है। शास्त्रों में भगवती सरस्वती की आराधना व्यक्तिगत रूप में करने का विधान है। किंतु आजकल सार्वजनिक पूजा-पाण्डालों में देवी सरस्वती की मूर्ति स्थापित कर पूजा करने का रिवाज चल पड़ा है। मां सरस्वती का प्रिय रंग पीला है। इसलिए उनकी मूर्तियों को पीले वस्त्र, फूल पहनाए जाते हैं। देश में लोग बसंत पंचमी पर पीले कपड़े पहन कर विद्या की देवी मा सरस्वती कि वंदना मंत्र का उच्चारण कर उनकी पूजा करते हैं।

या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता।
या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना॥
या ब्रह्माच्युत शंकरप्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता।
सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्यापहा॥

माना गया है कि माघ महीने की शुक्ल पंचमी से बसन्त ऋतु का आरंभ होता है। फाल्गुन और चैत्र मास बसन्त ऋतु के माने गए हैं। फाल्गुन वर्ष का अंतिम मास है और चैत्र पहला। इस प्रकार हिंदू पंचांग के वर्ष का अंत और प्रारंभ बसन्त में ही होता है। इस ऋतु के आने पर सर्दी कम हो जाती है। मौसम सुहावना हो जाता है। पेड़ों में नए पत्ते आने लगते हैं। सरसों के फूलों से भरे खेत पीले दिखाई देते हैं। अतः राग रंग और उत्सव मनाने के लिए यह ऋतु सर्वश्रेष्ठ मानी गई है। ग्रंथों के अनुसार देवी सरस्वती विद्या, बुद्धि और ज्ञान की देवी हैं। अमित तेजस्विनी व अनंत गुणशालिनी देवी सरस्वती की पूजा-आराधना के लिए माघमास की पंचमी तिथि निर्धारित की गयी है। बसन्त पंचमी को इनका आविर्भाव दिवस माना जाता है। ऋग्वेद में सरस्वती देवी के असीम प्रभाव व महिमा का वर्णन है। मां सरस्वती विद्या व ज्ञान की अधिष्ठात्री हैं। कहते हैं जिनकी जिव्हा पर सरस्वती देवी का वास होता है। वे अत्यंत ही विद्वान व कुशाग्र बुद्धि होते हैं।

प्राचीन कथाओं के अनुसार ब्रह्मा जी ने विष्णु जी के कहने पर सृष्टि की रचना की थी। एक दिन वह सृष्टि को देखने के लिए धरती पर भ्रमण करने के लिए आए। ब्रह्मा जी को सृष्टि में कुछ कमी का अहसास हो रहा था। लेकिन वह समझ नहीं पा रहे थे कि किस बात की कमी है। उन्हें पशु-पक्षी, मनुष्य तथा पेड़-पौधे सभी चुप दिखाई दे रहे थे। तब उन्हें आभास हुआ कि क्या कमी है। वह सोचने लगे कि एसा क्या किया जाए कि सभी बोले और खुशी में झूमे। ऐसा विचार करते हुए ब्रह्मा जी ने अपने कमण्डल से जल लेकर धरती पर छिडका। जल छिडकने के बाद श्वेत वस्त्र धारण किए हुए एक देवी प्रकट हुई। इस देवी के चार हाथ थे। एक हाथ में वीणा, दूसरे हाथ में कमल, तीसरे हाथ में माला तथा चतुर्थ हाथ में पुस्तक थी। ब्रह्मा जी ने देवी को वरदान दिया कि तुम सभी प्राणियों के कण्ठ में निवास करोगी। सभी के अंदर चेतना भरोगी, जिस भी प्राणी में तुम्हारा वास होगा वह अपनी विद्वता के बल पर समाज में पूज्यनीय होगा। ब्रह्मा जी ने कहा कि तुम्हें संसार में देवी सरस्वती के नाम से जाना जाएगा।कडकड़ाती ठंड के बाद बसंत ऋतु में प्रकृति की छटा देखते ही बनती है। पलाश के लाल फूल, आम के पेड़ों पर आए बौर, हरियाली और गुलाबी ठंड मौसम को सुहाना बना देती है। यह ऋतु सेहत की दृष्टि से भी बहुत अच्छी मानी जाती है। मनुष्यों के साथ पशु-पक्षियों में नई चेतना का संचार होता है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान का विशेष महत्व है। देश के कई स्थानो पर पवित्र नदियों के तट और तीर्थ स्थानों पर बसंत मेला भी लगता है। राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र में तो बसंत पंचमी के दिन से ही लोग समूह में एकत्रित होकर रात में चंग ढफ बजाकर धमाल गाकर होली के पर्व का शुभारम्भ करते है। बसन्त पंचमी के दिन विद्यालयों में भी देवी सरस्वती की आराधना की जाती है। भारत के पूर्वी प्रांतों में घरों में भी विद्या की देवी सरस्वती की मूर्ति की स्थापना की जाती है और वसन्त पंचमी के दिन उनकी पूजा की जाती है। उसके बाद अगले दिन मूर्ति को नदी, तालाब में विसर्जित कर दिया जाता है। देवी सरस्वती को ज्ञान, कला, बुद्धि, गायन-वादन की अधिष्ठात्री माना जाता है। इसलिए इस दिन विद्यार्थी, लेखक और कलाकार देवी सरस्वती की उपासना करते हैं। विद्यार्थी अपनी किताबें, लेखक अपनी कलम और कलाकार अपने संगीत उपकरणो और बाकी चीजें मां सरस्वती के सामने रखकर पूजा करते हैं।

दिल्ली में मोदी बनाम केजरीवाल बनाम राहुल

राकेश अचल

दिल्ली विधानसभा का चुनाव है तो मुंबई महापालिका से भी छोटा लेकिन इस चुनाव को जीतने के लिए भाजपा और कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टियां आम आदमी पार्टी जैसे छोटे से दल से भिड़ गयीं है। इस चुनाव को अब दिल्ली वाले केजरीवाल बनाम मोदी बनाम राहुल होते देख रहे हैं। सत्तारूढ़ होने की वजह से जहाँ भाजपा ये चुनाव जीतने के लिए साम-दाम-दंड और भेद का इस्तेमाल कर रही है ,वहीं कांग्रेस भी आम आदमी पार्टी को आस्तीन का सांप मानकर कुचलने में जुटी हुई है। सबसे पहले सत्तारूढ़ दल की बात करते है। इस चुनाव में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा के ऊपर जितने भी हमले किये हैं उनका बचाव प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा से लेकर पार्टी के हर छोटे बड़े नेता को करना पड़ रहा है। संख्याबल और अनुभव के हिसाब से देखें तो भाजपा के समाने आम आदमी पार्टी अभी भी शैशवकाल में है लेकिन उसका हौवा इतना है कि प्रधानमंत्री और गृहमंत्री तक को मैदान में उतरना पड़ा है। पूरे देश में भाजपा और डबल इंजिन की जितनी भी राज्य सरकारें हैं उनके मुख्यमंत्री भी दिल्ली जितने के लिए अपने -अपने कौशल का प्रदर्शन कर रहे है। एक यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जरूर महाकुम्भ हादसे की वजह से दिल्ली नहीं जा पाए। भाजपा ने दिल्ली जीतने के लिए अपने सभी

आजमाए हुए फामूर्ले दिल्ली में भी अपनाये है। भाजपा ने केंद्रीय चुनाव आयोग का खुलकर दुरुपोग किया है। पुलिस का इस्तेमाल किया है। आम आदमी पार्टी पर दबाब बनाने के लिए दिल्ली स्थित पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के घर छापा मरने की कोशिश की है। आम आदमी पार्टी के 7 पूर्व विधायकों के असंतोष का फायदा उठाते हुए उन्हें पार्टी छोड़कर बाहर आने पर मजबूर कर दिया है। अब ये सब भाजपा के लिए काम करेंगे। आम आदमी पार्टी सरकार के मुखिया से लेकर पुराने केजरीवाल मंत्रिमंडल के तीन मंत्रियों को जेल की हवा पहले ही खिलाई जा चुकी है ,यहां तक की आम आदमी पार्टी के राज्य सभा सदस्य संजय सिंह को भी जेल यात्रा करना पड़ी है। अब कांग्रेस की बात करते है। कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी के साथ इंडिया गठबंधन में तालमेल बनाये रखने की बहुत कोशिश की ,लेकिन आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस का लिहाज न मप्र विधानसभा चुनाव में किया और न हरियाणा और महाराष्ट्र में। गुजरात में तो किया ही नहीं ,उलटे दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस से अपने रिश्ते खराब और कर लिये। आम आदमी पार्टी ने भाजपा के भ्रष्ट नेताओं की सूची में लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी को भी जोड़ लिया।आम आदमी पार्टी की इस हरकत के बाद कांग्रेस ने भी आम आदमी पार्टी को आस्तीन का सांप मानकर उसका फन कुचलना शुरू कर दिया है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ही नहीं बल्कि उनकी बहन प्रियंका वाड्रा और पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी अब आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर लगातार हमले कर रहे हैं। कांग्रेस भी भाजपा की तर्ज पर केजरीवाल को महाभ्रष्ट बता रही है। मुख्यमंत्री आवास को शीशमहल बनाने और शराब घोटाले के आरोप लगा रही है। कांग्रेस आम आदमी पार्टी को भाजपा की बी टीम बता रही है। भाजपा ने जहाँ दिल्ली में हिन्दुओं का ध्रुवीकरण करने की कोशिश की है ठीक वैसे ही कांग्रेस ने अल्पसंखयकों को अपने साथ रखने का प्रयास किया है।

दिल्ली में पहली बार विधानसभा का चुनाव साफ तौर पर त्रिकोणीय बना है। दिल्ली में इस बार आम आदमी पार्टी स्पष्ट बहुमत से बहुत दूर खड़ी दिखाई दे रही है। ऐसे में स्थितियां ऐसी बन सकतीं हैं कि आम आदमी पार्टी को सत्ता में बने रहने के लिए या तो एक बार फिर कांग्रेस के समाने समर्पण करना होगा या सचमुच में भाजपा की बी टीम बनकर रहना होगा। ये भी हो सकता है कि यही समस्या भाजपा और कांग्रेस के सामने भी आये। कुल जमा पशोपेश दिल्ली के मतदाता की है। उसे तय करना है कि वो कौन से भ्र्ष्ट दल की सरकार बनाती है ,क्योंकि आम आदमी पार्टी भाजपा और कांग्रेस को महाभ्रष्ट बता चुकी है ,वहीं कांग्रेस और भाजपा ने आम आदमी पार्टी को समवेत स्वर में महाभ्रष्ट कहा है। अर्थात दिल्ली में दूध का धुला कोई दल नहीं है।

आगामी 5 फरवरी को दिल्ली में मतदान है। उसी दिन प्रधानमंत्री दिल्ली जीत की कामना लेकर प्रयागराज में आयोजित महाकुम्भ में डुबकियां लगाने जायेंगे। उन्हें यूपी के मुख्यमंत्री को पापमुक्त करने के लिए भी डुबकी लगना है। रहल गाँधी या उनके परिवार ने अपने आपको महाकुम्भ से मुक्त रखा है। शायद उन्हें न मोक्ष की कामना है और न पापों से मुक्ति की। मुमकिन है कि वे अपने आपको पापी समझते ही न हों। कांग्रेस की सहयोगी समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने तो महाकुम्भ में डुबकी लगा ली है। लेकिन पुण्य लाभ किसे मिलने वाला है इसका पता 8 फरवरी को ही चलेगा।

भारतीय कौशल नारी सब पर भारी

किशन भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारतीय नारी की गाथा बहुत ही सम्मानजनक रूप से गाई जाती है, क्योंकि आदि अनादि काल से ही भारतीय नारी शक्ति की अनेक मान्यता प्राप्त कहानियों कथाओं से भी हमें पता चलता है कि नारी शक्ति की शक्ति तो देवी-देवताओं को भी करनी पड़ी थी, हम तो इस कलयुग में इंसान मात्र हैं। इसलिए हमें चाहिए कि नारी शक्ति का सम्मान कर उनको कार्यबल प्रदान करें जिसको भारत के विकास में प्रमुख इंजन के रूप में चिन्हित कर एक फरवरी 2025 को आने वाले बजट में ऐसी योजनाओं स्कीमों को लाया जाना चाहिए ताकि नारी शक्ति को कार्य बल में उचित भागीदारी मिले और भारत के तेजी से विकसित हो रहे पथ को अधिक तेजी से आगे बढ़ाया जा सके। साथियों बात अगर हम नारी शक्ति को कार्यबल के रूप में चिन्हित करने की करें तो, हमने कई क्षेत्रों में देखे हैं कि नारी कार्यबल अपेक्षाकृत रूप से अधिक सशक्त व प्रभावी रिजल्ट देता है। हम अगर नर नारी के कार्यबल की गुणवत्ता का विश्लेषण करें तो, मेरा मानना है कि नारी बल गुणवत्ता में अधिक कुशल दिखेगा। जिसका मैंने खुद ने ग्राउंड रिपोर्टिंग कर सत्यता परखी है। मैंने अनेक शोरूम ऑफिसेस दवाखाना वकील सीए अनेक प्रोफेशनल जगह कंपनियों में वहां के प्रमुख संचालकों, मैनेजरों अधिकृत व्यवस्थापकों से बात की तो उन्होंने भी नारी कार्यबल को अपेक्षाकृत अधिक सशक्त इमानदार रेगुलर जिम्मेदार जवाबदेही में अवल बताया और नारी कार्यबल को प्राथमिकता देने की बात स्वीकार की, क्योंकि नकारात्मक आदतें नारी कार्यबल में नहीं देखने को मिलती जितनी नर कार्यबल में देखने को मिलती है। उसी तरह नेतृत्व शक्ति में भी नारी कार्यबल अधिक उच्च गुणवत्ता में अग्रणी ही है इसका उदाहरण हमें वैश्विक स्तरपर मूल भारतीय महिलाओं कल्पना चावला कमला हैरिस सहित अनेकों का नाम लिया जा सकता है। साथियों बात अगर हम 1 फरवरी 2025 को आने वाले बजट में नारी शक्ति कार्यबल के एंगल से देखें तो आज इसकी कार्य शक्ति बढ़ाने के लिए अधिक बजट एलोकेशन की आवश्यकता है। कुछ ऐसी योजनाएं, इंसेंटिव, छूट दी जानी चाहिए ताकि नारी कार्यबल को प्राथमिकता दिए जाने पर प्रोत्साहन मिले। वैसे भी हम अभी अनेकों निजी कंपनियों में देखते हैं कि वहां नारी कार्यबल को प्राथमिकता दी जाती है जो वर्तमान समय की जरूरत भी है अब वक्त आ गया है कि नारी शक्ति के कार्य बल को बढ़ाने आरक्षण का बंधन भी तोड़ने की जरूरत है और उच्च कौशल्या के आधार पर नारी कार्यबल की सेवा राजनीतिक, औद्योगिक शैक्षणिक सहित हर क्षेत्र में ली जानी चाहिए। भारतीय कौशल नारी सबपर भारी की थींम को आगे बढ़ाया जाए। साथियों बात अगर हम माननीय पीएम नीति आयोग में प्रसिद्ध अर्थशास्त्रीयों व विशेषज्ञों से बातचीत की करें तो उन्होंने भी,नारी शक्ति को भारत के विकास के प्रमुख इंजन के रूप में चिन्हित किया और कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी को और सक्षम बनाने के साथ-साथ उसे बढ़ावा देने के लिए प्रयास जारी रखने का आग्रह किया।

आज का राशिफल

मेष आज दिन लाभ और तरक?की से भरा होगा और आपके लिए सम्मान प्राप्ति के योग बन रहे हैं।	**तुला** आज दिन शुभ है। अधिकार और संपत्ति में वृद्धि होगी। दूसरों की मदद करेंगे।
वृषभ आपको काफी दौड़भाग करनी पड़ेगी। आपके फैसले आपको फायदा दिलाएंगे।	**वृश्चिक** आज मन परेशान रहेगा। व्यापार में किए गए प्रयास असफल हो सकते हैं।
मिथुन आज फिजूलखर्ची से बचना चाहिए। सामाजिक कामों में रुकावट आएगी। अचानक धन लाभ होगा।	**धनु** आज विद्या और ज्ञान में वृद्धि होगी और आपको धन के मामले में लाभ होगा।
कर्क आज दिन अच्छा रहेगा। मेहनत का फल मिलेगा। बच्चों पर आपका विश्वास बढ़ेगा।	**मकर** आज लाभ का दिन है। लेकिन कुछ बेवजह के खर्चे भी होंगे। ससुराल से सम्मान मिलेगा।
सिंह आज दिन मिला-जुला रहेगा। मानसिक परेशानी, उदासी और बेचैनी हो सकती है।	**कुंभ** नई-नई चीजें सीखेंगे। जरूरत के हिसाब से ही खर्च करें। नौकर-चाकरों का सुख मिलेगा।
कन्या आज दिन साहस से भरा होगा। आपके जरूरी कार्य पूर्ण हो सकते हैं। माता-पिता का सहयोग मिलेगा।	**मीन** आज बच्चों से जुड़ा कोई पुराना विवाद सुलझ जाएगा। लोग आपसे दोस्ती करना चाहेंगे।

विशेष

भारतीय तटरक्षक बल की अनुकरणीय सेवा

जब सेवाएं अनुकरणीय हो जाती हैं तो उनकी प्रशंसा स्वयंमेव होती है। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि भारतीय तटरक्षक बल के स्थापना दिवस पर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय तटरक्षक बल की अद्वितीय सेवा, निष्ठा और समुद्री सुरक्षा में निभाई जा रही उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की खूब सराहना की है। पीएम कहते हैं कि भारतीय तटरक्षक बल देश के विशाल समुद्री तटों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ आपदा प्रबंधन, तस्करी विरोधी अभियानों और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। यह देश की समुद्री सीमाओं का एक अटूट प्रहरी है। इस पर सियासी गलियारे के होनहार तो यही कह रहे हैं कि काश यही अनुकरणीय कार्य करने की शैली राजनीतिक क्षेत्र में भी देखने को मिल जाए तो कैसा रहेगा? तब शायद देश की सीमाओं से लेकर देश के अंदर तक कहीं कोई गड़बड़ ही नहीं हो सकती।

छह साल और खाद्य तेल में देश आत्मनिर्भर

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश का आम बजट 2025-26 पेश किया और बतला दिया कि सरकार को देश की अर्थव्यवस्था के साथ ही तेल और तेल की धार की बहुत ज्यादा चिंता है। इसलिए बजट भाषण के शुरू में ही उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था तरक्की कर रही है और आगे भी करती रहने वाली है। इसके साथ ही वित्त मंत्री ने बजट में खाद्य तेल में आत्मनिर्भरता के लिए छह वर्षीय मिशन का भी ऐलान कर दिया। इसके तहत केंद्र सरकार खाद्य तेल में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए छह साल का एक विशेष मिशन शुरू करेगी।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1788 भारत में प्रशासनिक सुधार के लिए पिट्स रेग्यूलेटरी अधिनियम लागू किया गया. 1808 फ्रांसीसी फौजों ने रोम पर अधिकार कर लिया. 1862 मेकाले ने भारत में उच्च शिक्षा को अंग्रेजी से जोड़ दिया. 1862 शंभुनाथ पंडित उच्च न्यायालय के प्रथम भारतीय न्यायाधीश बने. 1872 हालैंड ने अफ्रीका के गोल्ड कोस्ट में व्यापारिक चौकियां ब्रिटेन को बेच दी. 1878 यूनान ने तुर्की के खिलाफ जंग का ऐलान किया. 1919 पुर्तगाल में राजशाही की घोषणा हुई. 1924 तुर्की की नेशनल असेम्बली ने खलीफा का पद समाप्त किया. 1952 भारत ने टेस्ट क्रिकेट में पहली जीत दर्ज की. 1953 अखिल भारतीय खादी एवं ग्रामीण उद्योग बोर्ड की स्थापना हुई . 1974 कम्युनिस्टों ने कंबोडिया की राजधानी पर बमबारी की जिससे 17 व्यक्ति मारे गए. 1975 इथोपिया की सैनिक सरकार ने इरीट्रिया प्रांत में छापामारों के खिलाफ लड़ाकू विमानों और बख्तरबंद गाड़ियों से कार्रवाई का आदेश दिया.

दैनिक पंचांग

2 फरवरी 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	07.20 बजे से
चंद्र	मीन में	मीन	08.52 बजे से
मंगल	मिथुन में	मेष	10.23 बजे से
बुध	धनु में	वृष	12.03 बजे से
गुरु	वृष में	मिथुन	14.01 बजे से
शुक्र	मीन में	कर्क	16.15 बजे से
शनि	कुंभ में	सिंह	18.31 बजे से
राहु	मीन में	कन्या	20.43 बजे से
केतु	कन्या में	तुला	22.53 बजे से
राहुकाल		वृश्चिक	01.08 ब.से
4.30 से 6.00		धनु	03.24 बजे से
बजे तक		मकर	05.29 बजे से

रविवार 2025 वर्ष का 33 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास माघ **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्थी 09.15 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराभाद्रपदा 00.53 बजे रात्र को समाप्त।
योग शिव 09.14 बजे तदनन्तर सिद्ध 06.06 बजे प्रातः को समाप्त।
करण विष्टि 09.15 बजे तदनन्तर बव 20.04 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 03.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 16° 48'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872243
जूलियन दिन 2460708.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446 **महीना** शाबान
तारीख 03 **विशेष** वसंत पंचमी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

बसंत पंचमी के दिन सरस्वती यंत्र की पूजा किस विधि से करें?

हिंदू धर्म में बसंत पंचमी का पर्व मां सरस्वती को समर्पित है। इस दिन सरस्वती माता की पूजा-अर्चना करने का विशेष महत्व है। अब ऐसे में इस दिम सरस्वती यंत्र की पूजा का महत्व क्या है। सनातन धर्म में बसंत पंचमी मां सरस्वती को समर्पित है। इस दिन इनकी पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति को मां सरस्वती की कृपा प्राप्त हो सकती है और ज्ञान, कला के साथ-साथ सभी कार्यों में निपुणता का आशीर्वाद प्राप्त होता है। इस दिन किताब और कलम की पूजा-अर्चना करने का विधान है। इस दिन संगीत यंत्र भी पूजा की जाती है। अब ऐसे में अगर आप बसंत पंचमी के दिन विद्या और कला की देवी सरस्वती की पूजा कर रहे हैं तो सरस्वती यंत्र की भी पूजा करने से भक्तों को लाभ हो सकता है।

सरस्वती यंत्र की पूजा के लिए सामग्री?

सरस्वती यंत्र, लाल फूल
सफ़ेद फूल, धूप, दीप
अक्षत, रोली, माला, नैवेद्य
गंगाजल, दूध, पंचामृत
पंजीरी भोग के लिए

सरस्वती यंत्र की पूजा किस विधि से करने से करें?

- सबसे पहले सुबह उठकर स्नान आदि से निवृत्त होकर स्वच्छ वस्त्र धारण करें।
- पूजा स्थल को साफ करें और गंगाजल से शुद्ध करें।
- सरस्वती यंत्र को एक लाल कपड़े पर स्थापित करें।
- यंत्र के सामने धूप, दीप, अक्षत, पुष्प, चंदन आदि अर्पित करें।
- गणेश जी का ध्यान करें और उन्हें प्रणाम करें।

- फिर सरस्वती माता का ध्यान करें और उन्हें प्रणाम करें।
- सरस्वती मंत्र का जाप करें। आप ऊंऐं ह्रीं क्लीं महासरस्वत्यै नमः मंत्र का जाप कर सकते हैं।
- सरस्वती यंत्र को गंगाजल और दूध से स्नान कराएं।
- यंत्र पर चंदन, कुमकुम और अक्षत लगाएं।
- यंत्र को पुष्प और माला अर्पित करें।
- धूप और दीप जलाएं।
- सरस्वती कथा का पाठ करें।
- अंत में आरती करें और सभी को प्रसाद वितरित करें।

सरस्वती यंत्र की पूजा का महत्व

सरस्वती यंत्र की पूजा करने से बुद्धि, विद्या, ज्ञान और रचनात्मकता में वृद्धि होती है। यह छात्रों और कलाकारों के लिए विशेष रूप से लाभकारी है। ऐसा कहा जाता है कि अगर किसी व्यक्ति को कार्यक्षेत्र में सफलता नहीं मिल रही है तो सरस्वती यंत्र की पूजा बसंत पंचमी के दिन विशेष रूप से करने से लाभ हो सकता है और छात्रों के लिए यह दिन सबसे महत्वपूर्ण होता है। इसलिए इस दिन सभी छात्र विधिवत रूप से पूजा करें।

श्रद्धा व उल्लास का पर्व वसंत पंचमी

वसंत पंचमी, जिसे सरस्वती जयंती के रूप में भी जाना जाता है, हिंदू परंपरा में गहरा महत्व रखती है क्योंकि इसे देवी सरस्वती की जयंती माना जाता है। देवी लक्ष्मी को समर्पित दिवाली और देवी दुर्गा को समर्पित नवरात्रि की तरह, वसंत पंचमी ज्ञान और ज्ञान की प्रतिष्ठित देवी, सरस्वती की पूजा के आसपास केंद्रित एक उत्सव है। इस शुभ दिन पर, भक्त दिन के हिंदू प्रभाग में दोपहर से पहले के समय, पूर्वाहन के दौरान देवी सरस्वती का सम्मान करते हैं। देवी को सफेद कपड़ों और फूलों से सजाया जाता है, जो पवित्रता का प्रतीक है, क्योंकि सफेद को देवी का पसंदीदा रंग माना जाता है। दूध और सफेद तिल से बनी मिठाइयों का प्रसाद देवी सरस्वती को अर्पित किया जाता है और दोस्तों और परिवार के बीच प्रसाद के रूप में साझा किया जाता है। उत्तर भारत में, वर्ष के इस समय के दौरान खिले हुए सरसों के फूलों और गेंदा फूल की प्रचुरता के कारण पूजा के लिए पीले फूलों को विशेष रूप से चुना जाता है। वसंत पंचमी न केवल धार्मिक अनुष्ठान का दिन है, बल्कि विद्या आरंभ का भी प्रतीक है, एक अनुष्ठान जिसका उद्देश्य छोटे बच्चों को शिक्षा और औपचारिक शिक्षा के दायरे से परिचित कराना है। कई स्कूल और कॉलेज ज्ञान और शैक्षणिक गतिविधियों के महत्व पर जोर देते हुए, उत्सव के हिस्से के रूप में सरस्वती पूजा का आयोजन करते हैं जबकि वसंत पंचमी नाम भारतीय वसंत ऋतु से संबंध का सुझाव दे सकता है, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह दिन जरूरी नहीं कि वसंत के मौसम से जुड़ा हो। कुछ वर्षों में, यह वसंत के दौरान पड़ता है, लेकिन यह लगातार होने वाली घटना नहीं है। परिणामस्वरूप, श्री पंचमी और सरस्वती पूजा जैसे वैकल्पिक नामों को अधिक उपयुक्त माना जाता है, यह स्वीकार करते हुए कि हिंदू त्योहार विशिष्ट मौसमों से सख्ती से बंधे नहीं हैं।

प्रेरणादायी हैं मां सरस्वती का स्वरूप

वसंत पंचमी हिन्दू पंचांग के अनुसार माघ शुक्ल की पंचमी को मनाई जाती है। देवी भागवत में उल्लेख है कि माघ शुक्ल पक्ष की पंचमी को ही संगीत, काव्य, कला, शिल्प, रस, छंद, शब्द व शक्ति की प्राप्ति जीव को हुई थी। सरस्वती को प्रकृति की देवी की उपाधि भी प्राप्त है।

- पद्मपुराण में मां सरस्वती का रूप प्रेरणादायी है।
- शुभ्रवस्त्र धारण किए हैं और उनके चार हाथ हैं जिनमें वीणा, पुस्तकमाला और अक्षरमाला है। उनका वाहन हंस है।
- शुभवस्त्र मानव को प्रेरणा देते हैं कि अपने भीतर सत्य, अहिंसा, क्षमा, सहनशीलता, करुणा, प्रेम व परोपकार आदि सद्गुणों को बढ़ाएं और क्रोध, मोह, लोभ, मद, अहंकार आदि का परित्याग करें।
- दो हाथों में वीणा ललित कला में प्रवीण होने की प्रेरणा देती है।
- जिस प्रकार वीणा के सभी तारों में सामंजस्य होने से मधुर संगीत निकलता है वैसे ही मनुष्य अपने जीवन में मन व बुद्धि का सही तालमेल रखे।
- सरस्वती का वाहन हंस विवेक का परिचायक है।

वसंत पंचमी कैसे मनाई जाती है

वसंत पंचमी विभिन्न अनुष्ठानों और गतिविधियों के माध्यम से मनाई जाती है जिनका सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है। इस त्यौहार से जुड़े मुख्य अनुष्ठान इस प्रकार हैं -

घर पर सरस्वती पूजा

परिवार देवी सरस्वती को प्रार्थना समर्पित करते हुए घर पर सरस्वती पूजा का आयोजन करते हैं। अनुष्ठानों में अध्ययन, कला, शिल्प, खेल और अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए प्रार्थना करना शामिल है।

पतंग उड़ाना

वसंत पंचमी के दौरान पतंग उड़ाना एक लोकप्रिय गतिविधि है, जो उत्सव में एक उत्सव और खुशी का तत्व जोड़ती है।

सफेद और पीले कपड़े पहनना

लोग पारंपरिक रूप से इस दिन सफेद और पीले कपड़े पहनते हैं, जो पवित्रता और समृद्धि का प्रतीक है। विशेष रूप से सरसों की फसल की कटाई के समय से जुड़े होने के कारण पीला रंग विशेष महत्व रखता है।

सरसों और गेंदे के फूल चढ़ाना

भक्त पूजा अनुष्ठान के हिस्से के रूप में देवी सरस्वती को सरसों और गेंदे के फूल चढ़ाते हैं।

बच्चों के लिए विद्या आरंभ

वसंत पंचमी छोटे बच्चों को विद्या आरंभ के अनुष्ठान के माध्यम से शिक्षा की दुनिया में आरंभ करने के लिए महत्वपूर्ण है।

स्कूलों और कॉलेजों में सरस्वती पूजा

कई शैक्षणिक संस्थान शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए आशीर्वाद मांगने के लिए सरस्वती पूजा का आयोजन करते हैं। पूजा के बाद, छात्रों और उनके परिवार के सदस्यों को प्रसाद दिया जाता है, उसके बाद उत्सव का भोजन किया जाता है।

नए उद्यम शुरू करना

नए उद्यम शुरू करने, विशेषकर शैक्षणिक संस्थानों और कॉलेजों का उद्घाटन करने के लिए यह दिन शुभ माना जाता है।

मृत परिवार के सदस्यों के लिए पितृ तर्पण

जीवन और ज्ञान का जश्न मनाने के अलावा, कुछ परिवार पितृ तर्पण भी करते हैं, जो मृत परिवार के सदस्यों को सम्मान देने और याद रखने का एक अनुष्ठान है।

साड़ी पहनना

वसंत पंचमी पर साड़ी पहनना एक आम बात है, जो उत्सव में पारंपरिक स्पर्श जोड़ती है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

स्कूल और कॉलेज अक्सर इस दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं, प्रतिभाओं का प्रदर्शन करते हैं और सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाते हैं।

वसंत पंचमी सरस्वती पूजा विधि और शुभ मुहूर्त

वसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती हाथों में पुस्तक, विणा और माला लिए श्वेत कमल पर विराजमान हो कर प्रकट हुई थीं, इसलिए इस दिन मां सरस्वती की विषेश पूजा-अर्चना की जाती है। साथ ही वसंत पंचमी से ही वसंत ऋतु की शुरुआत होती है।

पंचांग के अनुसार प्रत्येक वर्ष माघ माह में शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि पर वसंत पंचमी का पर्व मनाया जाता है। यह पर्व मुख्य रूप से ज्ञान, विद्या, संगीत और कला की देवी मां सरस्वती को समर्पित है। इस दिन देवी सरस्वती का जन्म हुआ था। मान्यता है कि वसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती हाथों में पुस्तक, विणा और माला लिए श्वेत कमल पर विराजमान हो कर प्रकट हुई थीं, इसलिए इस दिन मां सरस्वती की विषेश पूजा-अर्चना की जाती है। साथ ही वसंत पंचमी से ही वसंत ऋतु की शुरुआत होती है। शास्त्रों के अनुसार वसंत पंचमी के दिन मां सरस्वती की पूजा करने से मां लक्ष्मी और देवी काली भी प्रसन्न होती हैं। 2025 में सरस्वती पूजा यानी वसंत पंचमी की तिथि, पूजा का मुहूर्त और संपूर्ण पूजन विधि...

वसंत पंचमी 2025 की तिथि

साल 2025 में पंचमी तिथि 2 फरवरी को सुबह 9.14 मिनट पर शुरू होगी और 3 फरवरी को सुबह 6.52 मिनट पर समाप्त होगी। उदया तिथि के अनुसार, वर्ष 2025 में बसंत पंचमी 2 फरवरी को मनाई जाएगी।

पूजा का शुभ मुहूर्त

2 फरवरी को मां सरस्वती की कृपा से ज्ञान और बुद्धि की प्राप्ति के लिए पूरे दिन शुभ मुहूर्त है। विशेष रूप से सुबह 7.09 बजे से दोपहर 12.35 बजे तक का समय पूजा के लिए अति उत्तम है।

सरस्वती पूजा वाले दिन ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 5.24 बजे से 6.16 बजे तक है।

अभिजीत मुहूर्त - दोपहर 12.13 बजे से 12.57 बजे तक रहेगा।

विजय मुहूर्त - दोपहर 2.24 बजे से 3.07 बजे तक होगा।

अबूझ मुहूर्त - 2 फरवरी को सरस्वती पूजा के लिए 5 घंटे 26 मिनट का शुभ मुहूर्त है। आप सुबह 7.09 बजे से दोपहर 12.35 बजे के बीच कभी भी पूजा कर सकते हैं। दरअसल, सरस्वती पूजा के लिए पूरा दिन शुभ माना जाता है, इसलिए आप दिन में किसी भी समय पूजा कर सकते हैं।

सर्वार्थ सिद्धि योग - इस बार सरस्वती पूजा के पावन अवसर पर सर्वार्थ सिद्धि योग का संयोग बन रहा है। देवी सरस्वती की कृपा से यह योग सुबह 7.09 बजे से देर रात 12.52 बजे तक रहेगा। इस शुभ मुहूर्त में किए गए सभी शुभ कार्य सफलता के साथ संपन्न होंगे।

रवि योग - रात 12.52 बजे से शुरू होकर 3 फरवरी को सुबह 7.08 बजे तक रहेगा।

सिद्ध योग - सुबह 9.14 बजे के बाद शुरू होगा और 3 फरवरी को सुबह 6.06 बजे तक रहेगा।

उत्साह और विवेक का प्रतीक माना जाता है पीला रंग

वसंत पंचमी के पर्व पर वैसे भी चटख पीला रंग उत्साह और विवेक का प्रतीक माना जाता है। इसके साथ सफेद रंग से जुड़ी शांति भी शामिल हो जाती है। इस दिन खास तौर पर कई घरों में रंगोली सजाई जाती है। कुछ लोगों के यहां केसर वाले पीले रंग के मीठे चावल खास इसी दिन बनाएं जाते है। कई परिवारों में आज भी वसंत पंचमी के दिन एक-दूसरे के घरों में मीठे चावल और केले भेंट किए जाते हैं। कई परिवारों द्वारा मंदिरों में हलवा और मिठाई दान करने की परंपरा है। वसंत ऋतु के साथ होली के आगमन की दस्तक और सरस्वती पूजा का यह पर्व पुराने समय से ही युवाओं के लिए उत्साह वाला रहा है। ग्रामीण इलाकों में अपने खेतों में गेहूं, मटर, चना और दूसरी तरह की लहलहाती हरी-भरी फसलों को देखकर किसानों के मन प्रफुल्लित हो जाते हैं। खेतों में दूर-दूर तक धानी-सरसों के फूलों की पीली चादर बरबस मन को मोह लेती है। कोहरे और ओस से भीगी मिट्टी और रंगबिरंगे फूलों की मिली-जुली भीनी खुशबू अपनी ओर खींचती है। ऐसे समय में हर किसी का मन बिना मचलें नहीं रह सकता। ऐसा नजारा देखकर किसी भी कवि मन से श्रृंगार रस की एक से एक मनभावन कविताएं फूट पड़ना आम बात है। इस दिन हजारों युवा विवाह के बंधन में बंध जाएंगे। पंचांग के अनुसार हिंदू धर्म में नवंबर के बाद शादियों पर प्रतिबंध लग जाता है पर वसंत पंचमी के दिन से शादियां फिर से शुरू हो जाती हैं।

बसंत पंचमी पर मां सरस्वती को अर्पित करें 11 सफेद और पीली शुभ सामग्री

2 फरवरी को वसंत पंचमी मनाई जाएगी। हिन्दू कैलेंडर के अनुसार माघ माह की शुक्ल पंचमी को बसंत पंचमी के रूप में माता सरस्वती का जन्मोत्सव और मदनोत्सव बनाया जाता है। इस दिन माता सरस्वती की पूजा होती है। आओ जानते हैं कि माता सरस्वती को कौनसी सी 11 सफेद और पीली शुभ सामग्री अर्पित करना चाहिए।

- **पीले और सफेद फूल** : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती को पीले या सफेद फूल अर्पित करें।
- **पीले और सफेद वस्त्र** : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती को पीले या सफेद वस्त्र अर्पित करें। इस पूजा करते समय पीले वस्त्र पहनान चाहिए।
- **पीले या सफेद पेड़े या मिठाई** : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती को पीले या सफेद पेठे अर्पित करें।
- **केला** : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती को केला अर्पित करें।
- **बूंदी** : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती को बूंदी अर्पित करें।
- **पीले चावल** : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती को केसर मिश्रित पीले चावल अर्पित करने से वह प्रसन्न होती हैं।
- **श्वेत चंदन** : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती की श्वेत चंदन से पूजा की जाती है।
- **मधु** : शहद अर्पित करें।
- **गन्ना और गन्ने का रस** : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती को गन्ना और गन्ने का रस भी अर्पित करें।
- **दूध, दही और मक्खन** : बसंत पंचमी पर माता सरस्वती को दूध, दही और मक्खन अर्पित करें।
- **अन्य सामग्री** : धान का लावा, सफेद तिल के लड्डू, पका हुआ गुड़, श्वेत अलंकार, खोवे का श्वेत मिष्टान, अदरक, मूली, शर्करा, सफेद धान के अक्षत, तण्डुल, शुक्ल मोदक, धृत, सैन्धवयुक्त हविष्यान्न, यवचूर्ण या गोधूमचूर्णका धृतसंयुक्त पिष्टक, पके हुए केले की फली का पिष्टक, नारियल, नारियल का जल, श्रीफल, बदरीफल, ऋतुकालोभ्दव पुष्प फल आदि। पूजा में पेन, कॉपी, किताब, वाद्य यंत्र आदि को शामिल करना चाहिए।

विदेशों में भी पूज्य हैं मां सरस्वती

बसंत पंचमी का पर्व धार्मिक उत्सव का दिन है। इस दिन देवी सरस्वती की आराधना विशेष रूप से की जाती है। देवी मां सरस्वती के बारे में कहा जाता है कि ये मूर्ख को भी विद्वान बना सकती हैं। देवी सरस्वती हिंदू धर्म की एक प्रमुख देवी है, जिसे ज्ञान और विद्या की देवी माना गया है। वसंत पंचमी का दिन मां सरस्वती, माता शारदा, देवी वाग्देवी, भारती, वीणावादिनी आदि नामों से पूजित इस विख्यात देवी की पूजा व सामाजिक कार्यक्रम माना जाता है।

इस बात में कोई संदेह नहीं है कि ज्ञान की पूजा का महत्व हमारी भारतीय संस्कृति में सदियों से है और यह आगे भी जारी रहेगा। यही कारण है कि दुनिया के लगभग हर देश में ज्ञान की देवी और देवताओं परिकल्पना की गई है। उसे कताई-बुनाई, संगीत, चिकित्सा शास्त्र और गणित सहित रोजमर्रा के कार्यो में निपुणता की देवी माना गया है।

कहां-कहां होती हैं देवी सरस्वती की पूजा - पुराणों के अनुसार सदियों के देवी सरस्वती की पूजा भारत और नेपाल तथा विदेश में होती आ रही है। देवी सरस्वती को बर्मा (म्यांमार) में थुयथदी, सूरस्सती और तिपिटका मेदा, चीन में बियानचाइत्यान, जापान में बेंजाइतेन और थाईलैंड में सुरसवदी के नाम से जाना जाता है। मां देवी सरस्वती की आराधना केवल भारत और नेपाल में ही नहीं, बल्कि चीन, थाईलैंड, जापान, इंडोनेशिया, बर्मा (म्यांमार) और अन्य कई देशों में भी होती है। प्राचीन ग्रीस में एथेंस शहर की संरक्षक देवी एथेना को ज्ञान, कला, साहस, प्रेरणा, सभ्यता, कानून-न्याय, गणित, जीत की देवी माना गया. जापान की लोकप्रिय देवी बेंजाइतेन को हिंदू देवी सरस्वती का जापानी संस्करण कहा जाता है। इस देवी के नाम पर जापान में कई मंदिर हैं। जर्मनी में जहां इन्हें स्नोत्र को ज्ञान, सदाचार और आत्मनियंत्रण की देवी माना गया है, वहीं फ्रांस, स्पेन, इंग्लैंड, बेल्जियम, ऑस्ट्रिया सहित कई यूरोपीय देशों में ज्ञान और शिल्प की देवी के रूप में मिनर्वा का स्मरण किया जाता है।

देवी का स्वरूप- माघ शुक्ल पंचमी, जिसे वसंत पंचमी भी कहते हैं, उस दिन देवी सरस्वती की आराधना विशेष रूप से की जाती है। धार्मिक ग्रंथों में माता सरस्वती के रूप-रंग को शुक्लवर्णा और श्वेत वस्त्रधारिणी बताया गया है, जो वीणावादन के लिए तत्पर तथा श्वेत कमल पुष्प पर आसीन रहती हैं। देवी सरस्वती को 'वाणी की देवी' के नाम से संबोधित किया जाता है तथा 'वागेश्वरी' और हाथों में वीणा होने के कारण इन्हें 'वीणापाणि' नाम भी दिया गया है।

मां सरस्वती के जन्मोत्सव का दिन- बसंत पंचमी के दिन देवी सरस्वती माता की पूजा की प्रथा सदियों दुनिया भर में चली आ रही है। मान्यतानुसार सृष्टि के निर्माण के समय देवी सरस्वती बसंत पंचमी के दिन प्रकट हुई थीं, इसी वजह से बसंत पंचमी को मां सरस्वती के जन्मदिन के रूप में मनाया जाता है तथा उनकी अलग-अलग नामों से भारत और देश-विदेश में पूजा-अर्चना की जाती है।

यूरोप का बजा हुआ है बाजा, चीन अपने में उलझा, भारत को बदलनी होगी अपनी पॉलिसी?

नईदिल्ली, एजेंसी। आर्थिक सर्वेक्षण ने भारतीय निर्यात के भविष्य पर अहम बात कही है। 31 जनवरी को जारी सर्वे के अनुसार, आने वाले सालों में भारत की इकनॉमिक ग्रोथ बाहरी के बजाय घरेलू फैक्टर्स पर ज्यादा निर्भर करेगी। दुनियाभर में व्यापार की तेज रफ्तार अब थम रही है। इसलिए भारत को अपनी विदेश व्यापार नीति में बदलाव लाने होंगे।

यूरोप कई राजनीतिक और आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है। जर्मनी, जो यूरोप की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, लगातार दो सालों से मंदी का सामना कर रही है। इस साल फरवरी में होने वाले चुनावों के कारण राजनीतिक अस्थिरता और बढ़ गई है। फ्रांस में भी हालिया चुनावों के बाद राजनीतिक उथल-पुथल है। ब्रिटेन में नई सरकार आई है। लेकिन, लेबर पार्टी को वित्तीय चुनौतियों और आर्थिक मंदी का सामना करना पड़ रहा है। कुल मिलाकर, यूरोप पर अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता बनाए रखने का दबाव है। रिन्यूएबल एनर्जी की ओर बढ़ने से ऊर्जा की बढ़ती लागत इस दबाव को और बढ़ा रही है। इन मुद्दों का ग्लोबल अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा है। फेडरल रिजर्व बैंक ऑफ डलास के वैश्विक आर्थिक गतिविधि सूचकांक में यह साफ दिख रहा है। महामारी के बाद से इस सूचकांक में उतार-चढ़ाव आया है। 2023 के अंत तक इसमें गिरावट आई है।

महामारी के बाद चीन की अर्थव्यवस्था फिर से खुली, लेकिन अपेक्षित तेजी नहीं आई। इसके बजाय उत्पादन क्षमता से अधिक उत्पादन और रियल एस्टेट क्षेत्र में वित्तीय दबाव जैसी समस्याएं और गहरा गई हैं। कमजोर मांग के कारण अर्थव्यवस्था में मंदी (डिफ्लेशन) देखी जा रही है।

घरेलू खपत बढ़ाने के लिए कोई ठोस नीतिगत कदम नहीं उठाए गए हैं। इस कारण अतिरिक्त उत्पादन को बाहरी बाजारों में भेजा जा रहा है। नतीजतन, चीनी निर्यात अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। 2024 में चीन का ट्रेड सरप्लस लगभग एक ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया। हाल ही में अमेरिकी डॉलर के मूल्य में बढ़ोतरी हुई है। फेडरल रिजर्व की ओर से अपनी नीतिगत ब्याज दरों के अनुमान में बदलाव के कारण उभरते बाजारों की करेंसी का मूल्य गिरा है। यह गिरावट राजकोषीय दबाव और ऐतिहासिक रूप से कम वास्तविक ब्याज दरों के कारण है। इसके चलते कुछ मुद्राओं का मूल्य अन्य मुद्राओं की तुलना में तेजी से गिरा है। जैसे-जैसे वित्तीय बाजार महंगाई, भविष्य की नीतिगत ब्याज दरों और राजकोषीय नीतियों की दिशा के बारे में अपने अनुमानों को समायोजित कर रहे हैं, सरकारी उधारी की लागत बढ़ रही है। दुनियाभर के कई शेयर बाजार अभी ऊंचे स्तर पर हैं। आर्थिक विकास और कमाई को लेकर अनिश्चितताओं के बावजूद निवेशक बेफिक्र दिख रहे हैं।

सूबी के प्रस्ताव: पंजीकृत मध्यस्थों को सुरक्षित यूपीआई पेमेंट के लिए 'पे राइट' विकल्प

5 लाख तक हो दैनिक भुगतान

नईदिल्ली, एजेंसी। बाजार नियामक सेबी ने यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से प्रतिभूति बाजार में सुरक्षित और कुशल भुगतान सुनिश्चित करने के लिए नई व्यवस्था 'पे राइट'का प्रस्ताव दिया। सेबी ने पंजीकृत बाजार मध्यस्थों को एक विशिष्ट अल्फान्यूमेरिक यूपीआई आईडी बनाने का सुझाव दिया है। इससे निवेशकों के लिए यह पुष्टि करना आसान हो जाएगा कि वे सिर्फ पंजीकृत संस्थाओं को ही भुगतान कर रहे हैं।

सेबी ने साथ ही पूंजी बाजार लेनदेन के लिए यूपीआई भुगतान सीमा दो लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपये प्रतिदिन करने का प्रस्ताव दिया है। एनपीसीआई के परामर्श से समय-समय पर इसका मूल्यांकन किया जाएगा। सेबी ने इन प्रस्तावों पर 21 फरवरी तक जनता की टिप्पणियां मांगी हैं। सेबी ने 2019 से बाजार में भुगतान के तरीके के रूप में यूपीआई को लागू किया है। हालांकि, अपंजीकृत संस्थाओं की ओर से निवेशकों को गुमराह करने और धोखाधड़ी से धन एकत्र करने का मामले बढ़ते जा रहे हैं। इस समस्या के समाधान के लिए खास अल्फान्यूमेरिक यूपीआई आईडी बनाने का प्रस्ताव दिया है।

इससे निवेशकों को उन अपंजीकृत संस्थाओं की पहचान करने, उन्हें अलग करने और बचने में मदद मिलेगी जिनकी इस विशिष्ट यूपीआई हैंडल तक पहुंच नहीं होगी।

सेबी के प्रस्ताव के मुताबिक, सत्यापित मध्यस्थों को भुगतान किए जाने पर हरे रंग के त्रिकोण के अंदर एक विशेष 'थम्सअप' चिह्न दिखाई देगा। यदि चिह्न गायब है, तो यह निवेशकों को अनधिकृत संस्थाओं को भुगतान करने के संभावित जोखिमों के बारे में चेतावनी देगा। इस प्रणाली के क्रियान्वयन की लागत कम होने की उम्मीद है, क्योंकि इसमें सेबी, एनपीसीआई, बैंकों और पंजीकृत मध्यस्थों के बीच गठजोड़ शामिल है। 'पे राइट' से मजबूत होगा निवेशकों का विश्वास...सेबी प्रमुख ने 'पे राइट' पहल के बारे में बताया कि यह निवेशकों को मजबूत केवाईसी के माध्यम से उस यूपीआई आईडी की प्रामाणिकता को सत्यापित करने में सक्षम बनाएगी जिस पर वे पैसे ट्रांसफर कर रहे हैं।

लेदर स्कीम के जरिए 22 लाख नए रोजगार, खिलौनों के लिए ग्लोबल हब बनाएगा भारत

नईदिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट 2025 में लेबर इंटेंसिव सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए एक प्रोत्साहन योजना की घोषणा की। इसके तहत, फुटवियर और लेदर उद्योग के लिए विशेष स्कीम लाई जाएगी, जिससे 22 लाख नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।साथ ही, सरकार ने यह भी ऐलान किया कि भारत को खिलौनों के क्षेत्र में एक ग्लोबल हब बनाने के लिए कदम उठाए जाएंगे, जिससे देश की उत्पादन क्षमता और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

असम में नया यूरिया प्लांट खोला जाएगा- वित्त मंत्री ने असम में नए यूरिया प्लांट की स्थापना का ऐलान किया, जो कृषि क्षेत्र में उर्वरक की आपूर्ति को बढ़ाएगा और किसानों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करेगा।

कॉटन की उत्पादकता बढ़ाने के लिए 5 साल का स्पेशल मिशन- कपास उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष पांच साल की योजना बनाई जाएगी, जिससे किसानों को नई तकनीकों और संसाधनों की मदद से उत्पादन में वृद्धि होगी। वित्त मंत्री ने भारत पोस्ट को एक बड़ा लॉजिस्टिक संस्थान बनाने की योजना का खुलासा किया, जिससे देश भर में सामान की आवाजाही को और सुगम बनाया जाएगा और लॉजिस्टिक क्षेत्र में नए अवसर सृजित होंगे।

8.5 लाख से अधिक रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन पूरे, भारत का लक्ष्य 2047 तक 1,800 जीडब्ल्यू

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की प्रमुख सौर ऊर्जा पहल पीएम सूर्य घर ने 8.5 लाख से अधिक रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन पूरे कर लिए हैं। इस पहल का लक्ष्य 1 करोड़ घरों को सौर ऊर्जा से लैस करना है। यह जानकारी केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने एफआईसीसीआई के 3rd इंडिया एनर्जी ट्रांजिशन समिट में दी। उन्होंने कहा कि सरकार 2030 तक 500 जीडब्ल्यू और 2047 तक 1,800 जीडब्ल्यू नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने की योजना पर काम कर रही है। यह पहल नीतिगत समर्थन और वित्तीय सहायता के साथ भारत को स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन में वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करने में मदद करेगी।

तेजी से बढ़ रही है नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता-मंत्री ने बताया कि 2014 में 75 जीडब्ल्यू से बढ़कर भारत की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 220 जीडब्ल्यू से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा, भारत ऊर्जा सुरक्षा, वित्तीय संसाधनों और स्थिर नीतियों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। हम दुनिया में नवीकरणीय ऊर्जा के सबसे बड़े खिलाड़ी बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। हम 2030 तक 500 जीडब्ल्यू का महत्वाकांक्षी लक्ष्य लेकर चल रहे हैं और नेट ज़ीरो की यात्रा को तेज करने के लिए सरकार का पूरा सहयोग कर रहे हैं। एफआईसीसीआई पावर कमेटी के चेयरमैन विपुल तुली ने कहा, ऊर्जा परिवर्तन अब भारत की आर्थिक प्रतिस्पर्धा, ऊर्जा सुरक्षा और निवेश अवसरों का एक मुख्य मुद्दा बन गया है। समिट में एफआईसीसीआई की रिपोर्ट जारी की गई। रिपोर्ट पेश करते हुए BCG के मैनेजिंग डायरेक्टर और पार्टनर विशाल मेहता ने बताया, भारत में पवन ऊर्जा परियोजनाएं महत्वपूर्ण बन रही हैं क्योंकि ऊर्जा की मांग शाम और रात में अधिक होती है। भारत को 50 जीडब्ल्यू सालाना नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने के लिए हर साल लगभग 1.5-2 लाख करोड़ ऋण और 75,000-80,000 करोड़ इक्विटी निवेश की आवश्यकता होगी। एफआईसीसीआई द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय समिट में सरकारी अधिकारी, उद्योग जगत के नेता, वित्तीय संस्थान और टेक्नोलॉजी इनोवेटर्स शामिल हुए।

पीएमएवाई-शहरी के तहत 1.18 करोड़ घरों को दी गई मंजूरी, अब तक 89 लाख बने

नईदिल्ली, एजेंसी। आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 में कहा गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना - शहरी (पीएमएवाई-यू) के लाभार्थियों को कुल 1.18 करोड़ घरों को मंजूरी दी गई है। सरकार ने शहरी क्षेत्रों में स्थायी आवास उपलब्ध कराने के लिए 2015 में पीएमएवाई-यू की शुरुआत की थी। सितंबर 2024 में, अतिरिक्त एक करोड़ परिवारों की सहायता के लिए पीएमएवाई-यू 2.0 की शुरुआत की गई।

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए बजट-पूर्व दस्तावेज में कहा गया है, 25 नवंबर, 2024 तक कुल 1.18 करोड़ घरों को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 1.14 करोड़ घरों की नींव रखी जा चुकी है और 89 लाख से अधिक घरों का निर्माण पूरा हो चुका है। वर्तमान में, 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने पीएमएवाई-यू 2.0 को लागू करने के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें वित्त वर्ष 2025 में 6 लाख घरों के लिए मंजूरी दी गई है।

देश के 29 शहरों में मेट्रो रेल और रैपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम चालू

वहीं शहरी बुनियादी ढांचे पर विवरण साझा करते हुए, दस्तावेज ने आगे कहा कि भारत भर के 29 शहरों में मेट्रो रेल और रैपिड रेल ट्रांजिट सिस्टम चालू हैं या निर्माणाधीन हैं, जिनमें से 23 शहरों में वर्तमान में 1,010 किलोमीटर चालू हैं और अतिरिक्त 980 किलोमीटर का काम चल रहा है।

5 जनवरी, 2025 तक, वित्त वर्ष 25 में 62.7 किलोमीटर चालू हो गए थे, और दैनिक सवारियों की संख्या 10.2 मिलियन तक पहुंच गई थी। इन प्रणालियों ने उत्सर्जन, समय, वाहन परिचालन लागत, दुर्घटनाओं और बुनियादी ढांचे के रखरखाव में काफी बचत की है।

मखाना किसानों के लिए खुशखबरी, सरकार ने किया बड़ा ऐलान

नईदिल्ली ,एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में बिहार के मखाना किसानों के लिए बड़ा ऐलान किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की कि मखाना के उत्पादन, प्रोसेसिंग, वैल्यु एडिशन और मार्केटिंग में सुधार के लिए बिहार में मखाना बोर्ड की स्थापना की जाएगी। इस काम में लगे लोगों को एफपीओ के रूप में संगठित किया जाएगा।

पीएम धन धान्य कृषि योजना शुरू करेगी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, पीएम धन धान्य कृषि योजना कृषि जिलों का विकास कार्यक्रम है। हमारी सरकार राज्यों के साथ साझेदारी में पीएम धन धान्य कृषि योजना शुरू करेगी। मौजूदा योजनाओं और विशेष उपायों के अभिसरण के माध्यम से, कार्यक्रम कम उत्पादकता, मध्यम फसल तीव्रता और औसत से कम ऋण मापदंडों वाले 100 जिलों को कवर करेगा। इसका उद्देश्य सांस्कृतिक उत्पादकता को बढ़ाना है।

मखाना के उत्पादन पर रहेगा फोकस

वित्त मंत्री ने कहा, बिहार के लोगों के लिए एक विशेष अवसर है। मखाना के उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और विपणन में सुधार के लिए राज्य में एक मखाना बोर्ड की स्थापना की जाएगी। वित्त मंत्री ने केंद्रीय बजट 2025-26 पेश करते हुए कहा, मखाना किसानों को सहायता और प्रशिक्षण सहायता और यह सुनिश्चित करने के लिए भी काम किया जाएगा कि उन्हें सभी प्रासंगिक सरकारी योजनाओं का फायदा मिले।

ऑस्ट्रेलिया की विशेषज्ञता मिलेगी भारतीय प्रोफेशनल्स को, सीपीए से हो गया समझौता

नईदिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी प्रोफेशनल अकाउंटिंग संस्थाओं में से एक है सीपीए ऑस्ट्रेलिया। इस संगठन ने एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया के साथ गठबंधन किया है। इस सहयोग से दोनों संगठनों के बीच सहयोग बढ़ेगा, दोनों देशों के बीच विशेषज्ञता का आदान-प्रदान होगा साथ ही नई पीढ़ी को नई दृष्टि मिलेगी।

उद्योग संगठन एसोचैम की अगुवाई में यहां ''एक्सेलेरेटेड वैल्यू क्रिएशन फॉर सस्टेनेबल ग्रोथः इमर्जिंग क्रॉस-बॉर्डर ट्रेंड्स, लोकल इश्यूज़, एंड सॉल्यूशंस अहेड'' विषय पर एक ग्लोबल समिट का आयोजन किया गया था। इस समिट में उद्योग के प्रमुख नेतृत्वकर्ता, नीतिनिर्माता, और विशेषज्ञ विदेशी निवेश, गवर्नेंस, और उभरते वित्तीय परिदृश्य पर रणनीतियों की चर्चा करने के लिए एकत्रित हुए। इसी दौरान यह एमओयू हुआ।

कौन-कौन शामिल हुए

इस समिट में सीपीए ऑस्ट्रेलिया और एसोचैम के वरिष्ठ नेतृत्वकर्ताओं, जैसे एफसीपीए (ऑस्ट्रेलिया) के ग्लोबल प्रेसिडेंट एवं चेयर ऑफ द बोर्ड प्रोफेसर डेल पिंटो और सीईओ क्रिस फ्रीलैंड एएम ने हिस्सा लिया। इसमें एसोचैम का प्रतिनिधित्व इसके सेक्रेटरी जनरल मनीष सिंघल, संगठन में नेशनल काउंसिल फोर कॉरपोरेट अफेयर्स, कंपनी लॉ एवं कॉर्पोरेट गवर्नेंस की चेयरपर्सन प्रीति मल्होत्रा और नेशनल टास्क फोर्स फॉर एकाउंटिंग स्टैंडर्ड्स, सस्टेनेबिलिटी एकाउंटिंग, एवं इंटीग्रेटेड फाईनेंशल रिपोर्टिंग के चेयरपर्सन सीए (डॉ.) अशोक हल्दिया शामिल हुए।

दो पैनल डिस्कशन

इस समिट में दो हाई-इंपैक्ट पैनल डिस्कशन का आयोजन हुआ। ये डिस्कशन क्रॉस बॉर्डर मर्जर एंड एक्विज़िशंस (एमएंडए) तथा वैल्यू क्रिएशन के लिए निवेश पर केंद्रित थे। इनमें विकसित होती गवर्नेंस, रिस्क एवं कंप्लायंसेज़ प्रैक्टिसेज़ द्वारा फ्यूचर-रेडी अर्थव्यवस्था के निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया गया। इन डिस्कशंस के दौरान एकाउंटिंग सेक्टर में एफिशियंसी लाने में टेक्नोलॉजी की बढ़ती भूमिका पर जोर दिया गया, तथा दीर्घकालिक आर्थिक विकास सुनिश्चित करने में रिस्क मैनेजमेंट और गवर्नेंस के महत्व के बारे में बताया गया। प्रतिभागियों ने उभरती हुई चुनौतियों से निपटने के लिए ज्यादा सहयोग तथा जटिल होते ग्लोबल बिज़नेस के वातावरण में अनुकूलन की जरूरत पर हुई चर्चाओं में हिस्सा लिया।

नॉलेज शेयरिंग भी होगा

उद्योग की साझेदारियों को मजबूत बनाने और नॉलेज शेयरिंग की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए सीपीए ऑस्ट्रेलिया ने एक मैमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर दस्तखत करके एसोचैम के साथ अपना गठबंधन मजबूत किया। इस एमओयू पर सीपीए ऑस्ट्रेलिया की तरफ से क्रिस फ्रीलैंड और एसोचैम की तरफ से मनीष सिंघल ने हस्ताक्षर किए। इस एमओयू का उद्देश्य विशेषज्ञता का आदान-प्रदान करना, क्षमता-निर्माण की पहलों को बढ़ावा देना, और प्रोफेशनल्स को फ्यूचर-रेडी स्किल्स के विकास के अवसर प्रदान करना है। यह पार्टनरशिप इनोवेशन लाने, प्रोफेशनल्स को उनके करियर के विकास में सहयोग देने, तथा वैश्विक सर्वश्रेष्ठ विधियों के साथ तालमेल बनाने की साझा प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करती है।

सिर्फ 500 रुपये से शुरू किया काम, अब लाखों की कमाई

नईदिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र के अमरावती जिले के रहने वाले अनंत ठाकरे ने अपनी मेहनत से छोटे से चाय के ठेले से अपनी जिंदगी बदल दी। कभी प्राइवेट नौकरी में कम वेतन और लंबे काम के घंटों से जूझते हुए अनंत ने सिर्फ 500 रुपये से फ्रेंड्स चाय नाम का ठेला शुरू किया। आज, वह इसी ठेले से महीने में 90 हजार रुपये तक कमा रहे हैं। वीएमवी कॉलेज के पास यह ठेला संघर्ष, जुझारूपन और आत्मनिर्भरता की मिसाल बन गया है। आइए, यहां अनंत ठाकरे की सफलता की कहानी के बारे जानते हैं।

पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ी

अनंत ठाकरे की कहानी प्रेरणा देने वाली है। कम वेतन वाली नौकरी छोड़कर उन्होंने खुद का व्यवसाय शुरू करने का साहस दिखाया। उनके पास जमीन नहीं थी। परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर थी। उनकी बीकॉम की पढ़ाई भी पूरी नहीं हो पाई। इन सबके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। एक छोटे से चाय के स्टॉल ने उनकी जिंदगी को एक नई दिशा दी। यह स्टॉल आज उनकी आमदनी का मुख्य जरिया है। उनका स्टॉल शुरू किए हुए 8 से 10 साल हो गए हैं। परिवार की खराब आर्थिक स्थिति ने उन्हें काम करने के लिए प्रेरित किया।

प्राइवेट नौकरी में बहुत कम थी सैलरी

अनंत जब बीकॉम सेकेंड ईयर में थे तभी उन पर जिम्मेदारियों का बोझ आ गया। इसके चलते उन्हें अपनी पढ़ाई छोड़नी पड़ी। परिवार की मदद के लिए उन्होंने नौकरी की। इसके चलते पढ़ाई अधूरी की अधूरी रह गई। प्राइवेट नौकरी में उन्हें 12 से 13 घंटे लगातार काम करना पड़ता था। इस कारण वह दूसरे काम नहीं कर पाते थे। सैलरी भी बहुत कम थी। घर का खर्च और बच्चों की पढ़ाई के लिए यह काफी नहीं थी। लंबे काम के घंटे और कम वेतन ने उनकी मुश्किलें और दीं।

विकसित राष्ट्र बनने के लिए अनुकूल वैश्विक परिस्थितियों का उठाना होगा लाभ, मुख्य आर्थिक सलाहकार का बयान

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत को तेजी से आर्थिक विकास के लिए अनुकूल वैश्विक परिस्थितियों का लाभ उठाने के लिए तैयार रहना होगा, ताकि 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। यह बात मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने शुक्रवार को कही। नागेश्वरन ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर में कमी के लिए वैश्विक कारणों को जिम्मेदार ठहराया।

आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, भारत को अगले 20 सालों तक 8 प्रतिशत की दर से वृद्धि करनी होगी ताकि वह 2047 तक विकसित देश बन सके। 2024-25 के आर्थिक सर्वेक्षण को पेश करने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में नागेश्वरन ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था की वर्तमान मंदी को सही संदर्भ में देखना चाहिए, क्योंकि भारत अभी भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के अनुमान के अनुसार, 2024-25 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। सर्वेक्षण में 2025-26 के लिए 6.3 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत के बीच वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। नागेश्वरन ने बताया कि जब भी वैश्विक निर्यात वृद्धि में तेजी आती है, तो भारत की अर्थव्यवस्था को 0.5 प्रतिशत से 1 प्रतिशत तक अतिरिक्त बढ़त मिलती है, जिससे वृद्धि दर 7.5-8 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। वहीं, कृषि क्षेत्र भी 1 प्रतिशत अतिरिक्त जीडीपी वृद्धि में योगदान दे सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि विकसित भारत (विकसित राष्ट बनने) के लिए डॉलर के संदर्भ में नाममात्र जीडीपी वृद्धि दर लगभग 10 प्रतिशत होनी चाहिए।

हम विकसित देशों से भी मुकाबला कर रहे हैं- नागेश्वरन

भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में गिरावट के कारणों पर उन्होंने कहा, अब हम केवल उभरती अर्थव्यवस्थाओं से प्रतिस्पर्धा नहीं कर रहे हैं, बल्कि विकसित देशों से भी मुकाबला कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि एफडीआई आकर्षित करने का सबसे बड़ा कारक लाभदायक निवेश की संभावना है, जिसे भारत पोर्टफोलियो निवेशकों और प्रत्यक्ष निवेशकों के लिए प्रदान कर रहा है।

वैश्विक परिस्थितियों का लाभ उठाने के लिए रहे तैयार

नागेश्वरन ने कहा, मुझे लगता है कि यह 10 प्रतिशत की वृद्धि हर साल औसतन हासिल नहीं होगी... कुछ सालों में यह अधिक होगी और कुछ सालों में कम, यह वैश्विक परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। उन्होंने बताया कि यह कोई स्थिर संख्या नहीं है, बल्कि वैश्विक परिस्थितियां कभी सकारात्मक तो कभी नकारात्मक प्रभाव डालेंगी। हमें उन अनुकूल वर्षों में इसका पूरा लाभ उठाने के लिए तैयार रहना होगा, जबकि प्रतिकूल परिस्थितियों वाले वर्षों में न्यूनतम स्तर की वृद्धि बनाए रखनी होगी।

रोहित के बाहर होते ही मुम्बई की मेघालय पर पारी और 456 रनों से बड़ी जीत

मुम्बई (एजेंसी)। सिद्धेश लाड (145), आकाश आनंद (103), शम्स मुलानी (110) और कप्तान अजिंक्य रहाणे (96) की बेहतरीन पारियों के बाद शार्दुल ठाकुर (8 विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत मुम्बई ने शनिवार को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप ए मुकाबले में मेघालय पर पारी और 456 रनों से बड़ी जीत दर्ज की हैं। मेघालय ने कल के दूसरी पारी में दो विकेट पर 27 रन से आगे खेलना शुरु किया। शार्दुल ठाकुर ने अर्पित भटेवरा (छह) को आउट कर मुम्बई को तीसरी सफलता दिलाई। किशन लिंगदोह (39) को भी शार्दुल ने आउट किया। मुम्बई के गेंदबाजी आक्रमण के आगे मेघालय का कोई भी बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक पाया।

सुमित कुमार (13), बालचंदर अनिरुद्ध (24), जसकीरत सिंह (15), प्रिंगसांग संगमा (15), कप्तान आकाश चौधरी (शून्य) और अनीश चरक 2 रन बनाकर आउट हुए। मेघालय की पूरी टीम दूसरी पारी 30.1 ओवर में 129 रन पर ढ़ेर हो गई। मुम्बई की ओर से शार्दुल ठाकुर और तनुष कोटियान ने 4-4 विकेट लिए। शम्स मुलानी और एस डिसूजा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। पहली पारी में बल्लेबाजी करने उतरी मेघालय को मुम्बई के गेंदबाजों ने 86 रन पर ढ़ेर कर दिया था। इसके बाद मुम्बई ने पहली पारी सात विकेट पर 671 रन पर घोषित कर दी थी।

गौर हो कि मुंबई के लिए पिछले मुकाबले में रोहित शर्मा भी खेले थे। रोहित के लिए यह लंबे समय बाद घरेलू क्रिकेट में वापसी थी। ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दौरान उनका प्रदर्शन नजरों में रहा था। वह तीन टेस्ट में 40 ही रन बना पाए थे जिसके चलते भारतीय टीम ने टेस्ट सीरीज 3-1 से गंवा दी थी। रोहित को कई क्रिकेट दिग्गजों ने फार्म वापसी के लिए रणजी खेलने की सलाह दी थी। रोहित रणजी खेलने आए लेकिन बल्ले से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए। उनके साथ आए यशस्वी जायसवाल भी कुछ खास धमाल नहीं मचा सके थे।

87वां टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज

गुकेश की पाँचवीं जीत , एकल बढ़त कायम

नीदरलैंड (एजेंसी)। 87वें विज्क आन जी टाटा स्टील मास्टर्स सुपर ग्रांड मास्टर टूर्नामेंट के दसवें दौर के मुक़ाबले के बाद मौजूदा विश्व चैम्पियन भारत के डी गुकेश नें अपनी एकल बढ़त को बरकरार रखा है , गुकेश नें काले मोहरों से पिर्क ओपनिंग खेलते हुए नीदरलैंड के मैक्स वरमेरदम के खिलाफ फिर एक बार शानदार बाजी खेलते हुए जीत दर्ज की , सबसे खास बात गुकेश महत्वपूर्ण मौको पर सटीक चाल खेल रहे है और पिछले छह मुकाबलों में गुकेश की यह चौथी जीत रही । अब जबकि सिर्फ तीन राउंड बाकी है देखना होगा की क्या विश्व चैम्पियन के तौर पर गुकेश अपना पहला खिताब हासिल कर पाएंगे , फिलहाल गुकेश 7.5 अंक बनाकर सबसे आगे है । हालांकि गुकेश के ठीक पीछे उनके चिर प्रतिद्वंदी उज्बेकिस्तान के अब्दुसत्तोरोव नोदिरबेक बने हुए है , उन्होने इस राउंड में एक बेहद मुश्किल

लग रही बाजी में वापसी करते हुए सर्बिया के अलेक्सी सराना को मात देते हुए 7 अंको के साथ अपना दूसरा स्थान कायम रखा है । वहीं भारत के आर प्रज्ञानन्दा ने पिछले राउंड में मिली हार के बाद वापसी करते हुए इस राउंड में स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसीव को पराजित किया और अब वह 6.5 अंको के साथ तीसरे स्थान पर पहुँच गए है । अन्य चार बाज़ियाँ बेनतीजा रही , भारत के अर्जुन एरीगैसी से जर्मनी के विन्सें केमर नें , यूएसए के फबियानो करूआना से भारत के पेंटाला हरीकृष्ण नें , नीदरलैंड के अनीश गिरि से भारत के लियॉन मेंदोंसा नें और चीन के वे यी नें नीदरलैंड के जॉर्डन फॉरेस्ट से ड्रा खेला । अब एक दिन के विश्राम के बाद बाकी के मुक़ाबले खेले जाएँगे ।

शमी ने साहा को विदाई दी, कहा 'आपकी विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी'

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने विकेटकीपर बल्लेबाज रिद्धिमान साहा को क्रिकेट के खेल पर 'अमिट छाप' छोड़ने के लिए बधाई दी है। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया है। शुक्रवार को ईडन गार्डन्स में पंजाब के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच के दूसरे दिन साहा को उनके साथियों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया।

शमी ने कहा, आज हम भारतीय क्रिकेट के एक सच्चे दिग्गज रिद्धिमान साहा को विदाई देते हैं। उनकी शानदार विकेटकीपिंग और मैदान के अंदर और बाहर अनगिनत यादगार पलों ने एक अमिट छाप छोड़ी है। रणजी ट्रॉफी से लेकर राष्ट्रीय टीम तक, उनके समर्पण और जुनून ने हम सभी को प्रेरित किया है। रिद्धिमान, आपके अगले अध्याय के लिए आपको शुभकामनाएं। आपकी विरासत पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी! 141 प्रथम श्रेणी मैचों में, साहा ने 48.68 की औसत से 7,169 रन बनाए हैं, जिसमें 14 शतक और 44 अर्द्धशतक शामिल हैं।

40 वर्षीय साहा ने आखिरी बार दिसंबर 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में भारत के लिए खेला था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, साहा ने 40 टेस्ट में भाग लिया, जिसमें 29.41 की औसत से 1,353 रन बनाए, साथ ही नौ वनडे भी खेले। हालांकि उन्होंने आईपीएल 2025 की नीलामी को छोड़ दिया, लेकिन साहा 2008 से हर आईपीएल सीज़न में खेले हैं। वह हाल ही में गुजरात टाइटन्स के साथ थे, जिसने 2022 में खिताब जीता। पिछले कुछ वर्षों में, उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स, चेन्नई सुपर किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स का भी प्रतिनिधित्व किया है, जहां उन्होंने 2014 के फाइनल में शतक बनाया था।

विराट को भारत के लिए 100 टेस्ट मैच खेलने के लिए डीडीसीए ने किया सम्मानित

नई दिल्ली, एजेंसी। करिश्माई भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली को दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने 100 टेस्ट मैच खेलने की उपलब्धि के लिए सम्मानित किया, यह उपलब्धि उन्होंने 2022 में हासिल की।

कोहली को शुक्रवार को अरुण जेटली स्टेडियम में रेलवे और दिल्ली के बीच चल रहे रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद सम्मानित किया गया। दाएं हाथ के बल्लेबाज कोहली ने मार्च 2022 में मोहाली के पीसीए स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ 100 टेस्ट मैच खेलने की उपलब्धि हासिल की। पता चला है कि डीडीसीए की ओर से यह सम्मान दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के ठीक बाद दिया गया क्योंकि शास्त्री निकाय के भीतर यह महसूस किया गया कि ऐसा करने का समय सही था, खासकर यह देखते हुए कि कोहली 12 साल से अधिक समय के बाद रणजी ट्रॉफी मैच खेल रहे हैं।

36 वर्षीय कोहली को डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली ने शॉल और चांदी का स्मृति चिन्ह भेंट किया। सम्मान पैनल में अन्य सदस्यों में शीर्ष परिषद के सदस्य, निदेशक, बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सीके खन्ना और कोहली के बचपन के कोच राजकुमार शर्मा शामिल थे। कोहली दिल्ली के उन तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्होंने भारत के लिए 100 या उससे अधिक टेस्ट खेले हैं।

दिल्ली के अन्य दो खिलाड़ियों में दाएं हाथ के तेज गेंदबाज इशांत शर्मा (105 टेस्ट) और दाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग (104 टेस्ट) शामिल हैं। वर्तमान में, कोहली 12 साल से अधिक समय के बाद अपना पहला रणजी ट्रॉफी खेल रहे हैं, उन्होंने आखिरी बार नवंबर 2012 में गाजियाबाद में उत्तर प्रदेश के खिलाफ भारत की प्रतिष्ठित घरेलू प्रथम श्रेणी प्रतियोगिता में खेला था। इस अवसर पर उत्साह और भी बढ़ गया क्योंकि उन्हें एक्शन में देखने के लिए स्टेडियम में बड़ी संख्या में प्रशंसक उमड़ पड़े। लेकिन कोहली उनकी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे और रेलवे के तेज गेंदबाज हिमांशु सांगवान की गेंद पर महज छह रन बनाकर आउट हो गए।

मैच की बात करें तो कोहली के आउट होने के बाद दिल्ली ने वापसी की और दूसरे दिन का खेल 96 ओवर में 334/7 पर समाप्त हुआ तथा रेलवे पर 93 रन की बढ़त हासिल की। ??दिल्ली के कप्तान आयुष बदौनी ने 99 रन बनाए और शतक से एक रन से चूक गए, जबकि ऑलराउंडर सुमित माथुर 78 रन बनाकर नाबाद रहे।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान की टीम में फखर जमां और फहीम अशरफ की वापसी

कराची , एजेंसी। फ़ख़र ज़मां को चैंपियंस ट्रॉफ़ी के लिए पाकिस्तान की टीम में चुना गया है, जो अक्टूबर 2024 में एक सोशल मीडिया पोस्ट पर पीसीबी के साथ मतभेद के बाद उनकी पहली बार टीम में वापसी है। 2023 में पिछला अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने वाले फ़हीम अशरफ़ की भी टीम में वापसी हुई है। ख़ुशदिल शाह और सउद शकील भी टीम में शामिल हैं। यही टीम चैंपियंस ट्रॉफ़ी की तैयारी के लिए दक्षिण अफ़्रीका और न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ वनडे त्रिकोणीय सीरीज़ भी खेलेगी।

केपटाउन टेस्ट के दौरान टखने के फ़्रैक्चर के कारण सईम अयूब अनुपलब्ध हैं। उस समय यह घोषणा की गई थी कि वह छह सप्ताह के लिए बाहर रहेंगे, लेकिन ऐसा माना जा रहा था कि चैंपियंस ट्रॉफ़ी के लिए समय पर उनके ठीक होने की संभावना बेहद कम है। इससे पहले आज पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नक़वी ने पुष्टि की कि अयूब की वापसी करने में कम से कम चार सप्ताह का समय लगेगा। अब्दुल्लाह शफ़ीक़ की ख़राब फ़ॉर्म के कारण उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। दक्षिण अफ़्रीका के ख़िलाफ़ हाल ही में समाप्त हुई वनडे सीरीज़ में वह प्रत्येक मैच में शून्य पर आउट होने वाले पहले खिलाड़ी बने थे। इस सीरीज़ को पाकिस्तान ने 3-0 से जीता था। इसका मतलब है कि पाकिस्तान पूरी तरह से अलग ओपनिंग जोड़ी के साथ उतरेगा जिसमें फ़ख़र, बाबर आज़म या सउद शकील के साथ जोड़ी बना सकते हैं। पीसीबी ने टेस्ट क्रिकेट में बाबर की सफलता को देखते हुए उनको ओपनिंग के लिए उपयुक्त समझा है।

चयन पैनल के सदस्य असद शफ़ीक़ के एक बयान में कहा गया, फ़ख़र के ओपनिंग जोड़ीदार या तो बाबर आज़म या सउद शकील हो सकते हैं, जो परिस्थितियों, विरोधी और मैच की रणनीति जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है। ये दोनों खिलाड़ी टॉप ऑर्डर में बेहद सक्षम हैं। बाबर नियमित रूप से टी20 में ओपनिंग करते रहे और सईम अयूब की अनुपस्थिति में दो अर्धशतक बनाकर केपटाउन टेस्ट में भी उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया था।

टीम ने अपने तेज़-तर्रार गेंदबाज़ी तत्व को भी बरक़रार रखा है, जिसने पाकिस्तान ने पिछले साल के अंत में विदेशी धरती पर लगातार तीन वनडे सीरीज़ जीती थी। शाहीन शाह अफ़रीदी, नसीम शाह, हारिस रउफ़ और मोहम्मद हसनैन सभी अंतिम 15 का हिस्सा हैं। अबरार अहमद के रूप में टीम में केवल एक विशेषज्ञ स्पिनर है। अपने पहले वनडे में चार विकेट लेने वाले सुफ़ियान मुक़ीम और चैंपियंस कप में अपनी टीम की कप्तानी करने वाले शादाब ख़ान को टीम में नहीं चुना गया है।

मोनाको में होगी फीडे महिला ग्रां प्री , हम्पी और हरिका करेंगी भारत का प्रतिनिधित्व

मोनाको (एजेंसी)। फीडे महिला ग्रां प्री 2025 का तीसरा चरण 17-28 फरवरी के बीच मोनाको के नोवोटेल होटल में खेला जाएगा। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में दुनिया की 10 शीर्ष महिला शतरंज खिलाड़ी हिस्सा लेंगी। हर इवेंट 10-खिलाड़ियों के राउंड-रॉबिन प्रारूप में होता है, और इस श्रृंखला के अंत में शीर्ष दो खिलाड़ी 2026 फिडे महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करेंगी। भारत की तरफ से इस इवेंट में ग्रां प्री की अनुभवी खिलाड़ी हरिका द्रोणावल्ली और विश्व रैपिड चैंपियन हम्पी कोनेरू भाग लेंगी। हरिका ने हाल ही में ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा बनकर शानदार प्रदर्शन किया है, जबकि हम्पी ने 2024 विश्व रैपिड चैंपियनशिप जीतकर अपनी फार्म का प्रदर्शन किया है । दोनों भारतीय खिलाड़ियों से इस महत्वपूर्ण इवेंट में मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। महिला ग्रां प्री की कुल इनामी राशि €80,000 प्रति इवेंट है, और खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन के आधार पर अंक दिए जाते हैं। हरिका और हम्पी के लिए यह न केवल अपनी स्थिति मजबूत करने का मौका होगा, बल्कि भारतीय शतरंज का परचम मजबूत एक बार फिर ऊंचा करने का अवसर भी रहेगा।

विराट कोहली की सुरक्षा में बड़ी चूक

दर्शकों ने तोड़ा घेरा, चलते मैच में पिच तक पहुंचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली और रेलवे के बीच यहां अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जा रहे रणजी ट्रॉफी मैच के दौरान शनिवार को तब सुरक्षा में बड़ी चूक देखने को मिली जब तीन अति उत्साही प्रशंसक विराट कोहली से मिलने के लिए मैदान में उतर गए। प्रशंसकों के लिए अपने क्रिकेट नायकों से मिलने के लिए सुरक्षा घेरा तोड़ना आम बात है लेकिन ऐसा अक्सर अंतरराष्ट्रीय मैचों में देखने को मिलता है लेकिन कोहली की रणजी ट्रॉफी में 13 साल बाद वापसी करने के कारण दर्शक यहां स्टेडियम में पहुंच रहे हैं जबकि अमूमन रणजी ट्रॉफी मैच खाली स्टेडियम में खेले जाते रहे हैं।

इस मैच में कोहली की उपस्थिति के कारण कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है लेकिन इसके बावजूद 3 प्रशंसक 20 से अधिक गार्डों के समूह को चकमा देकर मैदान पर आने में कामयाब रहे। इन तीनों प्रशंसकों को हालांकि तुरंत ही पकड़ लिया गया और वह कोहली के करीब नहीं जा पाए। यह घटना लंच से ठीक पहले घटी जब कोहली कवर पर क्षेत्ररक्षण कर रहे थे। मैच के पहले दिन भी एक प्रशंसक मैदान पर उतरकर भारतीय सुपरस्टार के पांव छूने में सफल रहा था। कोहली को खेलते हुए देखने के लिए पहले दिन लगभग 12000 दर्शक स्टेडियम में पहुंचे थे। कोहली को हालांकि मैच के दूसरे दिन बल्लेबाजी करने का मौका मिला और उन्होंने 15 गेंदों पर छह रन बनाए। तेज गेंदबाज हिमांशु सांगवान ने पूर्व भारतीय कप्तान का ऑफ स्टंप उखाड़कर उनका बेशकीमती विकेट लिया। बता दें कि विराट कोहली के हालिया प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। टेस्ट क्रिकेट में कोहली बांग्लादेश और साउथ अफ्रीका के खिलाफ कमजोर रहे। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में केवल 6 रन बनाए और साउथ अफ्रीका के खिलाफ दो पारियों में 58 रन बनाए, जिससे उनका औसत 21.33 रहा। ऑस्ट्रेलिया में उन्होंने एक शतक जरूर लगाया लेकिन बाद में संघर्ष करते दिखे। चैंपियंस ट्रॉफी आने वाली है। ऐसे में कोहली ने फॉर्म में वापसी के लिए घरेलू क्रिकेट का रुख किया था। लेकिन यह भी उन्हें फायदा देता नहीं दिख रहा है।

विराट कोहली को नहीं मिली दूसरी पारी, दिल्ली जीता, बड़ा सवाल- कैसे लौटेंगे फार्म में

कप्तान आयुष बडोनी (99) और सुमित माथुर (86) शानदार पारियों के बाद शिवम शर्मा (पांच विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर दिल्ली ने शनिवार को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मुकाबले के तीसरे दिन रेलवे को पारी और 19 रन से हरा दिया है। दिल्ली ने आज सात विकेट पर 334 रनों से आगे खेलना शुरु किया। रेलवे के गेंदबाजों ने आज दिल्ली की पारी को 374 स्कोर पर रोक दिया। दिन का पहला विकेट सिद्धांत शर्मा (18) के रूप में गिरा। सुमित माथुर (86) को हिमांशु सांगवान ने पगबाधा आउट किया। इसके बाद सांगवान ने मनी ग्रेवाल (0) को आउट कर दिल्ली की पारी का अंत कर दिया। इसी के साथ दिल्ली को 133 रनों की बढ़त मिल गई। रेलवे की ओर से हिमांशु सांगवान ने 4 विकेट लिए। कुनाल यादव को 3 विकेट मिले। राहुल शर्मा, आयन चौधरी और कर्ण शर्मा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी रेलवे की शुरुआत खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में कप्तान सूरज अहूजा (एक) का विकेट गंवा दिया। उन्हें सिद्धांत शर्मा ने पगबाधा आउट किया। इसके बाद शिवम शर्मा ने विवेक सिंह (12) और मोहम्मद सैफ (31) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। भार्गव मेराई (एक) को नवदीप सैनी ने बोल्ड आउट किया। उपेंद्र यादव (19), कर्ण शर्मा (16), हिमांशु

सांगवान (एक) और राहुल शर्मा (तीन) रन बनाकर आउट हुए। कुनाल यादव (0) को आउट कर आयुष बडोनी ने रेलवे की पारी को 114 के स्कोर पर समेट दिया। इसी के साथ दिल्ली ने पारी और 19 रनों से मुकाबला जीत लिया। दिल्ली की ओर शिवम शर्मा ने 33 रन देकर 5 विकेट लिए। नवदीप सैनी, सिद्धांत शर्मा और मनी ग्रेवाल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। रेलवे ने पहली पारी में 241 रन बनाए थे।

'तेरे इश्क में' में मुख्य भूमिका निभाएंगी कृति सेनन

अविस्मरणीय रांझणा (2013) के बाद, पावरहाउस तिकड़ी- आनंद एल राय, धनुष और ए.आर. रहमान- एकतरफा प्यार की एक और भावनात्मक प्रेम कहानी लेकर फिर से साथ आ रहे हैं। आनंद एल राय, हिमांशु शर्मा, भूषण कुमार और कृष्ण कुमार द्वारा निर्मित, यह फिल्म दर्शकों को भावनाओं के एक रोलरकोस्टर पर ले जाने का वादा करती है, जिसमें महान ए. आर. रहमान का शानदार साउंडट्रैक के साथ इरशाद कामिल के काव्यात्मक गीत हैं। अब सुर्खियों का केंद्र कृति सेनन है, जो हाल के सिनेमाई इतिहास की सबसे प्रतिष्ठित अभिनेत्रियों में से एक के रूप में दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार है। प्रशंसक एक भावनात्मक रोलर कोस्टर की उम्मीद कर सकते हैं, जिसमें सच्ची गहनता, परतदार कहानी और वे पल होंगे जो गहरी छाप छोड़ जाएंगे। इस उत्साह को बढ़ाते हुए फिल्म में कुछ शानदार और अविस्मरणीय डायलॉग हैं जो रांझणा की दुनिया से गहराई से जुड़े हुए हैं। ल ही में जारी प्रोमो में कृति सेनन को एक रहस्यमय अवतार में दिखाया गया है, जो उनके पात्र की गहराई, इंटेंसिटी और जटिलताओं को पूरी तरह से दर्शाता है। बेहद खूबसूरत धुन अविस्मरणीय संगीतमय यात्रा का वादा करती है। दिल को छूने वाले धनुष के पहले लुक के बाद, यह शानदार नया खुलासा तेरे इश्क में की प्रत्याशा और दिलचस्पी को बिल्कुल नए स्तर पर ले जाता है, जिससे प्रशंसक और भी अधिक उत्सुक हो गए हैं।

तेरे इश्क में, जो 2025 में फ्लोर पर आने के लिए तैयार है, रांझणा की दुनिया का आध्यात्मिक उत्तराधिकारी है, जो एकतरफा प्यार, लालसा और भावनात्मक संघर्ष के विषयों पर गहराई से प्रकाश डालता है। गुलशन कुमार, टी-सीरीज़ और कलर येलो उत्साहपूर्वक पेश करते हैं तेरे इश्क में, जिसे आनंद एल राय, हिमांशु शर्मा, भूषण कुमार और कृष्ण कुमार के साथ प्रोड्यूस किया है। स फिल्म को आनंद एल राय ने डायरेक्ट किया है और हिमांशु शर्मा ने लिखा है। इसे ए.आर. रहमान ने म्यूजिक दिया है, और इसके गीत इरशाद कामिल ने दिए हैं। धनुष और कृति सेनन अभिनीत यह फिल्म 28 नवंबर 2025 को दुनिया भर में हिंदी और तमिल में रिलीज होने वाली है।

सलमान-रश्मिका की फिर बनेगी जोड़ी, सिकंदर की रिलीज से पहले ही हाथ आई दूसरी फिल्म

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। वह विक्की कौशल के साथ 'छावा' में भी नजर आएंगी। हाल ही में इसका ट्रेलर भी रिलीज हुआ है। फैंस रश्मिका को सलमान खान के साथ 'सिकंदर' में देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। इस बीच फैंस की एक्साइटमेंट को बढ़ाने वाली खबर सामने आ रही है। आइए जानते हैं वह क्या अपडेट है?

सलमान के साथ फिर बनेगी जोड़ी

एआर मुरुगादॉस निर्देशित 'सिकंदर' के बाद अभिनेत्री सलमान खान के साथ एक शीर्षकहीन फिल्म में नजर आ सकती हैं। फिल्मफेयर की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों को एक और प्रोजेक्ट के लिए एक साथ साइन किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक सलमान और रश्मिका एटली द्वारा निर्देशित एक आगामी फिल्म में नजर आने वाले हैं। सूत्रों ने खुलासा किया कि 'सिकंदर' के सेट पर इस जोड़ी का काम करने का तरीका बहुत अच्छा था और 'पुष्पा 2- द रूल' में रश्मिका के प्रदर्शन ने एटली और सलमान दोनों को प्रभावित किया, जिसके कारण उन्हें एक नए प्रोजेक्ट के लिए फिर से साथ लिया गया। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

सलमान खान का वर्क फंट

सलमान खान के वर्क फंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार कैटरीना कैफ के साथ 'टाइगर 3' में देखा गया था। इसके बाद अब वह 'सिकंदर' में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म ईद 2025 पर रिलीज होगी।

रश्मिका मंदाना का वर्क फंट

रश्मिका मंदाना के वर्क फंट की बात करें तो वह आखिरी बार 'पुष्पा 2' में अल्लू अर्जुन की पत्नी श्रीवल्ली के किरदार में नजर आई थीं। अब उनके पास सलमान की सिंकदर है। 14 फरवरी को विक्की कौशल के साथ उनकी फिल्म 'छावा' रिलीज होगी। इसके अलावा वह धनुष और नागार्जुन अक्किनेनी स्टारर 'कुबेर' में भी मुख्य भूमिका निभाने वाली हैं।

अब परिवार संग स्क्रीन शेयर नहीं करना चाहते शाहिद

शाहिद कपूर और मीरा राजपूत कई विज्ञापनों में एक साथ नजर आ चुके हैं। वहीं शाहिद पिता पंकज के साथ भी कई फिल्में कर चुके हैं। लेकिन अचानक ऐसा क्यो हो गया है कि शाहिर अब अपने परिवार के साथ फिल्मों में अभिनय नहीं करना चाहते हैं। शाहिद कपूर ने अपने पिता पंकज कपूर के साथ मौसम और जर्सी जैसी फिल्मों में काम भी किया है। हालांकि, उन्होंने खुलासा किया है कि वह अब अपने परिवार के साथ काम नहीं करना चाहते हैं। शाहिद ने कहा कि काम और परिवार को अलग रखना सबसे अच्छा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान शाहिद ने कहा, मैं परिवार के साथ काम नहीं करना चाहता, यह अच्छा विचार नहीं है। परिवार और काम को अलग-अलग तरीके से निपटाया जाना चाहिए। अगर वे एक साथ आते हैं, तो यह मुश्किल भरा हो जाता है। मैं उनके साथ काम नहीं करना चाहता क्योंकि अगर मैंने कुछ कहा तो उनकी भावनाएं आहत होंगी। थित तौर पर इस दौरान शाहिद ने अपनी मां नीलिमा अजीम और पत्नी मीरा राजपूत के बारे में कहा, आपके जीवन में हमेशा महिलाएं ही होती हैं, वे आपको बताती हैं कि आप कितने अच्छे या बुरे हैं। मेरी पत्नी और मां दो ऐसे व्यक्ति हैं, जिनकी मैं बहुत सुनता हूं। मैं उन पर भरोसा करता हूं, अगर वे कुछ ऐसा कहती हैं जो अच्छा नहीं लगता, तो मैं जानता हूं कि वे ऐसा इसलिए कह रही हैं क्योंकि मुझे इसे सुनना है। म की बात करें, शाहिद कपूर अपनी आगामी फिल्म देवा में एक पुलिस अफसर की भूमिका निभा में नजर आएंगे। इस फिल्म में शाहिद के साथ पूजा हेगड़े, पावेल गुलाटी, प्रवेश राणा और कुब्रा सैत भी नजर आएंगे। रोशन एंड्रयूज द्वारा निर्देशित और सिद्धार्थ रॉय कपूर और उमेश केआर बंसल द्वारा निर्मित, देवा 31 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

परदे पर ओशो का किरदार अदा करने पर मिथुन चक्रवर्ती ने तोड़ी चुप्पी

दादा साहेब फाल्के पुरस्कार विजेता दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को लेकर काफी समय से चर्चा है कि वे दार्शनिक और आध्यात्मिक गुरू ओशो रजनीश की बायोपिक में लीड रोल अदा करेंगे। काफी वक्त से मिथुन का लुक भी बदला हुआ है, वे लंबे बाल और बढ़ी हुई दाढ़ी में नजर आ रहे हैं। इसके बाद फैंस की उत्सुकता और बढ़ रही है। एक्टर किसी फिल्म में ओशो का रोल अदा करने वाले हैं या नहीं, इसे लेकर खुद उन्होंने चुप्पी तोड़ी है। मिथुन चक्रवर्ती का कहना है कि उन्हें ओशो की भूमिका ऑफर हुई है, लेकिन अभी कुछ कंफर्म नहीं हुआ है। अभी इसमें चार-पांच लग सकते हैं। मिथुन ने फैंस की अटकलों पर बात करते हुए कहा कि लोग उनसे लगातार इस बारे में पूछते हैं। एक्टर ने कहा फिल्म द कश्मीर फाइल्स के लिए फोटोशूट के दौरान एक फिल्म एटिडर ने ओशो के साथ उनकी समानता पर टिप्पणी की थी। एक्टर ने आगे कहा, मुझे ओशो का रोल ऑफर भी हुआ है, लेकिन अभी कुछ कंफर्म नहीं है। अभी इसमें पांच-छह साल लगेंगे। शायद भविष्य में ऐसा हो। मैं यह रोल करूं। मिथुन ने कहा, जब मैं द कश्मीर फाइल्स कर रहा था तब मैंने कुछ फोटोज लिए थे। मैं उनमें खास मुद्राओं में बैठा था। लोगों ने उन तस्वीरों को देखने के बाद कहा कि ओशो जैसा लग रहा हूं। मुझे ओशो रजनीश की बायोपिक भी ऑफर हुई है, लेकिन अभी कुछ भी कंफर्म नहीं है। अगर ओशो रजनीश की बायोपिक बनती भी है तो उसे बनने में पांच-छह साल लगेंगे।

एक बड़ी जिम्मेदारी है यह किरदार

मिथुन ने आगे कहा, विवेक अग्निहोत्री चाहते हैं कि मैं ओशो की बायोपिक में काम करूं। एक और इंसान ने मुझे ओशो की बायोपिक के लिए ऑफर दिया है। मैं इसे करना चाहता हूं, लेकिन मुझे पता है कि ये एक बड़ी जिम्मेदारी होगी। ओशो के फॉलोवर्स के लिए वे अब भी एक जिंदा भगवान हैं। वे एक महान इंसान थे और मैं उनकी बहुत इज्जत करता हूं। वर्क फंट की बात करें तो मिथुन द दिल्ली फाइल्स में नजर आएंगे।

हेरा फेरी 3 पर मुहर लगने के बाद शुरू हुआ काम!

हेरा फेरी 3 के आधिकारिक तौर पर शुरू होने से प्रशंसक रोमांचित हैं। अपने जन्मदिन पर मशहूर फिल्म निर्माता प्रियदर्शन ने एलान की कि वह लोकप्रिय कॉमेडी फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त का निर्देशन करेंगे, जिसमें अक्षय कुमार, परेश रावल और सुनील शेट्टी की तिकड़ी एक बार फिर साथ नजर आएंगे, जिसमें उनकी शानदार ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री वापस आएगी। वहीं, अब फिल्म की रिलीज को लेकर नया अपडेट सामने आया है।

कब शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

रिपोर्ट्स के अनुसार, इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की शूटिंग इस साल दिसंबर में शुरू होगी। हेरा फेरी 3 को इस साल दिसंबर से मई 2026 तक छह महीने में फिल्माया जाएगा। फिल्म की मूल रूपरेखा और आर्क पहले से ही तैयार हैं। बताया गया है कि यह एक ऐसी कहानी को चमकाने और विकसित करने के बारे में है, जो राजू, श्याम और बाबूराव के पंथ के साथ न्याय करेगी। प्रियदर्शन फिलहाल भूत बंगला की शूटिंग में व्यस्त हैं और फिल्म निर्माता जून 2025 तक वीएफएक्स और पोस्ट-प्रोडक्शन के लिए अपना संपादन पूरा कर लेंगे। इसके बाद वह स्क्रिप्ट पर कुछ समय बिताना चाहते हैं और फिर हेरा फेरी 3 को फ्लोर पर ले जाना चाहते हैं। पूरी टीम जानती है कि हेरा फेरी कितनी बड़ी फ्रेंचाइजी है और वे पहले जैसा हंसी का अनुभव देने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। हेरा फेरी का तीसरा भाग छह महीने की राइटिंग और प्री-प्रोडक्शन के बाद फ्लोर पर जाएगा।

देवा से पहले इन हिंदी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं पूजा हेगड़े

फिल्म देवा सिनेमाघरों में 31 जनवरी को रिलीज हो गई है। यह फिल्म मलयालम फिल्म मुंबई पुलिस की रीमेक है। इसमें शाहिद कपूर के साथ पूजा हेगड़े नजर आएंगी। पूजा हेगड़े साउथ इंडस्ट्री की चर्चित अदाकारा हैं। हालांकि, बॉलीवुड में भी उन्होंने काम किया है। देवा से पहले वे हिंदी फिल्मों में बॉलीवुड के सुपरस्टार्स के साथ नजर आई हैं।

मोहनजो-दाड़ो

पूजा हेगड़े ने साल 2016 में फिल्म मोहनजो-दाड़ो से बॉलीवुड फिल्मों में डेब्यू किया। अपनी पहली ही हिंदी फिल्म में उन्हें ऋतिक रोशन जैसे सुपरस्टार के साथ काम करने का अवसर मिल गया। मगर, उनकी डेब्यू हिंदी फिल्म ही फ्लॉप रही। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। करीब 120 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म सिर्फ 58.23 करोड़ ही कमा पाई।

हाउसफुल 4

साल 2019 में रिलीज हुई इस मल्टी-स्टारर फिल्म में पूजा हेगड़े नजर आईं। इस एक्शन कॉमेडी फिल्म को दर्शकों का प्यार मिला और बॉक्स ऑफिस पर हिट रही। ओपनिंग डे पर इस फिल्म ने 16.50 करोड़ रुपये कमाए और टोटल नेट कलेक्शन 194.60 करोड़ रुपये रहा। इस फिल्म में पूजा हेगड़े ने राजकुमारी माला का रोल अदा किया।

राधे श्याम

यूं तो यह फिल्म मूल रूप से साउथ की ही है, लेकिन हिंदी दर्शकों तक भी पहुंची। इसे हिंदी भाषा में भी रिलीज किया गया। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी। साल 2022 में आई इस फिल्म में पूजा हेगड़े और प्रभास नजर आए थे।

सर्कस

साल 2022 में पूजा हेगड़े फिल्म सर्कस में नजर आईं। रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रणवीर सिंह, जैकलीन फर्नांडिस और वरुण शर्मा जैसे सितारे भी नजर आए। मगर, यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर डिजास्टर ही साबित हुई। करीब 150 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म 35.65 करोड़ रुपये पर ही सिमट गई।

किसी का भाई किसी की जान

साल 2023 में पूजा हेगड़े को बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान के साथ काम करने का मौका मिला। इस बॉलीवुड फिल्म से बहुत उम्मीदें थीं। मगर, कुछ खास रंग नहीं दिखा पाई। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने औसत प्रदर्शन किया। अब पूजा हेगड़े देवा में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर निर्देशक रोशन एंड्रूयज कर रहे हैं। देखना दिलचस्प होगा कि पूजा हेगड़े की यह फिल्म क्या रंग जमाती है।

फिर टूटा राखी सावंत का तीसरी शादी का सपना

कुछ दिनों पहले राखी सावंत अपनी तीसरी शादी की वजह से सुर्खियों में आई थीं। पाकिस्तानी एक्टर डोडी खान ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें उन्होंने राखी को शादी के लिए प्रपोज किया था। इतना ही नहीं, राखी ने कई इंटरव्यू में इस बात की पुष्टि की थी कि वह डोडी से शादी करने जा रही हैं और शादी पाकिस्तान में होगी, जबकि भारत में रिसेप्शन होगा। हालांकि अब डोडी ने यू-टर्न ले लिया है और राखी को फ्रेंड जोन में डाल दिया है, उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है जिसमें उन्होंने राखी के साथ कोलाब किया है। उन्होंने कहा- सलाम वालेकुम हिंदुस्तान पाकिस्तान, मैं डोडी खान, कुछ दिन पहले आपने मेरे सोशल मीडिया पर एक वीडियो देखा, जिसमें मैंने राखी सावंत को प्रपोज किया। बिलकुल ठीक देखा आपने, उन्हें प्रपोज करने की वजह ये थी कि मैं बहुत अच्छे से उन्हें जानता हूं, उनको जब मैंने जाना पहचाना तो एक खुदा से मोहब्बत करने वाला इंसान उनके अंदर दिखा। मेरा ख्याल ये है कि लोगों को ये स्वीकार नहीं, क्योंकि जितने मुझे मैसेज और वीडियो आए, उतना तो मैं बर्दाश्त नहीं कर सकता।